प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

सुविचार

रोना बंद करो और अपनी तकलीफों से खुद लडना सीखो, क्योंकि साथ देने वाले भी श्मशान से आगे नहीं जाते..!!!

श्रीमद् भगवद् गीता

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची ➢दिल्ली➢देवघर से प्रकाशित

www.purvanchalsurya.com

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

वर्ष - 17 | अंक 187 | दैनिक | रांची | मंगलवार 20 फरवरी 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

राज्य के हर व्यक्ति को रोटी, कपड़ा और मकान देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

अबुआ आवास योजना कार्यक्रम में हुए शामिल, 28 हज़ार 295 लाभुकों को सौंपा स्वीकृति पत्र

बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से पहली किस्त के रूप में 84 करोड़ 88 लाख 50 हज़ार का किया हस्तांतरण

ब्यूरो प्रमुख

हज़ारीबाग़। रोटी,कपड़ा और मकान हर किसी की बुनियादी जरूरत है। राज्य का कोई भी व्यक्ति इससे वंचित नहीं रहेगा, इसके लिए सरकार संकल्पित है। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने हजारीबाग में अबुआ आवास योजना के अंतर्गत स्वीकृति पत्र वितरण समारोह को संबोधित करते हुए ये बातें कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हर बुजुर्ग, विधवा और दिव्यांग को पेंशन मिल रहा है। 20 लाख से ज्यादा लाभुकों को हरा राशन कार्ड के जरिए मुफ्त अनाज दे रहे हैं। गरीबों को वर्ष में दो बार धोती, साड़ी और लूंगी दिया जा रहा है। अबुआ आवास योजना के तहत 20 लाख आवासविहीन, गरीब और जरूरतमंद को तीन कमरों का सुसज्जित पक्का मकान उपलब्ध कराने की दिशा में हमारी सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। वर्ष 2027 तक इस राज्य में कोई भी व्यक्ति टूटे -फूटे और जर्जर घर में रहने को मजबूर नहीं होगा। सभी का अपना पक्का मकान होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2019 में हमारी सरकार को पांच वर्षों के लिए जनादेश मिला था। हेमन्त सोरेन ने मुख्यमंत्री का दायित्व संभाला। पिछले 4 वर्षों से वे अपने कुशल नेतृत्व में राज्य के विकास को नई दिशा देने का काम कर रहे थे।

उन्होंने पिछले 4 वर्षों में जनता के हित में जो नीतियां और योजनाएं बनाई, उसे ही हम आगे बढ़ने का कार्य कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि हेमन्त सोरेन की सोच और विजन के अनुरूप झारखंड को एक नई दिशा दे सकें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सिर्फ आश्वासन नहीं देती है। हम जो कहते हैं उसे निश्चित तौर पर पूरा करते हैं। पिछले 4 वर्षों में सरकार की ओर से जो भी योजनाएं बनी है , वह जनता की आकांक्षाओं और उम्मीदों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। आदिवासी- मूलवासी, दलित, पिछड़ा, गरीब, जरूरतमंद, किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, हर किसी के लिए योजनाएं हैं। आप इन योजनाओं से जुड़े और अपने को सशक्त बनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड जल- जंगल -जमीन और खनिज संपदा से संपन्न राज्य है। यहां के खनिजों से देश- दुनिया जगमग कर रहा है। लेकिन, अफसोस की बात है कि यहां के आदिवासी -मूलवासी लगातार पिछड़ते गए। यहां के लोगों की किसी ने सुध नहीं ली। ना तो उनकी रोजगार की किसी को चिंता रही और ना ही स्वाभिमान की। उनकी गरीबी को दूर करने की दिशा में कोई सार्थक प्रयास नहीं हुआ। लेकिन, हेमन्त सोरेन ने जब सत्ता संभाला तो यहां के आदिवासियों- मूलवासियों को उनका हक - अधिकार देने का काम शुरू हुआ। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन्हें सशक्त बनाने का सिलसिला शुरू हुआ और आगे भी लगातार जारी रहेगा।

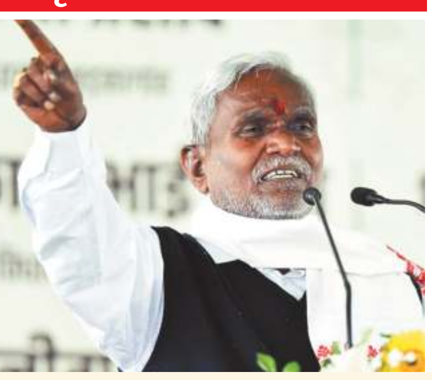

आपके दरवाजे पर सीधे पहुंच रही सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकार आपके दरवाजे पर सीधे पहुंच रही है। 卐आपकी योजना- आपकी सरकार- आपके द्वार卐 कार्यक्रम के जरिए आपकी समस्याओं का समाधान और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आपको अपने घर पर देने का काम हमारी सरकार ने किया। हम जनता के साथ सीधे जुड़े हैं और सरकार की योजनाओं में किसी भी प्रकार की बिचौलियागिरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पढ़ाई में पैसे की तंगी नहीं बनेगी बाधा

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब गरीबों का बच्चा भी इंजीनियर डॉक्टर और अधिकारी बनेगा। बच्चों की पढ़ाई में अब पैसे की तंगी बाधा नहीं बनेगी। शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। निजी विद्यालयों की तर्ज पर गरीब बच्चों को क्वालिटी एजुकेशन देने के लिए स्कूल ऑफ एक्सीलेंस खोले गए हैं। स्कॉलरशिप की राशि में तीन गुना इजाफा किया गया है। सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजनाओं का लाभ अब तक 9 लाख छात्राओं को मिल चुका है। प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी से लेकर मेडिकल- इंजीनियरिंग जैसे कोर्सेज करने के लिए सरकार आर्थिक मदद कर रही है। विद्यार्थियों को गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना से जोड़ा जा रहा है। विदेश में उच्च शिक्षा के लिए सरकार शत- प्रतिशत स्कॉलरशिप दे रही है।

28 हज़ार 2 सौ 95 लाभुकों को आवास का मिला स्वीकृति पत्र

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कुल 28 हज़ार 295 लाभुकों को स्वीकृति पत्र प्रदान करने के साथ उनके बैंक खाते में पहली किस्त के रूप में डीबीटी के माध्यम से 84 करोड़ 88 लाख 50 हजार रुपए हस्तांतरित किए। इनमें हजारीबाग के 11648 रामगढ़ के 4236 चतरा के 7820 और कोडरमा के 4591 लाभार्थी शामिल हैं। इस अवसर पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता और बादल, फागू बेसरा (राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त) ,विधायक विनोद कुमार सिंह एवं अमित कुमार यादव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव विनय कुमार चौबे और ग्रामीण विकास विभाग के सचिव चंद्रशेखर समेत कई अधिकारी उपस्थित थे।

खेतों में पहुंचा रहे पानी, उद्योगों को दे रहे बढ़ावा

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को सशक्त बनने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। आज भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से खेतों में पानी पहुंचाने का काम तीव्र गति से चल रहा है। हमारा प्रयास है कि हर खेत में सिंचाई की सुविधा हो ताकि किसान सालों भर खेती कर सकें। वहीं, उद्योगों को बढ़ावा देने की दिशा में भी सरकार प्रयासरत है। राज्य के सभी औद्योगिक क्षेत्र में बिजली- पानी -सड़क जैसी आधारभूत संरचनाएं मजबूत की जा रही है। युवाओं को रोजगार मिले, इसके लिए बड़े पैमाने पर नियुक्तियां हो रही है। निजी क्षेत्र की संस्थानों में 75 प्रतिशत नौकरी स्थानीयों को देने का भी कानून सरकार ने बनाया है।

हर व्यक्ति, परिवार और समुदाय को दे रहे सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार व्यक्ति, परिवार और समाज को सम्मान दे रही है। लोगों को पूरे मान सम्मान के साथ उनका हक- अधिकार दिया जा रहा है। सभी के साथ न्याय हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी के सहयोग से राज्य की तकदीर और तस्वीर बदलेंगे। इसके लिए यहां की आर्थिक, सामाजिक शैक्षणिक और स्वास्थ्य जैसी व्यवस्थाओं को मजबूत कर रहे हैं, क्योंकि राज्य तभी आगे बढ़ेगा जब यहां के लोग आगे बढ़ेंगे।

द /नज इंस्टीट्यूट का झारखंड की दीदियों के लिए स्नातक समारोह आयोजित

दीदियों की उपलब्धियां प्रेरणास्रोत: सीपी राधाकृष्णन

विशेष संवाददाता

रांची। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को आर्यभट्ट सभागार में द/नज इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित झारखंड की दीदियों के स्नातक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी दीदियों ने 3 वर्ष पूर्व 'इंड अल्ट्रा पॉवर्टी (ईयूपी) कार्यक्रम' के तहत विविध आजीविका के माध्यम से एक सम्मानजनक जीवन जीने हेतु छात्रा के रूप में यात्रा शुरू की थी। तीन साल के पश्चात वे स्नातक के रूप में उभरी हैं और उनकी उपलब्धियां प्रेरणा का स्रोत हैं। झारखंड में विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) सहित कई आदिवासी परिवारों को गरीबी से ऊपर उठाने के लिए वित्तीय समावेशन, आजीविका संवर्धन और सामाजिक सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रित किया गया, जिससे दीदियों के जीवन में ठोस बदलाव आया है।

राज्यपाल ने कहा कि 'इंड अल्ट्रा पॉवर्टी कार्यक्रम' विकास के लिए किए गए विभिन्न पहलों में से एक हैं। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को आजीविका में विविधता लाने एवं वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने का प्रशिक्षण प्राप्त हो रहा है। पशुपालन एवं कृषि कार्य का भी प्रशिक्षण प्राप्त होता है। इनसे उनकी आमदनी लगातार बढ़ रही है। प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गयी विभिन्न

कल्याणकारी योजनाओं यथा- प्रधानमंत्री आवास योजना,जल जीवन योजना, उज्ज्वला योजना, मुद्रा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि योजना इत्यादि का भी लाभ उन्हें मिल रहा है। सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस एवं एकलव्य विद्यालय के माध्यम से शिक्षा का भी प्रसार हो रहा है। राज्यपाल ने कहा कि झारखण्ड राज्य अपनी समृद्ध जनजातीय संस्कृति एवं प्रचुर प्रकृतिक संसाधनों के लिए जाना जाता है। इन संसाधनों से लोगों का जीवन बेहतर बन सके, इसके लिए सभी को मिलकर कार्य करने की जरूरत है। उक्त अवसर पर उन्होंने दीदियों एवं संस्था के सदस्यों को सम्मानित भी किया।

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने अत्यंत गरीबी से बाहर आई 625 महिलाओं को किया सम्मानित

अल्ट्रा-पुअर ग्रेजुएशन एप्रोच इन झारखंड प्रोग्राम को सार्थक बना रहा द नज/इंस्टीट्यूट

फुलो झानो आशीर्वाद अभियान' और 'बिरसा विशिष्ट जनजाति विकास योजना' का क्रियान्वयन कर रहा द नज/इंस्टीट्यूट

विशेष संवाददाता

रांची। द नज/इंस्टीट्यूट ने सोमवार को झारखंड के लातेहार एवं गुमला जिलों के 6 ब्लॉक्स के 41 गांवों में 625 परिवारों के गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकलने का एलान किया। झारखंड में अत्यंत गरीबी में जी रहे लोगों को इस दुष्चक्र से बाहर निकालने की इंस्टीट्यूट की पहल के सफल क्रियान्वयन से यह संभव हुआ है। इस पहल के माध्यम से अत्यंत गरीब घरों की महिलाओं को सशक्त किया गया, जिन्हें आम बोलचाल में दीदी कहते हैं। इसमें विशेषरूप से वंचित जनजातीय समूहों की महिलाओं को प्राथमिकता दी गई। उनके लिए स्थायी आजीविका की व्यवस्था करते हुए, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए, सरकारी योजनाओं को पहुंचने में सक्षम बनाते हुए और सामाजिक एवं वित्तीय संस्थानों में सक्रिय सहभागिता के माध्यम से उन्हें गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकलने में मदद करना इस पहल का उद्देश्य है।

लक्षित परिवारों को गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकालने की उपलब्धि के अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट सभागार में आयोजित ग्रेजुएशन सेरेमनी के दौरान राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन तथा इप्सिता ठाकुर, सीनियर एसोसिएट डायरेक्टर, कॉर्पोरेट सिटिजनशिप, केपीएमजी और इंद्रप्रीत देवगन, एसोसिएट डायरेक्टर, कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, केपीएमजी एवं अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने गरीबी के दुष्चक्र को तोड़ने में सफल रही दीदियों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा, किसी कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर क्रियान्वित करने और यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार के साथ साझेदारी करना महत्वपूर्ण कदम है कि कार्यक्रम का लाभ अंतिम लाभार्थी तक पहुंच सके। द नज/इंस्टीट्यूट ने यह कार्य सफलतापूर्वक किया है और अभी राजस्थान, असम, त्रिपुरा, मेघालय, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, झारखंड और पंजाब में इस दिशा में प्रयासरत है। इन सभी राज्यों में इंस्टीट्यूट राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, ग्रामीण विकास मंत्रालय के डीएवाई-एनआरएलएम और भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के साथ मिलकर काम कर रहा है। 2024 में द नज/इंस्टीट्यूट का लक्ष्य देश के दो लाख अत्यंत गरीब परिवारों के साथ काम करने का है।

महिलाओं को सशक्त करते हुए अत्यंत गरीब परिवारों को गरीबी से बाहर निकलने में सक्षम बनाने के लिए 2018 में इस पहल की शुरुआत की गई थी। इसके पहल के अंतर्गत गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकलने में सफल रही महिलाओं का यह दूसरा समूह है। इससे पहले दिसंबर, 2022 में 400 ऐसी दीदियों को सम्मानित किया गया था, जो गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकलने में सफल रही थीं। द नज/इंस्टीट्यूट ने झारखंड की परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए लोहरदगा, लातेहार और गुमला जिलों में इस ग्रेजुएशन एप्रोच को तैयार किया है। नोबेल विजेता डॉ. अभिजीत बैनर्जी और एस्टर डुफ्लो द्वारा प्रकाशित मूल्यांकन से इस प्रयास के प्रभाव को समझा जा सकता है। द नज ने लगातार सीखने और प्रोग्राम के डिजाइन में सुधार के लिए परोपकारी दानकर्ताओं के सहयोग से राजस्थान एवं कर्नाटक में इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन को विस्तार दिया है। ग्रेजुएशन एप्रोच के तहत अत्यंत गरीब परिवारों के लिए आजीविका की व्यवस्था करते हुए, खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए व अन्य माध्यमों से सक्षम बनाते हुए उन्हें गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकलने में मदद की जाती है।

सम्मानित की गई 625 दीदियों के इस समूह की आजीविका में वैश्विक मानकों के अनुरूप सुधार हुआ है। इनमें से 94 प्रतिशत से ज्यादा के परिवार अब पोषक, संतुलित एवं पर्याप्त आहार (तिरंगा भोजन) ग्रहण कर रहे हैं। दीदियां अब वित्तीय रूप से ज्यादा सुरक्षित हुई हैं और इस प्रोग्राम से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से इनमें से 95 प्रतिशत दीदियां 15000 रुपये सालाना की अतिरिक्त आय पा रही हैं। उनके प्रोडक्टिव एसेट्स में न्यूनतम 35 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। अपनी सहभागिता के माध्यम से करीब 96 प्रतिशत दीदियां अब स्वयं सहायता समूहों में साप्ताहिक आधार पर बचत कर रही हैं और प्रत्येक के पास बैंक खाता एवं कम लागत वाला बीमा है। इस प्रोग्राम से सरकारी योजनाओं को लेकर उनमें जागरूकता आई है। 97 प्रतिशत परिवारों की इस समय कम से कम दो सरकारी योजनाओं तक पहुंच है।

महिला सशक्तीकरण के लिए सतत प्रयासरत : अतुल सतीजा

न दज/इंस्टीट्यूट के संस्थापक एवं सीईओ अतुल सतीजा ने कहा, गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकलने वाली दीदियों को सम्मानित करने के इस अवसर पर हमारे साझेदारों और झारखंड सरकार का आभार जताना चाहता हूं, जिन्होंने इस सफर में हमारा सहयोग किया। हम आगे भी अत्यंत गरीब परिवारों की और भी महिलाओं को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे अगले कुछ वर्षों में अत्यंत गरीबी को खत्म करने के भारत के लक्ष्य को पाने में मदद मिलेगी।

इस कार्यक्रम को अपनी शुरुआत से ही केपीएमजी, एलटीआईमाइंडट्री, सब्रे, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एचडीएफसी परिवर्तन और एलजीटी वेंचर फिलान्थ्रोपी के माध्यम से सहयोग मिला है।

द नज/इंस्टीट्यूट ने 5 साल में भारत के 10 लाख से ज्यादा अत्यंत गरीब परिवारों को सशक्त करने का लक्ष्य रखा है और इस दिशा में इंस्टीट्यूट ने सरकार एवं संबंधित सेक्टर से साझेदारी की है। साथ ही जमीनी स्तर पर स्वयं भी कार्यक्रम का क्रियान्वयन कर रहा है। द नज/इंस्टीट्यूट देश में टेक्नोलॉजी तथा शिक्षा एवं विकास से जुड़े समाधान तैयार करने के लिए भी निवेश कर रहा है। सरकार का सहयोग करने के लिए यह इंस्टीट्यूट सर्वाधिक गरीबों को लक्षित करते हुए संचालित कार्यक्रमों के साक्ष्य भी जुटा रहा है।

इस तरह के प्रभावशाली कार्यक्रमों को लागू करने की आवश्यकता को समझते हुए 2019 में पलाश (जेएसएलपीएस) ने डीएवाई-एनआरएलएम और द नज/इंस्टीट्यूट के साथ मिलकर उपज (अल्ट्रा पुअर ग्रेजुएशन एप्रोच इन झारखंड) की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य 3 साल में 4000 परिवारों का सहयोग करना था। द नज/इंस्टीट्यूट ने डीएवाई-एनआरएलएम और ग्रामीण विकास मंत्रालय के साथ गठजोड़ किया और कार्यक्रम को बड़े पैमाने पर क्रियान्वित करने में सहयोग किया। ग्रामीण विकास मंत्रालय और राज्य सरकारों (एसआरएलएम) के माध्यम से कार्यक्रम को 6 राज्यों झारखंड, त्रिपुरा, राजस्थान, मेघालय, असम और पश्चिम बंगाल में 24,000 से ज्यादा गरीब परिवारों तक विस्तार दिया गया है। द नज/इंस्टीट्यूट ने इस तरह के ज्यादा से ज्यादा परिवारों पर सकारात्मक प्रभाव के लिए भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से भी साझेदारी की है।

इसके अतिरिक्त, द नज/इंस्टीट्यूट ने राज्य संचालित दो कार्यक्रमों फुलो जनो आशीर्वाद अभियान और बिरसा विशिष्ट जनजाति विकास योजना को क्रियान्वित करने के लिए भी जेएसएलपीएस से साझेदारी की है। इन पहल से झारखंड में विशेष तौर पर संवेदनशील जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) और अन्य संवेदनशील समूहों की 1,30,000 ग्रामीण महिलाओं के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और उन्हें अत्यंत गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकलने में मदद मिलेगी।

द नज/इंस्टीट्यूट के साथ ग्रामीण विकास मंत्रालय और डीएवाई-एनआरएलएम के गठजोड़ को सारथी एप की लॉन्चिंग से और मजबूती मिली है।

सुप्रियो भट्टाचार्य का आरोप : मोदी सरकार में निर्वाचन आयोग का काम चुनाव की औपचारिक सूचना देना और ईडी का काम चुनाव संपन्न कराना हो गया

विशेष संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केन्द्रीय महासचिव व प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने सोमवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कल ही देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन में अपने नेताओं व कार्यकर्ताओं को संबोधन के क्रम में कहा कि वे तो बिना चुनाव के ही पीएम बन गये हैं। विदेशों से न्यौते आने लगे हैं। लेकिन उन्हें नहीं पता कि लोकसभा चुनाव के बाद वे तो विदेश नहीं जा पायेंगे। पर हेमन्त बाबू पूरे देश का दौरा जरुर करेंगे, क्योंकि उन्हें पूरे देश से न्यौते आ रहे हैं। लोग कह रहे हैं कि हेमन्त बाबू आप हमारे राज्य के लिए संघर्ष करिये, जीएसटी के लिए आप लड़िये, हमारे अधिकार के लिए आप लड़िये और वे ऐसा करने के लिए पूरे देश का दौरा अवश्य करेंगे।

सुप्रियो ने कहा कि 2014-24 तक दस सालों में लोगों ने बहुत कुछ देखा। जो अपने आप में विचित्र स्थिति को प्रदर्शित करता है। 2014 में जब भाजपा आई तो उसने बताया कि लोगों को क्या खाना है और क्या नहीं खाना है। फिर कहा कि कौन से कपड़े पहनने हैं और क्या नहीं पहनने हैं। क्या पढ़ना है, क्या नहीं पढ़ना है। क्या सुनना है, क्या नहीं सुनना है। फिर उसने भ्रष्टाचार की नई परिभाषा गढ़ी। विपक्ष में हैं तो भ्रष्टाचारी और अगर भाजपा में हैं तो सदाचारी। जो शोषण के नीतिगत विरोधी है, वे राष्ट्र विरोधी और जो शोषण के चाटुकार लोग हैं, वे देश भक्त। फिर आया कि उनका झूठ पूर्णत : सत्य और विपक्ष का सत्य पूर्णत : मिथ्या। सुप्रियो ने कहा कि अब नया किसानों के लिए आया है। आप एमएसपी मांगेंगे। हम आपके लिये इनोवेटिव आइडिया लेकर आयेंगे। आर्डर ऑफ बॉक्स लेकर आयेंगे। आप धान नहीं, दाल उगाइये। आप गेहूं नहीं, कपास उगाइये। कपास खाइये और दाल पीजिये। आज किसान सात दिनों से बंधक बनाये गये हैं। जो राज्य की पुलिस अपने बहू-बेटियों और युवाओं को सुरक्षा नहीं दे पा रही। वहां की पुलिस इन पर एयर सेलिंग कर रही है। किसान आम मांगते हैं, उनको इमली समझाया जाता है। वे एमएसपी मांगते हैं, उन्हें इनोवेशन समझाया जाता है। सुप्रियो ने कहा कि भाजपा ने गजब कर रखा है। जिनको चक्की पीसिंग, पीसिंग हो रहा था। उन्हें वो डिप्टी सीएम बनाती है। जिन्हें गिरफ्तार किया गया है, उन्हें भाजपा का नेता बनाया जाता है। पीएम मोदी ने कहा था कि वे कांग्रेस मुक्त भारत बनायेंगे, लेकिन वो कांग्रेसयुक्त भाजपा बना रहे हैं। अब तक दस वर्षों में 740 दूसरे दलों के विधायकों/सांसदों को इन्होंने भाजपा में शामिल किया है। जिसमें कांग्रेस के ज्यादा और अन्य दलों के भी कुछ विधायक व सांसद शामिल हैं। जिन पर प्रत्यक्ष तौर पर भाजपा कभी न कभी भ्रष्टाचार का आरोप लगा चुकी है या उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करवा चुकी है। लेकिन आज क्या हैं, वे सभी भाजपा के अंगूली के नगीने बने हुए हैं।

सुप्रियो ने कहा कि वे कहने को तो आदिवासियों का बहुत सम्मान करते हैं, लेकिन आदिवासी को वे सीएम के रुप में देखना पसन्द नहीं करते। दलित राष्ट्रपति को संसद के शिलान्यास में नहीं बुलाया और आदिवासी राष्ट्रपति को संसद के उद्घाटन में शामिल होने नहीं दिया। ये दस सालों में एक बुनियादी सवालों पर चर्चा तक नहीं होने दिये हैं। सुप्रियो ने कहा कि अब तो ईसी का काम केवल चुनाव का औपचारिक सूचना देना हो गया है और चुनाव संपन्न कराने का काम ईडी ने लिया हैं और यह देश अब जान भी चुका है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जो किसानों के आंदोलन के साथ हुआ। वहीं बदस्तूर आज भी जारी है। कभी पीएम मोदी ने किसानों के आंदोलन और कृषि कानून पर सदन में कहा था कि उनकी तपस्या में ही कोई कमी रह गई थी, लेकिन सच्चाई यह है कि पीएम मोदी की तपस्या में कोई कमी नहीं थी।

कई विकास योजनाओं का विधायक करेंगे शिलान्यास

प्रतिनिधि, रामगढ़। प्रखंड क्षेत्र में जल्द हीं सड़को का जाल विछने जा रहा है। इसी सिलसिले में मंगलवार को एक साथ सात सड़को का शिलान्यास विधायक सुनीता चौधरी के द्वारा किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि विधायक सुबह ग्यारह बजे एनएच 23 से दामोदर होटल भाया तिरला होते हुए रजरप्पा रोड तक कालिकारण सड़क ,12 बजे कुष्टेगढा से भूभई पानी टंकी तक कालिकारण सड़क , एक बजे रकुआ जंगल में कालिकारण सड़क,2 बजे लिपया में लिपया से कोराम्बे तक कालिकारण सड़क, तीन बजे कुम्हारदगा में करम चंद वाला रोड में कलिकारण सड़क, घाघरा कोराम्बे में चार बजे कलिकारण सड़क ओर 5 बजे कोनार डीह में कलिकारण सड़क का शिलान्यास करेंगे। बताया गया कि सड़को का निर्माण करोडो रूपये की लागत से आरईओ विभाग से कराया जायेगा।

ठाकुर गंगटी में प्रधान परिषद की मासिक बैठक हुई संपन्न

प्रतिनिधि,ठाकुर गंगटी। प्रधान परिषद ठाकुर गंगटी अंचल इकाई की बैठक सोमवार को प्रभारी अंचलाधिकारी विजय कुमार मंडल की अध्यक्षता में अंचल कार्यालय के सभागार में संपन्न हो गया ,जहां प्रधानों द्वारा गोड्डा राजस्व शाखा के पत्रांक 95 वर्ष 2008 पर विशेष चर्चा की गई और इसे पूर्णतः लागू करने की मांग की गई।

बताते चलें प्रधान परिषद की बैठक प्रत्येक माह को अंचल कार्यालय सभागार में संपन्न होती है, परंतु उपस्थित कम रहने पर विशेष रूप से चर्चा की गई और बैठक में संपर्क अभियान चलाकर सभी प्रधानों की उपस्थिति को सुनिश्चित कराने का निर्णय लिया गया। वहीं बैठक में पूर्व के बैठक में लिए गए निर्णय को संपुष्टि दी गई। अंचल अधिकारी से प्रधानों द्वारा रेंट वसूली हेतु अंचल अधिकारी के समक्ष मांग पत्र की मांग की गई इसके उपरांत डिमांड लिस्ट सभी प्रधानों को उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया।

बैठक में उपस्थित रहने वालों में अंचलाधिकारी विजय कुमार मंडल, आंचल निरीक्षक महेश कुमार, राजस्व कर्मचारी धानो मुर्मू ,सहित अंचल अंतर्गत सभी प्रधान मौजूद थे।

जयंती पर याद किए गए छत्रपति शिवाजी महाराज

प्रतिनिधि, दुमका। शहर के सरदार पटेल चौक,दुमका में सोमवार को छत्रपति शिवाजी महाराज जी के अवतरण दिवस पर माल्यार्पण व श्रद्धासुमन अर्पण का कार्यक्रम पटेल सेवा संघ दुमका और सिविल सोसायटी दुमका के संयुक्त तत्वावधान में सचिव संदीप कुमार जय बमबम के नेतृत्व में आयोजित किया गया। उक्त अवसर पर राधेश्याम वर्मा,प्रेम केशरी,डॉ0शंभु कुमार सिंह,जितेन्द्र साह,बिनोद सिंह,रघुनंदन चौधरी,संदीप कुमार, रविकान्त राऊत,विक्रम कुमार, रविकांत साह आदि उपस्थित होकर छत्रपति शिवाजी महाराज को माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस पावन अवसर पर लड्डू वितरण कर लोगों का मुंह मीठा कराया गया।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक संपन्न

प्रतिनिधि, दुमका। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में जानकारी दी गयी कि जिले में एएनसी जांच लगभग शत प्रतिशत है।साथ ही गर्भवती महिलाओं को चौथा एएनसी निश्चित रूप से हो इसे भी सुनिश्चित करें।उपायुक्त ने कहा कि एएनसी के दौरान हीमोग्लोबिन की जांच निश्चित रूप से की जाय। इस दौरान जानकारी दी गयी कि सुदूरवर्ती क्षेत्रो से मरीजों को स्वास्थ्य केंद्र लाने में कठिनाई होती है।कई बार गर्भवती महिलाओं को भी अस्पताल लाने में कठिनाई होती है।निदेश दिया कि आवश्यकता का आकलन कर बाइक एम्बुलेंस क्रय करने के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाय। बैठक में जानकारी दी गयी कि संस्थागत प्रसव में जिले की स्थिति अच्छी है।उपायुक्त ने कहा कि संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार किया जाय। उपायुक्त ने कहा कि सभी आंगनबाड़ी केंद्र में एएनसी बनाया जाना है।एएनसी कार्नर के लिए सभी सामग्री की आपूर्ति की जा रही है।कहा कि आंगनबाड़ी सेविका एएनसी कार्नर का इस्तेमाल करे इसे सुनिश्चित करें। बैठक में जानकारी दी गयी कि जिले में 10 अल्ट्रासाउंड सेन्टर हैं एवं किसी भी अल्ट्रासाउंड सेंटर में लिंग की जांच नहीं की जाती है। इस दौरान उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा किये जा रहे टीकाकरण सहित अन्य सभी कार्यों की समीक्षा की एवं आवश्यक निदेश दिया।

अबुआ आवास कार्यक्रम में शामिल हुए शामिल हुए बरही के कांग्रेसी नेता

प्रतिनिधि, बरही। हजारीबाग में अबुआ आवास को लेकर आयोजित मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के कार्यक्रम में बरही प्रखंड विकास पदाधिकरी क्रिस्टीना रिचा इंदवार, बरही अंचलाधिकारी राम नारायण खलको के साथ बरही विधानसभा विधायक प्रतिनिधि छठु गोप, कांग्रेस ओबीसी जिलाध्यक्ष दीपक गुप्ता, बरही प्रखंड विधायक प्रतिनिधि सुनील साहू, ओबीसी प्रखंड अध्यक्ष राजू राणा, पंचायत सचिव नरेश साव भी शामिल रहें। इस बीच सभी कांग्रेसजनों ने इस योजना को लेकर मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन सहित मंत्रीगणों का आभार और अभिवादन किया। जिला अध्यक्ष दीपक गुप्ता ने कहा कि झारखंड सरकार द्वारा अबुआ योजना गरीबों के लिए अमृत सबिता होगा, लाखों परिवारों को छत मिलेगा।

जल जीवन मिशन अंतर्गत विभिन्न मल्टी विलेज जलापूर्ति योजनाओं का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

उरलुंग मल्टी विलेज जलापूर्ति योजना में ढाई वर्ष से कार्य लंबित रहने पर संवेदक से स्पष्टीकरण पूछने का दिया निर्देश

बारुघुटु मल्टी विलेज जलापूर्ति योजना में तीन दिनों के अंदर विवाद सुलझाने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

प्रतिनिधि,रामगढ़। जल जीवन मिशन अंतर्गत डीएमएफटी के माध्यम से रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड में मल्टी विलेज जलापूर्ति योजनाओं का रविवार को उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार ने निरीक्षण किया।

इस दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त ने उरलुंग मल्टी विलेज जलापूर्ति योजना का निरीक्षण कर अब तक हुए कार्यों का जायजा लेने के क्रम में ढाई साल से निर्माण कार्य लंबित रहने पर असंतोष जाहिर करते हुए संवेदक से तत्काल रूप से स्पष्टीकरण पूछने का निर्देश दिया जिसके उपरांत उपायुक्त ने पतरातू सेंसस टाउन मल्टी विलेज जलापूर्ति योजना का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त ने जलापूर्ति योजना के माध्यम से आसपास के गावों में आम जनों को उपलब्ध कराए जाने वाले जलापूर्ति कनेक्शन जल्द से जल्द योजना को पूर्ण करने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

पतरातू सेंसस टाउन के उपरांत उपायुक्त ने बारुघुटु मल्टी विलेज जलापूर्ति योजना का निरीक्षण किया। जलापूर्ति योजना के संचालन हेतु बनाए जाने वाले इंटेक वेल में जमीन विवाद को लेकर मामले की विस्तृत जानकारी लेने के उपरांत उपायुक्त ने अंचल अधिकारी पतरातू को तीन दिनों के अंदर संबंधित जमीन का नापी कराते हुए विवाद सुलझाने एवं जल्द से जल्द योजना को पूर्ण करने का निर्देश दिया। गौरतलब हो कि जल जीवन मिशन अंतर्गत रामगढ़ जिले में 141639 घरों तक नल के माध्यम से जल उपलब्ध कराने के लक्ष्य के विरुद्ध 97857 घरों तक जलापूर्ति कनेक्शन उपलब्ध करा दिया गया है वहीं उरलुंग मल्टी विलेज जलापूर्ति योजना के पूर्ण होने के उपरांत आसपास के 6 पंचायतों के 3812 घरों, पतरातू सेंसस टाउन के आसपास के 13 पंचायतों में 11466 घरों तथा बारूघुटु मल्टी विलेज जलापूर्ति योजना के तहत आसपास के 5 पंचायतों में कुल 4357 घरों तक जलापूर्ति कनेक्शन उपलब्ध कराया जाएगा।

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए एसकेएमयू के सुबोदीप हाजरा मेघालय रवाना

प्रतिनिधि,दुमका। मेघालय में आयोजित होने वाला खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के सुबोदीप हाजरा सोमवार को मेघालय रवाना हो गया। सुबोदीप हाजरा एसकेएमयू का आर्चरी में प्रतिनिधिव करेंगे। ज्ञात हो ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी आर्चरी प्रतियोगिता में सुबोदीप हाजरा ने एस के एम यू का प्रतिनिधिव करते हुए ऑल इंडिया 7 वं रैंक लाया था वहीं उनका चयन खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स प्रतियोगिता के लिए हुआ था। विश्वविद्यालय के क्रीडा पदाधिकारी डॉ. शम्श तबरेज खान ने खिलाड़ी को शुभकामनाएं देते हुए विदा किया। आर्चरी खिलाड़ी सोबोदीप हाजरा

के साथ मेनेजर के रूप में अतुल कुमार झा और कोच के रूप में सुमित कुमार मिश्रा को साथ भेजा गया है. विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ बिमल प्रसाद सिंह ने सोबोदीप हाजरा को खेल भावना और निष्पक्षता के साथ खेलने का सन्देश दिया।

जेईई मेन रिजल्ट 2024: रांची में फिजिक्सवाला के ऑफ़लाइन विद्यापीठ सेंटर के 3 छात्रों ने 99 प्रतिशत से अधिक स्कोर किया

रांची। रांची में फिजिक्सवाला के ऑफलाइन विद्यापीठ सेंटर के तीन छात्रों ने जेईई मेन 2024 सत्र एक के परिणाम में 99 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किये। अभिषेक मेहता (99.91), उत्तम मोदी (99.45), और रिशव राज (99.39) में पीडब्ल्यू विद्यापीठ रांची के स्टार छात्र रहे।भारत के प्रमुख एड-टेक प्लेटफॉर्म, फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) ने अपने सम्पूर्ण जेईई मेन 2024 परिणामों की घोषणा की। इसमें 2,900 से अधिक छात्रों ने 98 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 507 से अधिक छात्रों ने 99.5 प्रतिशत अंक हासिल करने का कारनामा किया। इस प्लेटफार्म के इतिहास में इतने अधिक अंक पहली बार आये हैं। 1,194 से अधिक छात्रों ने 99 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। सिखाने के सुगठित नजरिये ने इन परिणामों को संभव बनाया है। बेहतर शिक्षा अनुभव के लिए इसके ऑफ़लाइन और ऑनलाइन प्लेटफार्मों को संयोजित किया गया।पीडब्ल्यू के ऑफलाइन सीईओ अंकित गुप्ता ने कहा, ÷ विद्यापीठ सेंटर्स के छात्रों को इतने ज्यादा अंक प्राप्त करते हुए देखना हमें गर्व से भर देता है। यह हमें आश्वस्त करता है कि हम सही रास्ते पर हैं। कड़ी मेहनत करने और अपनी सीमाओं से परे जाने के लिए सभी शिक्षकों को विशेष धन्यवाद। जिन छात्रों का नहीं हो पाया, वो याद रखें कि हम उनके साथ हैं। हम और अधिक मेहनत करेंगे।÷इस समय फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) के भारत के 49 शहरों में 75 विद्यापीठ सेंटर्स संचालित हैं, जिसमें डेढ़ लाख से अधिक छात्र पढ़ते हैं। ये सेंटर्स 2022 से शुरू होकर लगभग एक वर्ष के समय में स्थापित किए गए है, जिसमें जेईई/नीट के लिए एक विस्तृत कोर्स उपलब्ध है।

फिजिक्सवाला (पीडब्ल्यू) के बारे में

फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) भारत की एक प्रमुख एडटेक कंपनी है, जिसकी स्थापना 2020 में हुई। इसका हेडक्वार्टर नोएडा, उत्तर प्रदेश में है। पीडब्ल्यू भारत में बड़े पैमाने पर शिक्षा को उदार बना रहा है। इसमें ऑनलाइन, ऑफलाइन और हाइब्रिड मोड में शिक्षा शामिल है। इसकी पहुंच भारत के लगभग सभी जगहों तक है।

सैमसंग ने एसएसडी 990 ईवीओ लॉन्च किया

रांची। सैमसंग ने सॉलिड स्टेट ड्राइव्स के अपने पोर्टफोलियो में अपनी नई ड्राइव एसएसडी 990 ईवीओ को लॉन्च किया। एसएसडी 990 ईवीओ को ऊर्जा की खपत कम करने के साथ रोजाना कंप्यूटर पर काम करने, गेमिंग, वर्क और वीडियो फोटो एडिटिंग के अनुभव को शानदार बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह सिलसिलेवार ढंग से (सिक्वेंशियल) 5000 एमबी तक पढ़ने की रफ्तार और 4200 एमबी तक लिखने की लिखने की स्पीड से लैस है। कंप्यूटर पर रोजाना गेम खेलने, कारोबारी और रचनात्मक काम तेजी से करने के लिए यह हाई परफॉर्मेंस और बिजली की बचत करने वाली एक बेहतरीन इंटरनल स्टोरेज डिवाइस है। बेहतर परफॉर्मेंस और बिजली बचाने की क्षमता से लैस है। इसकी सिलसिलेवार ढंग से पढ़ने की रफ्तार 5,000 मेगाबाइट्स प्रति सेकंड है और लिखने की रफ्तार 4,200 एमबी तक है। पहले की मॉडल की तुलना में इसे अपग्रेड किया गया है, जिससे यह 43 फीसदी तक ज्यादा बेहतरीन परफॉर्मेंस देता है और 70 फीसदी तक बिजली की बचत होती है। सैमसंग इंडिया में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एंटरप्राइज बिजनेस के पुनीत सेठी ने कहा कि हम प्रॉडक्ट्स के निर्माण के क्षेत्र में नए-नए आविष्कारों के साथ व्यवहारिकता का पूरा ध्यान रखते हैं।

आनन्द कुमार ने उपनिदेशक जनसंपर्क का ग्रहण किया पदभार

सरकार की हर जन कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य रहेगा-आनन्द कुमार

प्रतिनिधि,हजारीबाग। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडलीय सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के 14 वें उपनिदेशक के रूप में श्री आनन्द (झा.सू. से.) ने सोमवार को अपना योगदान किया। इस अवसर पर कार्यालय के सदस्यों अनुभा कुमारी, संजय कुमार सिंहा एवं स्नेह कुमार ने गुलदस्ता देकर उनका स्वागत किया। पदभार ग्रहण करने के पश्चात उपनिदेशक श्री आनंद ने कहा सरकार की हर जन कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य रहेगा। उन्होंने उपस्थित कार्यालय कर्मियों से प्रमंडलीय विकास के कार्यों में सभी से सहयोग करने व आपस में समन्वय स्थापित कर कार्य करने की अपील की।

मदरसा शिक्षकों की मांग जायज, मुख्यमंत्री करेंगे निदान-शमशेर आलम

मदरसा शिक्षक महासंघ झारखंड का अधिकार सम्मेलन का आयोजन

- **मदरसा शिक्षक और शिक्षकत्तर कर्मियों को पूरा वेतन मान दिया जाए-मौलाना मुस्तफा**
- **झारखंड सरकार 1980 नियावली के मुताबिक बिहार के तर्ज पर 46 मदरसा के शिक्षको वेतन मद में अनुदान दे-कासमी**

विशेष संवाददाता

रांची। मदरसा शिक्षक महासंघ, झारखंड द्वारा अधिकार सम्मेलन का आयोजन अंजुमन प्लाजा सभागार में आयोजित किया गया। झारखंड राज्य के अंतर्गत प्रास्वीकृत 46 मदरसा एवं 38 संस्कृत विद्यालय में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षकतर कर्मी को वेतनमान में अनुदान दिया जाए। उक्त बातें महासंघ झारखंड के अध्यक्ष मौलाना मुस्तफा कासमी ने कही। उन्होंने कहा कि संयुक्त बिहार के समय में संचालित मदरसा एवं संस्कृत विद्यालय की प्रास्वीकृत झारखंड सरकार से लंबे संघर्ष के बाद उनके कैबिनेट की बैठक में 2011 के फैसले के आलोक में बिहार राज्य संस्कृत विद्यालय प्रास्वीकृत नियमावली 1976 में मदरसा प्रास्वकृत नियम वाली 1980 के प्रावधानों के अनुसार झारखंड सरकार ने 46 मदरसा और सांस्कृत के 38 संस्कृत विद्यालयों को स्वीकृति दी थी। मदरसा एवं संस्कृत विद्यालय को प्रति वर्ष एक लाख 80 हजार से तीन लाख 60 हजार अनुदान मिलता है। शिक्षकतर कर्मियों को प्रतिमाह 2 हजार से 3 हजार का ही अनुदान मिलता है। हमारी मांग है कि मदरसा शिक्षक और शिक्षकत्तर कर्मियों को पूरा वेतन मान दिया जाए। अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा। आगे कहा की बिहार के तर्ज पर नियमावली 1980 के अनुसार प्रास्वीकृत के बाद अनुदान वेतन मद में देना है। झारखंड सरकार भी 1980 नियमावली के मुताबिक 46 मदरसा के शिक्षको को वेतन मद में शीघ्र ही अनुदान दे। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि झारखंड अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष शमशेर आलम ने कहा कि मदरसा शिक्षक की जितनी भी समस्याएं हैं ,उसको लेकर मैं अपने विभाग के स्तर पर शिक्षा सचिव, मुख्यमंत्री से बात कर मदरसा की सारी समस्याओं को दूर करने का काम करेंगे। मैं मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के पास आपकी मांग को रखूंगा और आपके हक और अधिकार को हम दिला कर रहेंगे। इस मौके पर अंजुमन इस्लामिया के सदर मुख्तार अहमद ने कहा कि मदरसा के शिक्षक और उनके कर्मियों की समस्या को झारखंड सरकार दूर करने का काम करे।मदरसा शिक्षक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष मौलाना गुलाम मुस्तफा कासमी ने कहा कि सरकार जो अनुदान मदरसा को देती है उसे मदरसा के शिक्षक और कर्मियों का गुजारा मुश्किल से होता है ।झारखंड सरकार सभी मदरसा शिक्षकों को वेतनमान दे। इस मौके पर अध्यक्ष मौलाना गुलाम मुस्तफा कासमी, मौलाना सिराज, मौलाना मंसूर, कारी शाहिद जमाल, हाफिज साजिद, मोहम्मद असादुल्लाह, मौलाना मुश्ताक, जुल्फिकार कादिर, फजरुल कादिर, अब्दुल वहाब , मौलाना समीम, तय्यब अली, मौलाना शमसुद्दीन, कारी वसी, कारी कमरूजमा समेत, रांची, पलामू, गिरिडीह, धनबाद, हजारीबाग, पाकुड़, बोकारो, साहेबगंज, गढ़वा, लोहरदगा, लातेहार, चतरा आदि जिला के शिक्षक उपस्थित थे।

डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका (प्लस टू जिला स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका) में सत्र 2023--24 में नामांकन के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ

प्रतिनिधि,दुमका। डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस,दुमका (प्लस टू जिला स्कूल दुमका) में सत्र 2024 --25 में कक्षा 06, कक्षा 08 एवं कक्षा 09 में नामांकन के लिए नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ हो गया है। डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस,दुमका के प्रभारी प्राचार्य महेन्द्र राजहंस ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ ऑफ एक्सीलेंस दुमका में नामांकन हेतु प्रवेश आवेदन पत्र विद्यालय के कार्यालय से प्राप्त करने एवं पुनः सही सही भरकर कार्यालय में जमा करने की तिथि 19 फरवरी 2024 से 03 मार्च 2024 तक है। प्रवेश परीक्षा का आयोजन 11 मार्च 2024 को किया जाएगा। प्रवेश परीक्षाफल का प्रकाशन 20 मार्च 2024 को होगा । प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों का नामांकन 21 मार्च 2024 से 31 मार्च 2024 तक होगा। नामांकन के बाद 01 अप्रैल 2024 से नया सत्र को प्रारंभ कर दिया जाएगा। प्रभारी प्राचार्य श्री राजहंस ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका सीबीएसई बोर्ड से

मान्यता प्राप्त दुमका जिला का एक गौरवशाली एवं उत्कृष्ट विद्यालय है। विद्यालय में उत्कृष्ट एवं अनुभवी शिक्षकों द्वारा नवाचार विधि से अध्यापन कार्य किया जाता है। विद्यालय में छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु सभी आधारभूत संसाधनों की व्यवस्था है। पूरे विद्यालय परिसर एवं वर्ग कक्ष को सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाती है। विद्यालय में उत्कृष्ट अध्यापन एवं खेल के माध्यम से छात्रों के बौद्धिक, नैतिक एवं शारीरिक उत्थान की पूरी व्यवस्था है।विद्यालय का कुशल प्रशासन, उत्कृष्ट अध्यापन शैली,उत्कृष्ट अनुशासन,सुरक्षा घेरा एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियां विद्यालय को उत्कृष्ट विद्यालयों के श्रैणी में सबसे ऊपरी पायदान पर स्थापित किया है। विद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में नित नए नए कृतिमान स्थापित कर रहा है। अभिभावक अपने बच्चों के उज्वल भविष्य के लिए अपने बच्चों का नामांकन इस ऐतिहासिक एवं उत्कृष्ट विद्यालय में करा सकते हैं।

केरेडारी के बड़का आम में सबरी जयंती मनाने को लेकर बैठक की गई

प्रतिनिधि, केरेडारी। केरेडारी प्रखंड के अंतर्गत बड़काआम मैं सबरी जयंती मनाने को लेकर बैठक किया गया जिसकी अध्यक्षता वार्ड प्रतिनिधि बलराज भुईया एवं संचालन गुडन भुईया ने किया। इस बैठक में सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि 27 फरवरी को केरेडारी के बड़काआम से भाव कलश यात्रा बाजे गाजे के साथ केरेडारी के प्रसिद्ध डैम जाएगी और कलश उठाकर दोबारा बड़का आम में माता शबरी को पूजा अर्चना कर झूम नाच कर मनाने का निर्णय लिया गया। इस मौके पर उपस्थित वार्ड सदस्य प्रतिनिधि बलराज भुईया, गुडन भुईया, भोला भुईया, कृष्णा भुईया, फुलदेव भुईया, करण कुमार, अर्जुन भुईया, विनोद एवं भुईया समाज के महिला एवं पुरुष उपस्थित थे।

मनातू पंचायत के सुदूरवर्ती ग्राम लोहरा में विकास योजनाओं को लेकर किया गया कांग्रेस कोर कमेटी की बैठक

पूर्व मुखिया आजसु के सक्रिय कार्यकर्ता द्वारिका गंझु समेत दर्जनों ने कांग्रेस पार्टी का सदस्यता ग्रहण की

कोर कमेटी के माध्यम से सही विकास योजनाओं का हो रहा है चयनः संतोष शर्मा

प्रतिनिधि, केरेडारी। केरेडारी प्रखंड के मनातू पंचायत के सुदूरवर्ती ग्राम लोहरा में कांग्रेस कोर कमेटी की बैठक हुई। क्षेत्र के सभी हिस्सों में विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने के उद्देश्य से सुदूरवर्ती ग्राम लोहरा में भी बैठक हुई व कोर कमेटी के माध्यम से विकास योजनाओं का चयन किया गया। बैठक की अध्यक्षता पंचायत अध्यक्ष संतोष शर्मा ने किया। बैठक में मुख्य रूप से इंटक प्रदेश सचिव स्थानीय विधायक सुश्री अंबा प्रसाद के भाई अंकित राज मौजूद रहे।

विदित हो कि मनातू पंचायत में कोर कमेटी का गठन हुआ था व कई विकास योजनाओं का चयन भी किया गया था। दूसरे दलों के कई नेताओं व कार्यकर्ताओं ने इस दौरान कांग्रेस पार्टी का दामन थामा। कांग्रेस पार्टी के सदस्यता ग्रहण करने पर अंकित राज ने सभी को कांग्रेस पार्टी का अंग वस्त्र एवं फूलमाला पहनाकर स्वागत किया।

इस दौरान पंचायत के विकास योजनाओं का चयन किया गया। अंकित राज ने कहा कि मनातू पंचायत काफी बड़ा पंचायत है एक स्थान पर बैठक कर योजनाओं का चयन समुचित तरीके से नहीं हो पा रहा था इसीलिए विभिन्न गांव में बैठक करके कोर कमेटी का गठन व विकास योजनाओं का चयन किया जा रहा है।

इस दौरान दूसरे दलों के कई लोगों ने कांग्रेस पार्टी का दामन थामा जिसमें प्रमुख रूप से मनातू पंचायत के पूर्व मुखिया आजसू पार्टी के सक्रिय सदस्य द्वारिका गंझु, मुकेश वर्मा, बुधन गंझु ने आजसू छोड़कर कांग्रेस में एवं दुलारचंद भोक्ता, लखन गंझु, विष्णु देव गंझु ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

मौके पर रमेश बाखला, राजेश गंझु, रिंकी देवी, उग्नि देवी, जुगेश्वर गंझू, लालमन गंझु, बिरसा उरांव, सुगन गंझु , कामेश्वर गंझू ,आकाश गंझू ,योगेदर गंझू ,पप्पू वर्मा, सुरेंद्र गंझू समेत दर्जनों की संख्या में महिला पुरुष मौजूद थे।

राजभवन के समक्ष तीसरा मोर्चा की धरना सम्पन्न

भारी संख्या में लोकहित अधिकार पार्टी के कार्यकर्ता हुए शामिल

प्रतिनिधि, बड़कागांव। 19 फरवरी को राजभवन के समक्ष तीसरा मोर्चा प्रदेश संयोजक पूर्व मंत्री लालचंद महतो के द्वारा एक दिवसीय धरना का आयोजन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू के निर्देशानुसार पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष सह राँची लोकसभा प्रभारी हरिनाथ साहू , प्रदेश उपाध्यक्ष सह गोड्डा लोकसभा प्रभारी मो. अजहर आलम , प्रदेश मंत्री सह हजारीबाग लोकसभा प्रभारी कुंज बिहारी साहू एवं रांची जिला अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व में लोकहित अधिकार पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता धरना में शामिल हुए । प्रदेश उपाध्यक्ष सह राँची लोकसभा प्रभारी हरिनाथ साहू ने कहा कि तीसरा मोर्चा के माध्यम

से ईवीएम हटाओ , पेपर से चुनाव कराओ का मांग करते हैं ।

प्रदेश उपाध्यक्ष सह गोड्डा लोकसभा प्रभारी मो. अजहर आलम ने कहा कि झारखंड को विशेष राज्य का दर्जा मिले ! इस मांग का समर्थन करते हैं । प्रदेश मंत्री सह हजारीबाग लोकसभा प्रभारी कुंज बिहारी साहू ने कहा कि निःशुल्क शिक्षा और चिकित्सा को अनिवार्य घोषित करना होगा । राँची जिला अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद गुप्ता ने कहा कि परिसीमन आयोग का रिपोर्ट लागू करना होगा । धरना कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामबिलास साहू , मुकुल नायक , देवपुजन ठाकुर , रेणु देवी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल रहें ।

समाज कल्याण विभाग के तहत संचालित योजनाओं के प्रगति का उपायुक्त ने किया समीक्षा

प्रतिनिधि, पाकुड़। समाहरणालय स्थित सभागार में सोमवार को उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल की अध्यक्षता में जिला समाज कल्याण विभाग के कार्यों की समीक्षात्मक बैठक की।

समाज कल्याण विभाग के समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने क्रमवार सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, पोषण ट्रैकर एप, आंगनबाड़ी केंद्र के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त के द्वारा सर्वप्रथम पोषण ट्रैकर एप में वजन, लम्बाई, गृहण भ्रमण से संबंधित लक्ष्य के विरुद्ध शत प्रतिशत उपलब्धि के लिए निदेश दिया गया। साथ ही मुख्यमंत्री राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजनान्तर्गत 20 फरवरी 2024 से 22 फरवरी 2024 तक विशेष कैम्प पंचायतवार

है, जिसमें 50-60 वर्ष के सभी गैर सरकारी महिलाओं तथा एसी /एसटी पुरूषों को वृद्धा पेंशन हेतु लाभ दिलाने के लिए आवेदन भराया जाना है। इस संबंध में क्रुरुह. के साथ समन्वय स्थापित करने का निदेश दिया गया। साबित्रीवाई फुले किशोरी समृद्धि योजना की उपलब्धि शत प्रतिशत प्राप्त करने हेतु शिक्षा विभाग से आंकड़ा प्राप्त कर पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इसके अलावा जिलें के विभिन्न सूदूरवर्ती चयनित ईलाकों में सभी 213 आंगनबाड़ी केन्द्र का नया पूर्व निर्मित भवन निर्माण का कार्य कराने हेतु निदेश दिया गया। बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी बसंती ग्लाडीस बाड़ा, महेशपुर सीडीपीओ एवं लिट्टीपाड़ा, सभी महिला पर्यवेक्षिका एवं कर्मी उपस्थित थे।

मोदी 3.0 में देश आतंकवाद, अलगाववाद और नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त हो जाएगाः अमित शाह

विशेष संवाददाता

रांची/ दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन 2024 को सम्बोधित करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि, ÷आज देश में उग्रवाद, आतंकवाद और नक्सलवाद अपनी आखिरी सांसें गिन रहा है। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में देश से आतंकवाद, अलगाववाद और नक्सलवाद पूरी तरह मुक्त हो जाएगा।÷ देश ने तय किया है 2024 में मोदी जी एक बार फिर प्रधानमंत्री बनेंगे। चुनाव से पहले हो रहे इस राष्ट्रीय अधिवेशन का लक्ष्य प्रधानमंत्री मोदी जी के 2047 के विकसित भारत का संकल्प है. यही संदेश लेकर हमारी पार्टी देश के हर हिस्से में जाएगी. पूरे देश में कही संशय नहीं है। भाजपा तीसरी बार

जीत कर भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाएगी।

गौरतलब है कि, जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने पर विपक्ष ने कितना शोर शराबा किया था। हालांकि आज वही जम्मू कश्मीर धारा 370 के हटने से नए बदलाव के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने नेतृत्व में समग्र विकास को बढ़ावा देते हुए अर्थव्यवस्था को 11वें नंबर से 5वें नंबर पर लाने का काम किया है। जिस तरह से इन 10 वर्षों में विकास हुआ है. उससे पूरे देश में कहीं भी संशय नहीं है कि पीएम मोदी ही फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे।

इसके साथ केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि, 75 वर्ष में इस देश ने 17 लोकसभा चुनाव, 22 सरकारें और 15 प्रधानमंत्री देखे हैं। देश में हर सरकार ने अपने समय पर समयानुकूल विकास करने का प्रयास किया है। लेकिन आज मैं बिना किसी कन्फ्यूजन के कह सकता हूं कि समग्र विकास, हर क्षेत्र का विकास और हर व्यक्ति का विकास करने का काम केवल नरेंद्र मोदी जी के 10 वर्षों में हुआ है। मोदी जी ने 10 ही साल में ही परिवारवाद, जातिवाद, तुष्टीकरण को खत्म करने का काम किया है।

बरही बीडीओ ने अबुआ आवास के लाभुकों को सौंपा स्वीकृति पत्र

प्रतिनिधि, बरही। बरही बीडीओ क्रिस्टीना रिचा इंदवार ने प्रखण्ड मुख्यालय में 20 पंचायत के सभी लाभुकों को अबुआ आवास का स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया। जिसके बाद सभी लाभार्थी हजारीबाग में मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन के कार्यक्रम में शामिल होने को लेकर रवाना हुए। बताते चलें कि बरही पूर्वी पंचायत में 26, पश्चिमी में 39, बरसोत में 37, बसरिया में 55, बेंदगी में 49, भंडारों में 28, विजैया में 53, डपोक में 41, धनवार में 28, दुलमहा में 38, गोरियाकरमा में 45, करियातपुर में 48, करसो में 55, केदारुत में 20, खोडाहार में 33, कोल्हुवाकला में 40, कोनरा में 28, मलकोको में 27, रानीचुआ में 27, रसोइया धमना में 44 अबुआ आवास स्वीकृत हुआ है। मौके पर आवास कॉर्डिनेटर कमलेश भारती, भ्रमणशील चिकित्सा पदाधिकारी मुकेश कुमार सिंह, प्रशांत कुमार के अलावा सभी पंचायत सचिव के अलावा सभी मुखिया व प्रखण्ड कर्मी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की योजना पर कार्यशाला का आयोजन आज

वरीय संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड की आकर्षक योजना के तहत झारखंड में बागवानी आधारित व्यवसाय-उद्योग एवं हाइटेक हाइप्रॉफिट सब्जी, फल-फूल, मशरूम की वाणिज्यिक खेती के विकास हेतु मंगलवार को दोपहर दो बजे से चैंबर भवन में कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला का आयोजन झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अहारी उप समिति द्वारा किया जा रहा है। जिसमें राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड, बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, आईसीएआर पलांडु, नाबार्ड, बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, मदर डेयरी फ्रूटस एंड वेजीटेबल्स लिमिटेड के उच्चाधिकारी शामिल होंगे।

कार्यशाला में राज्यभर के प्रगतिशील किसान के अलावा एफपीओ के प्रतिनिधि और एनजीओ भी शामिल होंगे। इच्छुक प्रगतिशील और सक्षम किसानों, उद्यमी, जो अपनी कृषि भूमि से आयकर और जीएसटी मुक्त उच्च आय अर्जित करना चाहते हैं तथा बागवानी आधारित हाइटेक व्यवसाय और उद्योग की स्थापना में रूचि रखते हैं, को चैंबर द्वारा इस कार्यशाला में आमंत्रित किया गया है। उक्त जानकारी चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री और अहारी उप समिति के चेयरमेन आनंद कोठारी ने संयुक्त रूप से देते हुए कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा कृषकों और उद्यमियों की आय में बढोत्तरी के लिए झारखंड में इस उद्यम के विकास के लिए राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड द्वारा आकर्षक सब्सिडी योजना की घोषणा की गई है। इन योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए बैंकों द्वारा वित्तिय सहायता की प्राथमिकता तय की गई है।

कार्यशाला के सफल आयोजन को लेकर चेंबर भवन में एक बैठक भी संपन्न हुई जिसमें चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री, सह सचिव अमित शर्मा, शैलेश अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार, उप समिति चेयरमेन आनंद कोठारी उपस्थित थे।

आजसू युवा मोर्चा का संग्रामपुर पंचायत कमेटी का हुआ गठन

प्रतिनिधि, पाकुड़। प्रखंड के संग्रामपुर पंचायत में संग्रामपुर पंचायत सचिव अब्दुर रहमान के अध्यक्षता में आजसू पार्टी युवा प्रकोष्ठ का पंचायत समिति का गठन हुआ। जिसमें रब्बेकुल सेख को पंचायत अध्यक्ष, सारफुल सेख को पंचायत सचिव, बनी इसराइल उपाध्यक्ष, जेहरुल सेख को कोषाध्यक्ष, दोस्त मोहम्मद सह सचिव का दायित्व मिला। वहीं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद केंद्रीय समिति सदस्य सह युवा मोर्चा प्रखंड प्रभारी मंजूर आलम, प्रखंड उपाध्यक्ष बादशाह शेख, युवा मोर्चा प्रखंड संगठन सचिव अब्दुल अलीम, युवा मोर्चा प्रखंड कोषाध्यक्ष अब्दुल हलीम, युवा मोर्चा सक्रिय सदस्य अब्बास अली , सहित अन्य ने बारी बारी से पट्टा पहनाकर बधाई दिया। कार्यक्रम का संचालन मंजूर आलम ने किया।

स्कोडा ऑटो इंडिया का स्लाविया स्टाइल एडीशन लॉन्च

वरीय संवाददाता

रांची/नई दिल्ली। दो वर्षों में एक लाख बिक्री के बाद स्कोडा इंडिया ने सर्वाधिक बिक्री वाली और 5-स्टार सेफ व क्रैश टेस्ट में पास सेडान स्लाविया स्टाइल एडीशन को लॉन्च किया है।

इस पर बोलते हुए स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक, पेट्र जनेबा ने कहा, ÷स्लाविया स्टाइल एडीशन हमारे भरोसेमंद ग्राहकों की जरूरतों को सुनने व समझने और उन्हें बेहद खास व हाई वैल्यू वाले प्रोडक्ट्स देने की मिसाल है। यह हमारे बेहद खास ग्राहकों के लिए बेहद सीमित संख्या में उपलब्ध होगा। हालांकि, यह पूरे भारत में हमारे 200 से अधिक बिक्री केंद्रों पर उपलब्ध होगा।÷

इक्विपमेंट

स्टाइल एडीशन को स्लाविया के टॉप-ऑफ-द-लाइन स्टाइल वैरिएंट के ऊपर रखा गया है। यह डुअल डैश कैमरा जैसी सुविधाओं

के साथ आता है, जिसमें ब्लैक-आउट बी-पिलर, ब्लैक मिरर कवर और ब्लैक रूफ फॉइल पर %एडीशन% बैज लगा हुआ है। वहीं कार के भीतर ग्राहकों का स्वागत %स्लाविया% ब्रांडेड स्कफ प्लेट द्वारा किया जाता है, जिसके स्टीयरिंग व्हील पर %एडिशन% बैज लगा हुआ है। कार से बाहर निकलने पर ब्रांड लोगो प्रोजेक्शन के साथ एक पुडल लैंप दिखाई देगा।

विशिष्टता

स्कोडा ऑटो इंडिया स्लाविया के स्टाइल एडीशन की 500 इकाइयां लॉन्च करेगा। सभी 500 कारें विशेष रूप से 1.5 टीएसआई इंजन के साथ 7-स्पीड डीएसजी स्वचालित गियरबॉक्स के साथ आएँगी। इन 500 कारों में से प्रत्येक केवल कैंडी व्हाइट या ब्रिलियंट सिल्वर या टॉरनेडो रेड पेंट विकल्पों में होगी, क्योंकि इन रंगों को विशेष रूप से इस स्लाविया की छत और ओआरवीएम पर विशेष ब्लैक एलिमेंट के साथ कॉन्ट्रास्ट के लिए चुना गया है। इस एडीशन की सभी विशिष्टता और अतिरिक्त सुविधाओं की कीमत स्लाविया सेडान के समकक्ष स्टाइल एडीशन की तुलना में 30,000 रुपये अधिक होगी।

सुरक्षा स्लाविया स्टाइल एडीशन छह एयरबैग और ग्लोबल एनसीएपी के नए व सख्त टेस्ट प्रोटोकॉल के तहत वयस्क और बाल सुरक्षा के लिए पूर्ण 5-स्टार रेटिंग के साथ आने वाले मानक स्लाविया की सुरक्षा विरासत को आगे बढ़ाता है। यह वयस्क और बच्चों के बैठने वालों के लिए पूरी तरह से क्रैश-टेस्टेड 5-स्टार-रेटेड कंपनी के कारों के बेड़े को और भी विस्तार देता है।

साउंड बॉक्स व मशीन चोरी के मामले में बड़कागांव पुलिस ने तीन को भेजा जेल

प्रतिनिधि, बड़कागांव । बड़कागांव प्रखंड के विभिन्न गांव के डीजे बॉक्स व मशीन चोरी के मामले में पुलिस ने तीन अभियुक्त आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।मामले को लेकर नव पदस्थापित बड़कागांव थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि बड़कागांव थाना कांड संख्या 48/24 मामले को लेकर अप्राथमिक अभियुक्त विनोद कुमार साव , ग्राम बरवाडीह निवासी एवं पंकज कुमार व राहुल कुमार दोनों ग्राम होरम निवासी को धारा 379 भा.द.वि. के तहत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। कार्रवाई में पुलिस ने बरवाडीह निवासी विनोद साव के यहां से साउंड मशीन 4 पीस , साउंड

बॉक्स लगभग 10 पीस, स्पीकर एवं डीजे लाईट आदि बरामद किया है। सबसे बड़ी बात यह है कि जेल जाने वाले में राहुल कुमार किसान मजदूर उच्च विद्यालय गिद्दी सी के मैट्रिक का विद्यार्थी है।जिसका मैट्रिक का परीक्षा केंद्र गर्ल मिडिल स्कूल गिद्दी ए है।राहुल कई विषयों का परीक्षा में शामिल हुआ है।और अभी कई विषय का परीक्षा में शामिल होना है।मामले को लेकर उसके माता एवं पिता शिबू महतो ने अपील करते हुए प्रशासन से गुहार लगाया है कि उसे परीक्षा में शामिल करवाने की गुजारिश की है।

लोस चुनाव की तैयारियों में किसी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी- गरिमा सिंह

लातेहार, प्रतिनिधि। लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर लातेहार जिला प्रशासन पूरी तरह से रेस हो गया है। इसे लेकर आज जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ने चुनाव के मद्देनजर गठित विभिन्न कोषांगों के वरीय पदाधिकारियों से उनके द्वारा अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त ने आगामी लोक सभा चुनाव 2024 के तहत सभी चुनावी प्रक्रियाओं को साफ-स्वच्छ, निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर संपन्न कराने की बात कही। चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कार्मिक कोषांग को चुनाव के दौरान कार्य करने वाले पदाधिकारियों एवं कर्मियों से संबंधित डाटा बेस की समीक्षा में पाया कि अभी तक कुछ कार्यालयों ने अपने कर्मियों की सूची कार्मिक कोषांग को उपलब्ध नहीं करवाई है जिस पर उपायुक्त ने कड़े शब्दों में कहा कि जल्द से जल्द बचे हुए शेष कार्यालय सूची उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

मतदान केंद्रों का पुन : विश्लेषण करने का दिया निर्देश

उपायुक्त ने मतदाताओं की सुविधाओं एवं सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी मतदान केंद्रों का पुनः विश्लेषण करने का निर्देश दिया। बूथों का भ्रमण करते हुए डिस्पैच सेंटर से लेकर बूथ तक रूट मैप तैयार करने का निर्देश दिया।

साथ ही संवेदनशील एवं अति संवेदनशील बूथों को चिन्हित कर सूची उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने चुनाव स्थल, मतपेटिकाओं को ले जाने हेतु वाहनों की आवाजाही, प्रशिक्षण एवं नामांकन की प्रक्रियाओं का विशेष ध्यान रखने को लेकर निर्देशित किया। उपायुक्त ने कहा ङ्क चुनाव में कार्य कर रहे अधिकारियों व कर्मियों को विभिन्न चरणों में प्रशिक्षण दिया जाए बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि चुनाव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु यह बहुत जरूरी है कि चुनाव में कार्य कर रहे अधिकारियों व कर्मियों को विभिन्न चरणों में प्रशिक्षण दिया जाए। इसके लिए उपायुक्त ने वरीय पदाधिकारी प्रशिक्षण कोषांग को कार्य योजना तैयार करते हुए प्रशिक्षण संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिन मतदान केंद्रों में पिछले चुनावों में वोटिंग प्रतिशत कम रहा हो, वैसे स्थानों पर वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने हेतु स्वीप कार्यक्रम संबंधी जागरूकता अभियान करने की बात कही गई। इसके अलावा उपायुक्त ने स्वीप संबंधी कार्यक्रमों की जानकारी लेते हुए मतदान करने हेतु मतदाताओं को यूनिक, इनोवेटिव कार्ययोजना बनाकर प्रेरित करने का निर्देश दिया। इसके अलावे जिले के मतदान केंद्रों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं, विधि व्यवस्था, संवेदनशील मतदान केंद्रों की मैपिंग, ट्रांसपोर्टेशन एवं मूवमेंट प्लान, प्रशिक्षण एवं जागरूकता संबंधी कार्य समेत कई अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया।

बैठक में ये रहे शामिल-- उप विकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, अपर समाहर्ता श्री रामा रविदास, निदेशक डीआरडीए प्रभात रंजन चौधरी, अनुमंडल पदाधिकारी मो0 परवेज, महुआडांड़ अनुमंडल पदाधिकारी बिपिन कुमार, सिविल सर्जन डॉ अवधेश सिंह, जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार, प्रशिक्षु आईपीएस ललीत मीना, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अरविंद कुमार सहित जिले के विभिन्न कोषांगों के वरीय पदाधिकारियों, कर्मियों सहित अन्य उपस्थित थे।

जिला कार्यकर्ता सम्मेलन में उपस्थित हुए टीएमसी के झारखंड प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष

प्रतिनिधि, पाकुड़। टीएमसी पार्टी के पाकुड़ जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन हिरणपुर प्रखंड के मोहनपुर फुटबॉल मैदान में विगत सोमवार को आयोजित किया गया जहां सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित हुए। इस कार्यकर्ता सम्मेलन में झारखंड प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष फिलमोन टप्पो ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पाकुड़ जिला झारखंड के सबसे निचले स्तर पर है, क्योंकि देश आजादी के 77 साल बीतने के बाद पाकुड़ जिला झारखंड के सबसे पिछड़ा हुआ जिला है। यहां के लोगों को सही शिक्षा, पीने का शुद्ध पानी से वंचित हैं। यहां के जनता ने एक ही परिवार को पिछले करीब 40 वर्षों से झारखंड मुक्ति मोर्चा से विधायक कभी सांसद तो कभी मंत्री हुआ करते आ रहे हैं, फिर भी लिट्टीपाड़ा विधान सभा क्षेत्र का विकास शुन्य हैं। पाकुड़ जिला अध्यक्ष-सह-झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष मो0 आसराफुल शेख ने कहा कि

पाकुड़ जिला के अमड़ापाड़ा पचूवारा में 2 कोल माइंस में बड़े पैमाने पर कोयला का उत्खनन हो रहा है एंव दोनों बाहरी कंपनी ने यहां के स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवाओं को नौकरी नहीं दिया है। सब बाहरी लोगों को रोजगार दिया है। यहां के जनता अपने पेट पालने के लिए पश्चिम बंगाल में अपने जीविका उपार्जन के लिए यहां के आदिवासी लोग लाखो की संख्या में पलायन करते है। बिहार से झारखंड अलग हुए 24 वर्ष बीत गए फिर भी पाकुड़ का दुर्दशा दूर नहीं हुआ। झारखण्ड के आम जनता को यहां के सत्ता भोगी दलों ने लूटने का काम किया है। आने वाला 2024 के लोक सभा और विधान सभा की चुनाव ममता दीदी के तर्ज पर लड़ेगें। झारखण्ड में टीएमसी पार्टी को सिर्फ सेवा करने का मौका दें। झारखंड मुक्ति मोर्चा के सरकार ने संथाल परगना को दोहन शोषण करते आ रहे हैं। इस कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रदेश सचिव दयानंद, मो0अब्दुल करीम, मो0 इकबाल अंसारी, सगीर अंसारी, सनाउल अंसारी, सुनिल मड़ेया, राजेंद्र मड़ैया, साइमन मुर्मू सहित दर्जनों टीएमसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विश्वकर्मा अधिकार रैली आयोजित

सामाजिक नवनिर्माण में विश्वकर्मा समाज की महत्वपूर्ण भूमिकाः दीपक बिरुआ

वरीय संवाददाता

रांची। मोरहाबादी मैदान में झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज द्वारा विश्वकर्मा अधिकार रैली का आयोजन प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। मंच का संचालन प्रदेश प्रधान महासचिव संतन शर्मा ने किया, मुख्य अतिथि झारखंड के मंत्री दीपक बिरुआ उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम का उदघाटन पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने किया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक गौतम सागर राणा, आजसू के मुख्य केंद्रीय प्रवक्ता डॉ.देवशरण भगत थे। सभी गणमान्य अतिथियों ने विश्वकर्मा अधिकार रैली को सफल बताते हुए कहा कि अब विश्वकर्मा समाज एक हो गया है। प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा ने मंच को सम्बोधित करते हुए कहा कि अब हमारा समाज अपनी भागीदारी लेने का काम करेगी और अगर हमारी मांग पर विचार नही किया गया तो आन्दोलन को और भी तेज़ करने के लिए विश्वकर्मा समाज तैयार है।

पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने विश्वकर्मा समाज को हर क्षेत्र में साथ देने की बात कही। समाज के इस ऐतिहासिक रैली मे प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अर्जुन

शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष देवराज शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, प्रदेश पूर्व कोषाध्यक्ष लक्ष्मण राणा, प्रदेश कोषाध्यक्ष शंकर विश्वकर्मा, सहायक कोषाध्यक्ष दिलीप शर्मा, प्रदेश संगठन सचिव रमेश मिस्त्री, अरूण कुमार ठाकुर, प्रदेश संरक्षक शिवकिशोर शर्मा, राँची जिला अध्यक्ष संतोष कुमार, जिला सचिव मनोज विश्वकर्मा, जिला कोषाध्यक्ष राजेश शर्मा, नुनूलाल विश्वकर्मा बिनोद शर्मा, रामलखन राणा, गणेश राणा, यदु राणा, सुभाष राणा, विनोद राणा, देवकी राणा, अनिल शर्मा, गंगाधर शर्मा, नुनूलाल विश्वकर्मा, डॉ.बाबुलाल शर्मा, विनीत शर्मा, मिथलेश्वर प्रसाद राणा, रामविलास शर्मा, जितन राणा, अवधेश शर्मा, पिंटू शर्मा, गौतम शर्मा, दिलीप विश्वकर्मा, कृष्णा शर्मा, रमेश शर्मा, संदीप शर्मा, संजीव शर्मा, अशोक शर्मा, दीपक राणा, अरविंद शर्मा, शशि भूषण शर्मा, नंदेव शर्मा, संजीत शर्मा, रंजीत शर्मा, बिट्टू शर्मा आदि समाज के गणमान्य बंधुगण की उपस्थिति रही।

राजकीय इटखोरी महोत्सव का हुआ शुभारंभ, मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन ने किया शुभारंभ

पूर्वांचल सूर्य ब्यूरो

इटखोरी (चतरा)। राज्य के यशस्वी लोकप्रिय मुख्यमंत्री चम्पई सोरेन के साथ राज्य के लोकप्रिय मंत्री सत्यानन्द भोगता, मंत्री बादल पत्रलेख एक दिवसीय दौरे पर हवाईमार्ग से इटखोरी पहुँचे। इस दौरान मुख्यमंत्री सोरेन व मंत्री श्री भोक्ता, मंत्री बादल पत्रलेख ऐतिहासिक पावन मां भद्रकाली की भूमि इटखोरी हेलीकॉप्टर से पहुंचे। सबसे पहले जिला बल के जवानों ने उन्हें गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया उसके बाद मां भद्रकाली मुख्य मंदिर पहुंचकर मुख्यमंत्री मां भद्रकाली की पूजा अर्चना कर राज्य की खुशहाली की कामना की। मौका था इटखोरी स्थित माँ भद्रकाली मन्दिर परिसर में आयोजित तीन दिवसीय ÷राजकीय इटखोरी महोत्सव 2024÷के शुभारंभ का। इस अवसर पर राजकीय इटखोरी महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ माँ भद्रकाली की पूजा अर्चना कर विधिवत दीप प्रज्वलित कर राजकीय इटखोरी महोत्सव 2024 का शुभारंभ किया। साथ ही सभी को महोत्सव की बधाई व शुभकामनाएं दी। उपस्थित जन सैलाब को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा की मां की कृपा सबसे बड़ी होती है। इनमें आध्यात्मिक शक्ति का निवास होता है जिससे आत्मिक ऊर्जा मिलती है। मुख्यमंत्री ने मंच से कहा कि मां की कृपा बनी रहे और उससे मुझे ऊर्जा मिलती रहे ताकि मैं राज्य का उत्तरोत्तर विकास कर सकूं। इस अवसर पर अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा राज्य झारखंड खनिज संपदा से परिपूर्ण है। मां की कृपा से हमारा झारखंड समृद्धि की ओर बढ़े और विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करें यही आशीर्वाद लेने में मां

के दरबार में आया हूं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा की आदिवासी मूलवासी गरीब दलित सबके विकास में ही राज्य का विकास छिपा हुआ है। हमारा प्रयास है कि राज्य में निवास करने वाले सभी लोगों का सर्वांगीण विकास हो। राज्य का विकास हमारे सरकार की प्राथमिकता है। अंत में उन्होंने कहा कि मां हमें आशीर्वाद दे की हम राज्य के विकास में राज्य की समृद्धि में अपना बहुमूल्य योगदान दे सके और राज्य का उत्तरोत्तर विकास हो। इस अवसर पर मुख्यमंत्री चंपई सोरेन को शाल और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

शांतिपूर्ण संपन्न हुई दशवीं की हिंदी की परीक्षा, दो छात्र रहे अनुपस्थित

प्रतिनिधि, बिशुनपुरा (गढ़वा)। बिशुनपुरा प्रखंड मुख्यालय के राजकीय मध्य विद्यालय बिशुनपुरा में चल रही दसवीं की परीक्षा में आज दिनांक 19 फरवरी दिन सोमवार को शांतिपूर्ण हुई हिंदी विषय की परीक्षा। जहां कुल 238 छात्र छात्राएं में से 2 छात्र अनुपस्थित रहे तथा 236 छात्र छात्राओं ने परीक्षा में लिया भाग। वहीं शांति पूर्ण परीक्षा को सम्पन्न करने को लेकर केंद्राधीक्षक अजीत कुमार पांडेय, मजिस्ट्रेट अरिंदम विश्वास, महिला प्रवेक्षिका मोनिका कुमारी, विक्षक आनंद देव, कृष्णा कुमार, प्रवीण पाण्डेय, अनिल गुप्ता, नीलू कुमारी, रेणु कुमारी, उपेंद्र गुप्ता, अजीत तिवारी, नवनीत तिवारी, मेराज अली सहित पुलिस बल भी मौजूद थी।

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर सागर जी महाराज को विनयांजली

पूसू प्रतिनिधि

डुमरी। 10 अक्टूबर 1946 को कर्नाटक के बेलगाँव जिले के सदलगा गाँव में देश की आजादी की स्वर्णिम अरुणिमा लिए विद्याधर नाम से एक राष्ट्र संत का जन्म हुआ, जो 21 वीं सदी में विकसित राष्ट्र की संकल्पना को साकार रूप प्रदान करने एवं अध्यात्मिक चेतना जागृत करने के लिए अपना आत्मोत्सर्ग कर दिया। इस संत को आज पूरा विश्व राष्ट्र संत विद्यासागर जी महाराज रुप में जानता है। पीएनडी जैन उच्च विद्यालय के सभागार में एक विनयांजली सभा का आयोजन कर महापरिनिर्वाण प्राप्त आचार्य विद्यासागर जी महाराज को भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। संत शिरोमणि विद्यासागर जी ने संलेखना धर्म का पालन करते हुए गत शनिवार रात्रि परम तत्व में विलीन हो गए। विद्यालय सभागार में प्रधानाध्यापक सुनील कुमार जैन ने दीप प्रज्वलित कर मंत्रोच्चारण के साथ आचार्य श्री को विनयांजली दी। शिक्षिका संगीता जैन, शिक्षक डॉ विवेक जैन, संजीव कुमार जैन एवं रजत जैन ने आचार्य श्री की जीवनी पर प्रकाश डाला। विनयांजली सभा में डॉ श्याम कुमार सिंह, देवेश कुमार देव, रुपलाल प्रसाद मंडल, सुब्रत कुमार सामंत, दयानंद कुमार, संजीव कुमार जैन, वैभव रानी, एतवारी महतो, रविंद्र महतो,

धनेश्वर महतो समेत कई लोग उपस्थित थे।

संत शिरोमणि का संक्षिप्त परिचय -:

कर्नाटक के बेलगाँव जिले के सदलगा कस्बे में 10 अक्टूबर 1946 को शरद पूर्णिमा के दिन इनका जन्म हुआ। इनके माता का नाम श्रीमंति और पिता का नाम श्री मलयप्पा था, जो बाद में मुनि मल्लिसागर और आर्यिका समयमती के रूप में विख्यात हुए। इनके परिवार के लगभग सभी सदस्यों ने संयास का जीवन जिया। मात्र 22 वर्ष की आयु में 30 जून 1968 को इन्होंने ज्ञानसागर जी महाराज से दीक्षा प्राप्त कर सन्यास ले लिया।

इसरी बाजार से इनका संबंध

1983 में संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज ने इसरी बाजार स्थित दिगम्बर कोठी के आश्रम में चातुर्मास किया था। इस दौरान लगभग 9 माह तक यहाँ प्रवास किया और सद्मार्ग का पथ प्रदर्शन किया। आचार्य श्री ने पांच मुनियों को यहाँ दीक्षित किया।

क्यों थे महान संत!

आचार्य जी का जीवन बहुत ही सामान्य था, सादगी और ईश्वर साधना में लीन, सांसारिक सुखों से दूर, सामान्य जनमानस को अध्यात्म की और ले जाने का उद्देश्य ही इनके जीवन का उद्देश्य था। चीनी, नमक, हरी सब्जी का त्याग, एक बार खड़े होकर अंजुली में भोजन और जल ग्रहण करना, शय्या का त्याग, मौन व्रत, इनकी अखंड तपस्या का भाग था। गौरक्षा, राष्ट्र सेवा और मानव सेवा इनके जीवन का मूल मंत्र था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आचार्य श्री ने ही भारत शब्द का इस्तेमाल करने की सलाह दी।

ज्वेलरी दूकान लूटकांड में पुलिस को मिली सफलता, 1 अपराधी गिरफ्तार, लूट का सामान बरामद

प्रतिनिधि, गढ़वा। विगत 13 फरवरी को गढ़देवी मंदिर के समीप स्थित रूप अलंकार ज्वेलर्स दूकान में तीन अज्ञात अपराधियों द्वारा लूटकांड को अंजाम दिया गया था। अपराधियों ने सोने-चांदी के करीब 3.8 किलोग्राम के जेवरात पर हाथ साफ कर दिए थे। मामले के उद्भेदन हेतु गढ़वा पुलिस अधीक्षक ने एक एसआईटी टीम का गठन किया। अपराधियों के धर-पकड़ के लिए बिहार, उत्तरप्रदेश और झारखंड के विभिन्न ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही थी, लेकिन अपराधी बार-बार अपना ठिकाना बदल रहे थे। इसी क्रम में नगवा मोहल्ला स्थित मथुरा बांध शिव मंदिर के प्रांगण में स्थित एक कमरे में जब छापेमारी की गई तब वहां से लूटकांड में शामिल एक अपराधी प्रदीप डोम को दबोच लिया गया। वहीं दो अन्य अपराधी बुकी सोनी और अजित साह उर्फ छोटू, पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। पकड़े गए अपराधी प्रदीप डोम के पास से लुट के कुछ गहने, तीन हथियार, गोली और कुछ पैसे बरामद किए गए। गिरफ्तार अपराधी प्रदीप डोम का अपराधिक इतिहास रहा है। तदोपरांत पुलिस को आज फिर सूचना मिली कि मथुरा बांध के करीब 800

मीटर की दूरी पर रेलवे लाईन के किनारे अरहर के खेत में एक काले रंग का बैग पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा उक्त स्थान से सोने के आभूषण, हथियार, गोली और एक कीपैड मोबाइल बरामद किया गया। जहां बरामद सामान में काफी मात्रा में विभिन्न तरह के ग्रह रत्न, सोने एवं हीरे के आभूषण, कृत्रिम सोने जैसा आभूषण, 2देसी कट्टा, 3.15 बोर के 3 कारतूस, 7.65 के दो देशी पिस्तौल, 7.65 के तीन गोली, एक कीपैड मोबाइल शामिल है।

जिप उपाध्यक्ष अनीता, सदस्य प्रियंका ने डीसी से मुलाकात कर बताई बालूमाथ की समस्या

प्रतिनिधि, बालूमाथ। लातेहार जिला परिषद उपाध्यक्ष अनीता देवी एवं बालूमाथ पूर्वी जिला परिषद सदस्य प्रियंका कुमारी लातेहार डीसी गरिमा सिंह से मुलाकात कर बालूमाथ के कई समस्याओं से अवगत कराया। मुलाकात की जानकारी देते हुए जिप उपाध्यक्ष एवं जिप सदस्य ने बताई की डीसी से शिष्टाचार मुलाकात थी मुलाकात के बाद बालूमाथ की गंभीर समस्या बिजली

नियमित नहीं मिलना, प्रखंड कार्यालय परिसर में जलमीनार से पानी का सप्लाई नहीं होना, स्वास्थ्य केंद्र भवन के सामने वर्षों से स्ट्रीट लाइट नहीं जलना, कई विद्यालयों में पर्याप्त मात्रा पर शिक्षक नहीं होना, प्रखंड के कई स्थानों में सड़क एवं नाली निर्माण करना जैसे कई समस्या से ध्यान आकर्षिट कराया गया। इस मौके पर उनके साथ लातेहार जिला के कई जिला परिषद

पीरटाँड़ के पंसस ने विभिन्न माँगों को ले की अनिश्चितकालीन धरना शुरु

पूसू प्रतिनिधि

गिरिडीह। सोमवार को पीरटाँड़ प्रखण्ड के पंचायत समिति सदस्यों के द्वारा विभिन्न माँगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना की शुरुआत की गई।इसी के साथ पसंस ने प्रखण्ड में कथित भ्रष्टाचार को लेकर मोर्चा खोल दिया।धरना प्रदर्शन कार्यक्रम की अध्यक्षता पीरटांड़ प्रमुख सबिता टुडू व संचालन पालगंज पंचायत समिति सदस्य योगेंद्र तिवारी ने किया। जबकि पंचायत समिति सदस्यो के विभिन्न मांगों को रखते हुए बताया कि पीरटाँड़ प्रखण्ड सह अंचल में भ्रष्टाचार बंद हो, पीरटाँड़ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी जनप्रतिनिधियों के साथ सौतेला व्यवहार करना बंद करें, पीरटाँड़ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 24 घण्टे खुला रहे तथा डॉक्टर की उपलब्धता हो, पंचायत समिति की मासिक बैठक (सदन) में लिए गए प्रस्तावों में अविलम्ब कार्रवाई हो, पंचायत समिति की मासिक बैठक (सदन) में सभी विभाग के पदाधिकारियों की उपस्थिति हो,

पीरटाँड़ में अंचलाधिकारी, आपूर्ति पदाधिकारी तथा बाल विकास परियोजना पदाधिकारी की अविलम्ब प्रतिनियुक्ति हो, पीरटाँड़ प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सह पंचायत समिति सचिव अपनी मनमानी करना बंद करें, अबुआ आवास में गरीब परिवारों को चिह्नित करें और सूची में नाम जोड़कर अविलम्ब अबुआ आवास का लाभ दें, पीरटाँड़ प्रखण्ड के सभी बैंकों के पदाधिकारी/कर्मी ग्राहकों का शोषण करना बंद करें, पीरटाँड़ प्रखण्ड का पशु चिकित्सालय अविलम्ब खुलवाया जाय एवं संबंधित पदाधिकारी पर अविलम्ब कार्रवाई हो आदि मांगें शामिल हैं।साथ ही पीरटाँड़ प्रखण्ड के सभी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण पठन-पाठन की मांग की गई है। बीते 8 फरवरी को प्रमुख के नेतृत्व में अनुमंडल पदाधिकारी डुमरी को ज्ञापन देकर प्रखंड विकास पदाधिकारी की कार्यशैली तथा प्रखंड सह अंचल में व्याप्त भ्रष्टाचार से अवगत कराया गया था।उक्त पत्र में आग्रह किया गया था कि यदि एक सप्ताह में कार्यवाही नहीं होती हैं तो आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। पुनः 16 फरवरी को अनुमंडल पदाधिकारी डुमरी को अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के लिए अवगत कराया था, उसी के तहत आज से अनिश्चितकालिन धरना की शुरुआत की गई। पंचायत समिति सदस्य केशव पाठक ने कहा कि पीरटांड़ प्रखण्ड सह अंचल में भ्रष्टाचार का अंबार भरा हूआ है, एक प्राधिकारी चार चार पद का प्रभार पर हैं, ऐसे में आम जनता का काम कैसे होगा, प्रखंड विकास पदाधिकारी अपनी मनमानी तरीके से प्रखंड चला रहे हैं।

मौके पर मुख्य रूप से पीरटांड़ प्रमुख सबिता टुडू, संचालन पालगंज पंचायत समिति सदस्य योगेंद्र तिवारी, उप प्रमुख महेन्द्र महतो, खुखरा पंचायत समिति सदस्य केशव पाठक, चिलगा पंचायत समिति सदस्य नवीन सिंह, चिरकी पंचायत समिति सदस्य पूनम देवी, बांध पंचायत समिति सदस्य अनिता किस्कू, कुडको पंचायत समिति सदस्य कमली मुर्मू, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि सुजीत पांडेय, जागो रजक, जिवलाल पंडित, गुलाम कादिर, झरी महतो मुख्य रुप से उपस्थित थे।

मझिआंव ब्रह्म स्थान के समीप नवनिर्मित मंदिर में भगवती प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर होने वाले सतचंडी महायज्ञ को लेकर निकाली गई भव्य कलश यात्रा

परमझिआंव (गढ़वा)। नगर पंचायत के ब्रह्म स्थान के समीप नवनिर्मित मंदिर में भगवती प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर होने वाले सतचंडी महायज्ञ को लेकर यज्ञाचार्य श्री श्री 108 श्री बाबा केशव नारायण दास के निर्देशन में भव्य जलयात्रा निकाली गई ।2101 कलशों साथ निकाली गई ।जल यात्रा यज्ञ स्थल से निकलकर मुख्य सड़क,ब्लॉक रोड, लोहारपूरवा, बाईपास रोड होते हुए पुरानी अस्पताल के पास पहुंची। उसके पश्चात पुनः पूरे शहर भ्रमण करते हुए कोयल नदी के तट पर अवस्थित बैलगाड़ी घाट पहुंचा.जहां पर विद्वान पंडित बबलू दुबे के द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण एवं आह्वान के पश्चात सभी कलशो में पवित्र जल भरा गया। उसके पश्चात मुख्य यजमान जितेंद्र कुमार सिंह, प्रदीप कुमार चंद्रवंशी,अनिल चंद्रवंशी,संत कुमार सिंह,विजय साव एवं उमेश यादव सपत्नीक एवम सभी श्रद्धालु अपने-अपने कलशो को लेकर यज्ञ स्थल पहुंचे ।जहां उन्हें स्थापित किया

गया ।श्रीमन नारायण नारायण एवं जय माता दी का जाप कर रहे थे। जिससे पूरा इलाका भक्तिमय हो गया। इस दौरान एसबीआई बैंक के समीप युवा समाजसेवी मारुति नंदन सोनी के द्वारा शरबत पानी का तथा न्यू राज घराना वस्त्रालय के संचालक मनोज जयसवाल के द्वारा सभी श्रद्धालुओं के जलपान के लिए गन्ना रस का व्यवस्था किया गया। जलयात्रा में भाजपा नेता डॉक्टर ईश्वर सागर चंद्रवंशी, , निवर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित्रा देवी,समाज सेविका सत्या दुबे, सेवा निवृत्त शिक्षक महेंद्र नाथ दुबे, सांसद प्रतिनिधि शोभा जयसवाल, विधायक प्रतिनिधि संजय कमलापुरी, नगर मंडल अध्यक्ष पवन कुमार सहित लगभग 5 हजार की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में यज्ञ समिति के अध्यक्ष श्रीकांत तिवारी,उपाध्यक्ष कृष्ण सिंह, बिपेश कुमार,नीतीश कुमार, जितेंद्र पाठक गुड्डू पाठक एवं सभी यज्ञ कमेटी के सदस्य एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री गिरिडीह में 196.51 करोड़ की लागत से 104 योजनाओं का करेंगे शिलान्यास

प्रति आवास हेतु ?2 लाख की सहायता प्रदान की जायेगी

प्रतिनिधि,गिरिडीह। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन का 20 फरवरी मंगलवार को गिरिडीह जिला आगमन प्रस्तावित है। इस दौरान गिरिडीह स्टेडियम में कार्यक्रम आयोजित कर अबुआ आवास योजना का शुभारंभ एवं लाभुकों के बीच स्वीकृति पत्र का वितरण किया जाएगा।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, खूँटी।

सूचना

पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, खूँटी अन्तर्गत (1) निरीक्षण भवन, खूँटी का फर्निसिंग कार्य (2) निरीक्षण भवन, कामडारा का मरम्मति, रख–रखाव एवं फर्निसिंग कार्य (3) निरीक्षण भवन तोरपा का मरम्मति, रख–रखाव एवं फर्निसिंग कार्य एवं (4) निरीक्षण भवन, तमाड़ का मरम्मति, रख–रखाव कार्य जिसका **निविदा आमंत्रण सूचना सं0– 61, दिनांक–12.01.2024, PR No. 316017 Road (23-24)D** को अपरिहार्य कारण से निविदा रद्द की जाती है।

कार्यपालक अभियंता
प0नि0वि0, पथ प्रमण्डल, खूँटी।
PR 319418 (Road) 23-24 (D)

ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल के सदस्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ

बिशुनपुरा(गढ़वा)। बिशुनपुरा प्रखण्ड कार्यालय के सभागार कक्ष में जन योजना अभियान 2024- 25 अंतर्गत ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल के सदस्यों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण हुआ प्रारंभ, जो दिनांक 17 फरवरी से चलकर 19 फरवरी तक चलेगी। प्रशिक्षण का शुभारंभ मास्टर ट्रेनर ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जहां प्रशिक्षण में प्रशिक्षक श्री कर्ण कुमार थपा ने ग्राम पंचायत का कार्य योजना तैयार करने से संबंधित विस्तृत जानकारी उपस्थित लोगों को दिया। उन्होंने कार्य योजना तैयार करने केलिए महिला सभा, बाल सभा, विशेष ग्राम सभा इत्यादि के माध्यम से कार्य योजना तैयार करने का निर्देश ग्राम पंचायत सहजकर्ता दल के सदस्यों को दिया। वहीं उन्होंने कहा कि निर्धारित नियमों का पालन करते हुए कार्य योजना तैयार करें। उन्होंने कहा कि अभियान का प्रचार प्रसार करने के लिए दीवार लेखन, बैनर पोस्टर, माइक साउंड का उपयोग किया जाना है। वहीं उन्होंने कहा कि ग्राम सभा में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करें। जहां सभी सदस्यों को विभिन्न कार्यकलापों के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। मौके पर प्रशिक्षण में प्रखण्ड बिशुनपुरा समन्वयक पंचायती राज सुबोध राम, गणेश कुमार सिंह, सभी पंचायत सचिव व रोजगार सेवक, सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक, जलसहिया, महिला समूह की दीदी, आंगनबाड़ी सेविका एवं शिक्षक मौजूद थे।

मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के गिरिडीह आगमन को ले दिशा निर्देश

पूसू प्रतिनिधि गिरिडीह। जिला पुलिस मुख्यालय में सोमवार को पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शर्मा की अध्यक्षता में क्राइम मीटिंग का आयोजन किया गया। बैठक में सभी इंस्पेक्टर पुलिस अधिकारी और थाना व ओपी के थाना प्रभारी मौजूद रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के मंगलवार को गिरिडीह आगमन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अधिकारियों को कई निर्देश दिए गए। एसपी दीपक कुमार शर्मा ने जिले में अपराध नियंत्रण और विधि व्यवस्था बना रहे इसको लेकर सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही थाना में लंबित मामलों के जल्द से जल्द निष्पादन करते हुए उसमें संलिप्त आरोपियों की गिरफ्तारी करने को कहा। एसपी ने पुलिस अधिकारियों को कहा कि विधि व्यवस्था बनाए रखने और लोगों की सेवा करना पुलिस का मुख्य कर्तव्य है। वहीं दूसरी ओर सरस्वती पूजा के शांतिपूर्ण समापन को लेकर सभी पुलिस अधिकारियों को एसपी दीपक कुमार शर्मा ने बधाई देते हुए रिवॉर्ड भी दिया। इस बाबत पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शर्मा ने सभी पुलिस अधिकारियों के साथ क्राइम मीटिंग की। इस दौरान कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। साथ ही मुख्यमंत्री आगमन को लेकर सभी पुलिस अधिकारियों को उनके कार्यों को लेकर निर्देशित किया गया। एसपी ने कहा कि यह साल चुनावी साल होने वाला है, आगामी चुनाव को लेकर भी पुलिस अधिकारियों को कई निर्देश दिए गए। साथ ही यहां से कई पुलिस अधिकारी दूसरे जिले जा रहे हैं, उन सभी को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर डीएसपी टू, ट्रेनी डीएसपी, एसडीपीओ, इंस्पेक्टर, थाना प्रभारी मौजूद थे।

शुरू हुआ सात दिवसीय श्री मद्भागवत ज्ञान कथा

501 कन्याओं ने निकाली कलश यात्रा की भव्य झांकी

प्रतिनिधि,साहिबगंज। तालझारी प्रखंड के मसकलैया गांव में शिव मंदिर परिसर में ÷श्री मद्भागवत ज्ञान कथा समिति÷ के तत्वावधान में सात दिवसीय कथा का शुभारंभ हुआ। श्री मद्भागवत ज्ञान कथा ग्रामीणों के सहयोग और समिति के अध्यक्ष मिथुन मंडल के नेतृत्व में शुरू हुआ। पवित्र कथा स्थल से 501 कन्याओं और महिलाओं ने भव्य कलश यात्रा निकाली, जिसका उद्घाटन तालझारी थाना प्रभारी और कथा वाचक महाराज दिनेशानंद के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काट कर किया गया।

झारखण्ड सरकार, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग

झारखण्ड आन्दोलनकारी चिन्हितीकरण आयोग

63वीं औपबंधिक सूची
जिला– हजारीबाग (पार्ट–21)

क्र0	आवेदनकर्त्ता की विवरणी	गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखण्ड, राँची के संकल्प संख्या–1938, दिनांक–20.04.2021 के आलोक में प्रदत्त कंडिका
	विवरण :– नोडल पदाधिकारी द्वारा जाँच में आन्दोलनकारी होने का मंतव्य तथा चिन्हित स्थानीय झारखण्ड आन्दोलनकारी रामकिशोर मेहता उर्फ आर0के0 मेहता एवं मोहन रजक के बयान एवं पहचान के आधार पर।	
1045.	1. आवेदन क्र0–1035/24 2. आवेदक– नरेश प्रसाद मेहता , पिता–सुन्दर लाल मेहता 3. ग्राम–अलौन्जाखुर्द , पोस्ट–ईचाक थाना– ईचाक , प्रखण्ड–ईचाक 4. लिंग– पुरूष आयु–49 वर्ष पहचान चिन्ह–दाये ऑख के उपर कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
1046.	1. आवेदन क्र0–1036/24 2. आवेदक– अर्जुन प्रसाद , पिता–किशोरी माहतो 3. ग्राम–असीया , पोस्ट–ईचाक थाना– ईचाक , प्रखण्ड–ईचाक 4. लिंग– पुरूष आयु–55 वर्ष पहचान चिन्ह–मोछ पर कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
1047.	1. आवेदन क्र0–1037/24 2. आवेदक– प्रेम प्रसाद , पिता–सोना महतो 3. ग्राम–असीया , पोस्ट–ईचाक थाना– ईचाक , प्रखण्ड–ईचाक 4. लिंग– पुरूष आयु–57 वर्ष पहचान चिन्ह–दाहिने ऑख के बगल में तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
1048.	1. आवेदन क्र0–1038/24 2. आवेदक– छकोडी महतो , पिता–गुरू दयाल महतो 3. ग्राम–सिझुवा , पोस्ट–बरियठ थाना– ईचाक , प्रखण्ड–ईचाक 4. लिंग– पुरूष आयु–55 वर्ष पहचान चिन्ह–बाये गाल में तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
1049.	1. आवेदन क्र0–1039/24 2. आवेदक– मिथलेश कुमार पप्पू , पिता–मुरली प्रसाद मेहता 3. ग्राम–अलौन्जाखुर्द , पोस्ट–ईचाक थाना– ईचाक , प्रखण्ड–ईचाक 4. लिंग– पुरूष आयु–47 वर्ष पहचान चिन्ह–दाहिने गाल में कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
1050.	1. आवेदन क्र0–1040/24 2. आवेदक– प्रकाश प्रसाद मेहता , पिता–महाबीर महतो 3. ग्राम–अलौन्जाकला , पोस्ट–ईचाक थाना– ईचाक , प्रखण्ड–ईचाक 4. लिंग– पुरूष आयु–41 वर्ष पहचान चिन्ह–नाक के उपर कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
1051.	1. आवेदन क्र0–1041/24 2. आवेदक– मेघलाल प्रसाद , पिता–मदन महतो 3. ग्राम–असिया , पोस्ट–ईचाक थाना– ईचाक , प्रखण्ड–ईचाक 4. लिंग– पुरूष आयु–43 वर्ष पहचान चिन्ह–बाये गाल पर तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
1052.	1. आवेदन क्र0–1042/24 2. आवेदक– तालेश्वर कुमार , पिता–जगदीश प्रसाद मेहता 3. ग्राम–मुसाई , पोस्ट–ईचाक थाना– ईचाक , प्रखण्ड–ईचाक 4. लिंग– पुरूष आयु–41 वर्ष पहचान चिन्ह–दाहिने ऑख के उपर कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
1053.	1. आवेदन क्र0–1043/24 2. आवेदक–मो0 माया देवी (आश्रित पत्नी) , पति–स्व0 शिव कुमार राम (मुल आन्दोलनकारी) 3. ग्राम–कंडसार , पोस्ट–बहिमर थाना– कटकमसांडी , प्रखण्ड–कडकमसांडी 4. लिंग– महिला , आयु–40 वर्ष पहचान चिन्ह–गले पर तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
1054.	1. आवेदन क्र0–1050/24 2. आवेदक– दिलीप कुमार रवि , पिता–धनुकी राम 3. ग्राम–सुलमी , पोस्ट–लुपुंग थाना– कटकमसांडी , प्रखण्ड–कडकमसांडी 4. लिंग– पुरूष आयु–58 वर्ष पहचान चिन्ह–नीचला होठ के नीचे तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
1055.	1. आवेदन क्र0–1051/24 2. आवेदक– महेन्द्र किशोर मेहता , पिता–स्व0 जगदीश महतो 3. ग्राम–लुपुंग , पोस्ट–लुपुंग थाना– कटकमसांडी , प्रखण्ड–कडकमसांडी 4. लिंग– पुरूष आयु–53 वर्ष पहचान चिन्ह–बाये पैर के घुटने के नीचे घाव का निशान।	कंडिका–2(ix)
1056.	1. आवेदन क्र0–1052/24 2. आवेदक– नवल किशोर मिश्रा , पिता–वंशीधर मिश्रा 3. ग्राम–सुलमी , पोस्ट–लुपुंग थाना– कटकमसांडी , प्रखण्ड–कडकमसांडी 4. लिंग– पुरूष आयु–53 वर्ष पहचान चिन्ह–माथे के दाहिने तरफ कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
1057.	1. आवेदन क्र0–1053/24 2. आवेदक– नरेश प्रसाद मेहता , पिता–छोटू महतो 3. ग्राम–असिया , पोस्ट–ईचाक थाना– ईचाक , प्रखण्ड–ईचाक 4. लिंग– पुरूष आयु–40 वर्ष पहचान चिन्ह–बाये ऑख के नीचे तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
1058.	1. आवेदन क्र0–1054/24 2. आवेदक– भुनेश्वर प्रसाद मेहता , पिता–झुवर महतो 3. ग्राम–बेलरगड्डा , पोस्ट–बहिमर थाना– कटकमसांडी , प्रखण्ड–कडकमसांडी 4. लिंग– पुरूष आयु–70 वर्ष पहचान चिन्ह–दाहिने ऑख के नीचे मस्सा का निशान।	कंडिका–2(ix)
1059.	1. आवेदन क्र0–1055/24 2. आवेदक– नवल किशोर , पिता–जगरनाथ साव 3. ग्राम–लुपुंग , पोस्ट–लुपुंग थाना– कटकमसांडी , प्रखण्ड–कडकमसांडी 4. लिंग– पुरूष आयु–65 वर्ष पहचान चिन्ह–माथ के दाहिने मस्से का निशान।	कंडिका–2(ix)
	चिन्हित स्थानीय झारखण्ड आन्दोलनकारी रामकिशोर मेहता उर्फ आर0के0 मेहता एवं मोहन रजक के द्वारा आयोग के माननीय सदस्य के समक्ष आवेदन पर दर्ज बयान तथा पहचान के आधार पर।	
1060.	1. आवेदन क्र0–1359/24 2. आवेदक– सहदेव महतो पिता– अंदु महतो 3. ग्राम– गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–75 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1061.	1. आवेदन क्र0–1360/24 2. आवेदक– मोती महतो पिता– बंधन महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–50 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1062.	1. आवेदन क्र0–1361/24 2. आवेदक– पार्वती देवी पति– कैलाश महतो 3. ग्राम–कुठान , पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग– महिला आयु–61 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1063.	1. आवेदन क्र0–1362/24 2. आवेदक– जगदीश महतो पिता– सोमी महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–50 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1064.	1. आवेदन क्र0–1363/24 2. आवेदक– चेतलाल महतो पिता– तनु महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–55 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1065.	1. आवेदन क्र0–1364/24 2. आवेदक– चिन्तामनी महतो पिता– भागल महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–52 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1066.	1. आवेदन क्र0–1365/24 2. आवेदक– रामकेश्वर महतो पिता– लोकन महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–53 वर्ष पहचान चिन्ह– बाये छाती में ऐला का निशान।	कंडिका–2(ix)
1067.	1. आवेदन क्र0–1366/24 2. आवेदक– कौशल्या देवी पति– चिन्तामणी महतो 3. ग्राम–कुठान , पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग– महिला आयु–50 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1068.	1. आवेदन क्र0–1367/24 2. आवेदक– सरजु महतो पिता– स्व0 बिल्दु महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–50 वर्ष पहचान चिन्ह– गाल चिपका।	कंडिका–2(ix)
1069.	1. आवेदन क्र0–1368/24 2. आवेदक– रामकृष्ण महतो पिता– बालदेव महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–68 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1070.	1. आवेदन क्र0–1369/24 2. आवेदक–मसोमात रोहनी पति– स्व0 भेखनाथ महतो 3. ग्राम–कुठान , पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग– महिला आयु–61 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1071.	1. आवेदन क्र0–1370/24 2. आवेदक– महेन्द्र महतो पिता– कोल्हा महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–48 वर्ष पहचान चिन्ह– दाये गाल के उपर कटा।	कंडिका–2(ix)
1072.	1. आवेदन क्र0–1371/24 2. आवेदक– महेन्द्र राम पासवान पिता– स्व0 कुंजल राम 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–60 वर्ष पहचान चिन्ह–बाये गाल पर कट का निशान।	कंडिका–2(ix)
1073.	1. आवेदन क्र0–1372/24 2. आवेदक– नारायण प्रसाद कुशवाहा पिता– करम महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–47 वर्ष पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1074.	1. आवेदन क्र0–1373/24 2. आवेदक– राम चरित्र राम पिता– राम स्वरूप राम 3. ग्राम–बेला पेटो पोस्ट– चट्टीपेटो थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–55 वर्ष पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1075.	1. आवेदन क्र0–1374/24 2. आवेदक– गणपति महतो पिता– जानकी महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–59 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1076.	1. आवेदन क्र0–1375/24 2. आवेदक– रामदेव महतो पिता– डोमन महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–63 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1077.	1. आवेदन क्र0–1376/24 2. आवेदक– सहदेव महतो पिता– स्व0 केला महतो 3. ग्राम–बेंगवरी पोस्ट– हेवई थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–53 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1078.	1. आवेदन क्र0–1377/24 2. आवेदक–जसोमती देवी पति– कोल्हा महतो 3. ग्राम–कुठान , पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग– महिला आयु–62 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1079.	1. आवेदन क्र0–1378/24 2. आवेदक– लालमणी महतो पिता– स्व0 लुटन महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–52 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1080.	1. आवेदन क्र0–1379/24 2. आवेदक– मो0 शकील पिता– मो0 निसार 3. ग्राम–खिरगॉव पोस्ट– हजारीबाग थाना– सदर प्रखण्ड– हजारीबाग सदर 4. लिंग– पुरूष आयु–54 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1081.	1. आवेदन क्र0–1380/24 2. आवेदक– कैलाश चौधरी पिता– नागेश्वर चौधरी 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–50 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1082.	1. आवेदन क्र0–1381/24 2. आवेदक– मो0 कफील पिता– मो0 निसार 3. ग्राम–खिरगॉव पोस्ट– हजारीबाग थाना– सदर प्रखण्ड–हजारीबाग सदर 4. लिंग– पुरूष आयु–50 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1083.	1. आवेदन क्र0–1382/24 2. आवेदक–पार्वती देवी पति– सुरज महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– महिला आयु–45 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1084.	1. आवेदन क्र0–1383/24 2. आवेदक– होरिल महतो पिता– करम महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–70 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1085.	1. आवेदन क्र0–1384/24 2. आवेदक–गीता देवी पति– सहादेव महतो 3. ग्राम–बेंगवरी पोस्ट– हेवई थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– महिला आयु–51 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1086.	1. आवेदन क्र0–1385/24 2. आवेदक–उर्मीला देवी पति– तिरथ साहु 3. ग्राम–के0बी0 रोड मुनका बगिचा पोस्ट–हजारीबाग थाना–सदर प्रखण्ड–हजारीबाग सदर 4. लिंग– महिला आयु–57 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	
1087.	1. आवेदन क्र0–1386/24 2. आवेदक– अनिल महतो पिता– सोमर महतो 3. ग्राम–गर्रीकला पोस्ट– गर्रीकला थाना– केरेडारी प्रखण्ड–केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–43 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1088.	1. आवेदन क्र0–1387/24 2. आवेदक– भुनेश्वर रजक पिता– होरो रजक 3. ग्राम–पुरनी पेटो पोस्ट– चट्टीपेटो थाना– केरेडारी प्रखण्ड– केरेडारी 4. लिंग– पुरूष आयु–63 वर्ष पहचान चिन्ह– अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1089.	1. आवेदन क्र0–1388/24 2. आवेदक– हीरालाल महतो पिता– मोती महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट– बादम थाना–बड़कागॉव प्रखण्ड– बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–46 वर्ष पहचान चिन्ह– बाये ऑख के उपर कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
1090.	1. आवेदन क्र0–1389/24 2. आवेदक– नरेश प्रसाद मेहता पिता– चेतलाल महतो 3. ग्राम–डुमरौन पोस्ट– डुमरौन थाना– ईचाक प्रखण्ड– ईचाक 4. लिंग– पुरूष आयु–48 वर्ष पहचान चिन्ह– बाये ऑख के उपर कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
1091.	1. आवेदन क्र0–1390/24 2. आवेदक–किरण देवी पति– मनोज प्रसाद मेहता 3. ग्राम–डुमरौन पोस्ट– डुमरौन थाना– ईचाक प्रखण्ड– ईचाक 4. लिंग– महिला आयु–45 वर्ष पहचान चिन्ह– पिठ में जख्म का निशान।	कंडिका–2(ix)
1092.	1. आवेदन क्र0–1403/24 2. आवेदक–मंगरी देवी पति–रघुनाथ महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट–बादम थाना–बड़कागॉव प्रखण्ड–बड़कागॉव 4. लिंग– महिला आयु–53 वर्ष पहचान चिन्ह–बाये ऑख के नीचे तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
	विवरण :– नोडल पदाधिकारी द्वारा जाँच में आन्दोलनकारी होने का मंतव्य तथा चिन्हित स्थानीय झारखण्ड आन्दोलनकारी रामकिशोर मेहता उर्फ आर0के0 मेहता एवं मोहन रजक के बयान एवं पहचान के आधार पर।	
1093.	1. आवेदन क्र0–1391/24 2. आवेदक–शोभा देवी (आश्रित पत्नी) पति– स्व0 राज किशोर कुमार गुप्ता 3. ग्राम–कोर्रा पोस्ट– कोर्रा थाना– कोर्रा प्रखण्ड– सदर हजारीबाग 4. लिंग– महिला आयु–37 वर्ष पहचान चिन्ह– दाहिने पैर का चौथा अंगुली छोटा है।	कंडिका–2(ix)
1094.	1. आवेदन क्र0–1392/24 2. आवेदक– सुकुल महतो पिता– नेपाल महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट– बादम थाना– बड़कागॉव प्रखण्ड– बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–49 वर्ष पहचान चिन्ह– दाये ऑख के नीचे तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
1095.	1. आवेदन क्र0–1393/24 2. आवेदक– अनिल महतो पिता–लाल मोहन महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट– बादम थाना– बड़कागॉव प्रखण्ड– बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–44 वर्ष पहचान चिन्ह– दाहिने हाथ के हथेली तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
1096.	1. आवेदन क्र0–1394/24 2. आवेदक– देवकी महतो पिता–लगन महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट– बादम थाना– बड़कागॉव प्रखण्ड– बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–49 वर्ष पहचान चिन्ह– बाये ऑख के बगल में तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
1097.	1. आवेदन क्र0–1395/24 2. आवेदक– गणेश महतो पिता–प्रसादी महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट– बादम थाना– बड़कागॉव प्रखण्ड– बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–41 वर्ष पहचान चिन्ह– दाहिने पैर में कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
1098.	1. आवेदन क्र0–1396/24 2. आवेदक– मंगलदेव महतो पिता–खैटा महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट– बादम थाना– बड़कागॉव प्रखण्ड– बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–41 वर्ष पहचान चिन्ह–बाये ऑख के उपर केट का निशान।	कंडिका–2(ix)
1099.	1. आवेदन क्र0–1397/24 2. आवेदक– धनेश्वर महतो पिता–सहदेव महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट– बादम थाना– बड़कागॉव प्रखण्ड– बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–52 वर्ष पहचान चिन्ह–बाये हाथ के छोटी अंगुली मुड़ा हुआ।	कंडिका–2(ix)
1100.	1. आवेदन क्र0–1398/24 2. आवेदक– सोमर महतो पिता–फुचन महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट– बादम थाना– बड़कागॉव प्रखण्ड– बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–59 वर्ष पहचान चिन्ह–दाहिने ऑख के उपर तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
1101.	1. आवेदन क्र0–1399/24 2. आवेदक– रघु महतो पिता–लालमन महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट– बादम थाना– बड़कागॉव प्रखण्ड– बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–49 वर्ष पहचान चिन्ह–बाये ऑख के उपर कटे का निशान।	कंडिका–2(ix)
1102.	1. आवेदन क्र0–1400/24 2. आवेदक– प्रभु गंझु पिता–लाली गंझु 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट–बादम थाना– बड़कागॉव प्रखण्ड–बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–45 वर्ष पहचान चिन्ह–बाये गाल पर तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
1103.	1. आवेदन क्र0–1401/24 2. आवेदक–कमल महतो पिता–भरत महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट–बादम थाना–बड़कागॉव प्रखण्ड–बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–41 वर्ष पहचान चिन्ह–दाहिने हाथ में तील का निशान।	कंडिका–2(ix)
1104.	1. आवेदन क्र0–1402/24 2. आवेदक–चतुर महतो पिता–ढोटन महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट–बादम थाना–बड़कागॉव प्रखण्ड–बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–63 वर्ष पहचान चिन्ह–अंकित नहीं।	कंडिका–2(ix)
1105.	1. आवेदन क्र0–1417/24 2. आवेदक– भुनेश्वर महतो पिता– राम लगन महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट– बादम थाना– बड़कागॉव प्रखण्ड– बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–63 वर्ष पहचान चिन्ह– दाहिने गाल पर कटे का का निशान।	कंडिका–2(ix)
1106.	1. आवेदन क्र0–1418/24 2. आवेदक– कार्तिक मांझी पिता– लक्ष्मण मांझी 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट– बादम थाना– बड़कागॉव प्रखण्ड– बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–62 वर्ष पहचान चिन्ह– नाक के उपर कटे का का निशान।	कंडिका–2(ix)
1107.	1. आवेदन क्र0–1419/24 2. आवेदक– रतन महतो पिता– स्व0 अलीम महतो 3. ग्राम–जोराकाठ पोस्ट– बादम थाना– बड़कागॉव प्रखण्ड– बड़कागॉव 4. लिंग– पुरूष आयु–55 वर्ष पहचान चिन्ह– दाहिने ऑख के बगल में तील का निशान।	कंडिका–2(ix)

नोट :– 1. यह सूची पूर्णरूपेण औपबंधिक है।
2. इस सूची में किसी प्रकार की त्रुटि पाये जाने पर दस (10) दिनों के अन्दर आयोग को आपत्ति कर सकते हैं।
3. आश्रित होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा आश्रित संबंधी प्रतिवेदन संलग्न करना आवश्यक है।

(भुवनेश्वर महतो) सदस्य | (नरसिंह मुर्मू) सदस्य | (दुर्गा उरॉव) अध्यक्ष
PR 319458 Home (23-24)_D

पहनावे पर बंदिश क्यों

नौसेना में अफसर और नौसैनिक मेस में अब कुर्ता-पायजामा पहनेंगे। फौज में भारतीय परंपराओं को अपनाने और औपनिवेशिक दौर के अवशेषों से छुटकारा पाने के लिए यह पहल हुई है। इसमें कोई शक नहीं कि संस्कृति और इतिहास से हमारी पोशाक भी जुड़ी रही है। और, कपड़े-लत्ते और पहनावा पहचान का भी हिस्सा हैं। लेकिन भारत के संदर्भ में यह समझना जरूरी है कि विविधता इसका स्वभाव रहा है। बाहर से अलग धर्म, नस्ल के लोग आए और यहां के जीवन-संस्कृति और इतिहास का हिस्सा बन गए। इन लोगों ने भारतीय संस्कृति से बहुत सारी चीजों को अपनाया और उन्होंने कई चीजें यहां के कल्चर को दीं। ये चीजें आज भी भारत की बोली-भाषा, खान-पान से लेकर लिबास तक का हिस्सा हैं। अब जिस कुर्ता-पायजामा को नौसैनिकों को मेस में पहनने को कहा गया है, खुद उसका इतिहास भी इस विविधता का आईना है। दरअसल, सलवार-कमीज का ही एक रूप कुर्ता-पायजामा है, जिसे मुगल पहना करते थे। वहीं, शेरवानी हिंदुस्तानी कल्चर में तुर्किये और फारस के लोगों के साथ आई। कपड़ा पहचान के साथ सामाजिक रुतबे का भी प्रतीक है। राजा-बादशाहों के दौर में शाही परिवार, दरबारियों और आम लोगों की पोशाक में फर्क हुआ करता था। औपनिवेशिक काल में ऐसे भारतीयों की कमी नहीं थी, जो अंग्रेजों की तरह कपड़े पहनते थे, उनकी भाषा में बातें करते और खुद को दूसरे भारतीयों से श्रेष्ठ समझते। यही नहीं, जब अंग्रेज अपने फायदे के लिए भारतीय कपड़ा उद्योग को तबाह करने लगे तो महात्मा गांधी ने विदेशी कपड़ों के बहिष्कार का आह्वान किया। यह तब प्रतिरोध का जरिया और आजादी के आंदोलन का प्रतीक बना। ऐसा भी नहीं है कि सामाजिक हैसियत और कपड़े का यह जुड़ाव खत्म हो गया है। आज भी अमीर क्या पहनते हैं, इसे लेकर चर्चा होती है। कान फिल्म फेस्टिवल और ऑस्कर जैसे समारोहों में रेड कार्पेट पर सिलेब्रिटीज से पूछा जाता है कि उन्होंने किस डिजाइनर के बनाए कपड़े पहने हैं। यह उनकी अलग पहचान गढ़ता है। गुची, अरमानी, जिमी चू, लुई वितां जैसे ब्रैंड इसीलिए फल-फूल रहे हैं क्योंकि समाज का एक तबका कपड़े-जूतों-बैग से अपनी बेहतर सामाजिक हैसियत का ऐलान करना चाहता है। समाजशास्त्री एम एन श्रीनिवास के संस्कृतिकरण के सिद्धांत से मध्यवर्गीय समाज की इन ब्रैंडों की ओर आकर्षण की बात समझी जा सकती है। इसी वजह से जारा और ॥×रू जैसे ब्रैंडों ने भारत में बहुत जल्द बड़ा बाजार बनाने में कामयाबी हासिल की है। ये उस नए भारत की नुमाइंदगी करते हैं, जिसकी शुरुआत नब्बे के दशक के आर्थिक सुधारों के साथ हुई। भारत ने तब अपने बाजार दुनिया के लिए खोल दिए। वैश्वीकरण की सीढ़ियां चढ़कर वह दुनिया की 5वीं बड़ी इकॉनमी बना। आज मीडिया-इंटरनेट की बदौलत लोग दुनिया के पहनावे और लेटेस्ट फैशन से वाकिफ हैं। बेशक, भारतीयों को अपनी विरासत पर गर्व है, लेकिन वे पहनावे को लेकर किसी बंधन से नहीं बंधे हैं। वेस्टर्न ड्रेसेज को लेकर उनके अंदर कोई झिझक नहीं है, न ही जींस से कोई ऐतराज। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के शोर के बीच भारतीयों ने विविधता की विरासत को जिंदा रखा है, जो आगे भी फलता-फूलता रहेगा।

दुश्मनी और जंग का जारी रहना किसकी नाकामी

(हर्ष वी पंत, प्रोफेसर, किंग्स कॉलेज लंदन)

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हाल ही में अपने शीर्ष कमांडर जनरल वलेरी जालुजनी को पद से हटाते हुए उनकी जगह अनुभवी जनरल अलेक्जेंडर सिरस्क को सेना की कमान सौंप दी है। यह बदलाव इसलिए अहम है, क्योंकि कीव पर अब रूसी सेना का दबाव स्पष्ट महसूस किया जाने लगा है। हालांकि, बखमुत में हार की एक वजह सिरस्की को माना जाता है, लेकिन अपनी सैन्य क्षमता के कारण उन्हें व्यापक सम्मान भी हासिल है। अपनी इस योग्यता की झलक उन्होंने फरवरी, 2022 में दिखाई थी, जब रूस ने पूरी क्षमता के साथ यूक्रेन पर धावा बोल दिया था। इतना ही नहीं, जवाबी हमला करके खार्किव को रूसी कब्जे से छुड़ाने में भी उनकी अहम भूमिका रही है।

बहरहाल, यूक्रेन कितनी भी कोशिश कर रहा हो, लेकिन नाटो में उसे शामिल करने को लेकर अब भी मतभेद है। इसकी पुष्टि इस बात से भी होती है कि अमेरिका ने उसे वायदे के मुताबिक सैन्य मदद देने से इनकार कर दिया है। अमेरिका के निचले सदन ने कीव को दिए जाने वाले 110 अरब डॉलर के सहायता पैकेज को रोकने का फैसला किया है, जिससे यूक्रेन के सामने एक गंभीर संकट पैदा हो गया है। कीव अब सीमित मात्रा में ही गोला-बारूद इस्तेमाल कर पा रहा है, जिससे विशेषकर पूर्वी यूक्रेन में उसकी रणनीति कमजोर पड़ने लगी है। चूंकि जंग के मैदान में यूक्रेन का प्रदर्शन पूरी तरह से अमेरिकी सहायता पर निर्भर है, लिहाजा उसके लिए संभावनाएं जटिल होती दिख रही हैं। डोनबास और क्रीमिया पर फिर से कब्जा करना तो दूर की बात है, कीव पर अपने कुछ और इलाके गंवाने का खतरा मंडराने लगा है। उसके लिए एकमात्र आशा की किरण यूरोपीय संघ की 50 अरब डॉलर की मदद है, जो हंगरी के नेता विक्टर ओरबान द्वारा यूक्रेन को अतिरिक्त मदद करने संबंधी अपने वीटो से पीछे हटने के कारण संभव हो सका है। हालांकि, यह धनराशि मुख्यतः यूक्रेन की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने, सरकार चलाने, बुनियादी ढांचों को सुचारू रखने के लिए है। इससे उसे कोई सैन्य मदद शायद ही मिल सकेगी। वैसे भी, यूक्रेन की सेना साल 2022 के आखिरी महीनों के बाद से किसी भी महत्वपूर्ण क्षेत्र पर अपना अधिकार नहीं जमा सकी है।

उधर, इजरायल-गाजा संघर्ष में इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपनी सेना को रफा से नागरिकों को निकालने और हमास के शेष लड़ाकों के विरुद्ध एक विस्तृत कार्य-योजना बनाने को कहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल 7 अक्तूबर को जब हमास ने इजरायल पर हमला किया था, तब उसमें 1,139 इजरायली मारे गए थे, लेकिन इजरायल की जवाबी प्रतिक्रिया में अब तक करीब 28 हजार फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है और 67 हजार से भी अधिक लोग घायल हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन लगातार कह रहे हैं कि इस युद्ध को लंबे समय तक थामने के लिए उनकी सरकार सक्रिय है। माना यह भी जा रहा है कि बाइडन सरकार इजरायल के खिलाफ अधिक सख्त कदम उठा सकती है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने कई तरह की घरेलू चुनौतियां भी हैं, विशेषकर आगामी राष्ट्रपति चुनाव को देखते हुए। फिर भी, जमीन पर अमेरिकी दबाव का खास असर नहीं दिखा है। यहां संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं पर भी सवाल उठने लगे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने पिछले दिनों बयान दिया है कि गाजा की कुल 23 लाख आबादी में से आधी अब रफा में फंसी हुई है और उसके पास यहां से कहीं और जाने का कोई रास्ता नहीं बचा है, इसलिए इस युद्ध का अब अंत होना चाहिए। मगर ऐसा लगता है कि उनकी पूर्व की अपीलों की तरह इसे भी अनसुना किया जा रहा है। वैसे भी, पिछले कुछ वर्षों में संयुक्त राष्ट्र सलाहकार की भूमिका में ही अधिक दिखा है। इसीलिए शायद आलोचक अब इसके अप्रासंगिक होने का दावा करने लगे हैं। बहरहाल, दुनिया के कई हिस्से इन दिनों लड़खड़ाते दिख रहे हैं, लेकिन एक लिहाज से यह पश्चिमी देशों और संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं की रणनीतिक विफलता का भी संकेत है। ऐसे में, बस कामना ही की जा सकती है कि यह तस्वीर जल्द बदल पाए। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

अकेले किसान दुखी नहीं

यकीनन, हालात अलग हैं, पर एक समानता भी है। समूची धरती के किसानों और किसानी को अलग नजरिए से देखने का वक्त आ गया है। कृषि को अब फौरी उपायों की नहीं, बल्कि नई दृष्टि और नई रणनीति की जरूरत है। संसार के सबसे पुराने इस उद्योग को अब बदले वक्त के अनुरूप ढालना ही होगा। कृषि को सिर्फ सियासत और अर्थशात्रियों के बीच का मामला नहीं मान लेना चाहिए। इसने सदी-दर-सदी हमारी सभ्यता और संस्कृति को गढ़ा है। यह धरती के मानवीय समाज और उसकी उस सनातन छटपटाहट से उपजा असंतोष है, जो वक्त के हर दौर में, हर बदलाव से पहले दर्ज किया गया है।

(शशि शेखर)

अगर आपको जम्मू-कश्मीर, हिमाचल अथवा पंजाब जाना है, तो सावधान हो जाएं। बीच का राजमार्ग अवरुद्ध और वांछित ट्रेन रद्द हो सकती है। वजह? देश के एक खास हिस्से के किसान फिर से उबल पड़े हैं। उनके जत्थे दिल्ली की ओर कूच कर गए हैं, लेकिन हरियाणा की सीमा पर उन्हें रोक दिया गया है। पंजाब और हरियाणा की सीमा पर सुरक्षा बलों की जबरदस्त किलेबंदी है।

वहां जमे किसान धरने के जरिये सरकार पर दबाव बनाना चाहते हैं। उनका आरोप है कि हमारे साथ वायदा खिलाफी की गई। इस गुस्से को देखते हुए सहज तौर पर सवाल उभरता है कि किसान तो पूरे देश में फैले हैं, फिर उनका यह आंदोलन देशव्यापी क्यों नहीं है? इस सवाल का जवाब मैं आगे देने की कोशिश करूंगा, पर उससे पहले यूरोप का हाल भी जान लीजिए।

पिछले दिनों यूरोप के अनेक देशों के किसान अपने-अपने ट्रैक्टर लेकर महानगरों में घुस गए। उन्होंने राजमार्ग बाधित कर दिए, बंदरगाहों का काम रोकने की कोशिश की। यह गुस्सा अगर फ्रांस और जर्मनी जैसे अमीर देशों में पनपा, तो बेल्जियम, बुल्गारिया, हंगरी, इटली, पोलैंड अथवा स्पेन जैसे आर्थिक रूप से अपेक्षाकृत कमजोर देश भी समान लक्षणों वाले ज्वर से कंपकंपाने लगे। वहां के किसान अपनी-अपनी सरकार की नीतियों के विरुद्ध हुंकार रहे थे। उन्हें लगता है कि हमारे साथ नाइंसाफी हो रही है। फ्रांस और जर्मनी संसाधन-संपन्न मुल्क हैं, इसलिए उन्होंने किसानों की कुछ मांगों को तत्काल मान लिया। फ्रांस ने ईंधन रियायत में जो कटौती की थी, उसे वापस ले लिया और कीटनाशकों के प्रयोग में कमी के आदेश को भी रद्द कर दिया। जर्मनी ने भी समान कदम उठाने की घोषणा की है। यहां बताना जरूरी है कि उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग पर यूरोपीय संघ के तमाम ऐसे प्रस्ताव हैं, जिन्हें किसान अपने हित में नहीं मानते। उन पर भी पुनर्विचार का आश्वासन दिया गया, लेकिन किसानों की नाराजगी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

यकीनन, हालात अलग हैं, पर एक समानता भी है। समूची धरती के किसानों और किसानी को अलग नजरिए से देखने का वक्त आ गया है। कृषि को अब फौरी उपायों की नहीं, बल्कि नई दृष्टि और नई रणनीति की जरूरत है। संसार के सबसे पुराने इस उद्योग को अब बदले वक्त के अनुरूप ढालना ही होगा। कृषि को सिर्फ सियासत और अर्थशात्रियों

के बीच का मामला नहीं मान लेना चाहिए। इसने सदी-दर-सदी हमारी सभ्यता और संस्कृति को गढ़ा है। यह धरती के मानवीय समाज और उसकी उस सनातन छटपटाहट से उपजा असंतोष है, जो वक्त के हर दौर में, हर बदलाव से पहले दर्ज किया गया है।

हमारे देश के बड़े हिस्से में पीढ़ी-दर-पीढ़ी घटती जोत, पानी की पनपती कमी और बरस-दर-बरस अनुत्पादक होती भूमि, उनके लिए चिंता का सबब बनती जा रही है। क्या सरकार ने उनकी ओर से आंख मूंद रखी है, जिसके लिए सड़कें और रेल-मार्ग अवरुद्ध करना जरूरी है? याद दिलाना चाहता हूं कि 2019 के अंतरिम बजट में केंद्र सरकार ने प्रति कृषक परिवार छह हजार रुपये सालाना राजकोष से देने का निर्णय किया था। इसी तरह, कोरोना काल में जरूरतमंदों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रतिमाह निःशुल्क खाद्यान्न एवं खाद्य तेल देना शुरू किया था। ये योजनाएं जस की तस लागू हैं। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार के जिन गांवों से मेरा सीधा नाता है, वहां इसे बड़ी मदद के तौर पर देखा जाता है। यही नहीं, किसानों व खेतिहरों के बच्चों तथा महिलाओं के लिए केंद्र और राज्य की सरकारें तमाम कल्याणकारी योजनाएं चलाती हैं। किसानों के खातों में 'कैश ट्रांसफर' की वजह से इसका सीधा और समूचा लाभ जरूरतमंदों को मिलता है। यही नहीं, खेती के लिए तरह-तरह की अन्य रियायतें भी इस वर्ग को हासिल हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इसका सकारात्मक असर देखने के लिए अब किसी दूरबीन की जरूरत नहीं पड़ती।

यही वजह है कि पंजाब-हरियाणा के किसानों का गम और गुस्सा देश के अन्य हिस्सों के किसानों का दिल नहीं छू पाता। इसके अलावा एक तथ्य यह भी है कि भारत में जो किसान आक्रोश में हैं, उनमें से अधिकांश की जोत (खेती का रकबा) बड़ी है। वे अपेक्षाकृत साधन-संपन्न भी हैं। भारतीय कृषि के बारे में यह दुष्प्रचार भी किया जाता है कि हमारे हालात पश्चिमी मुल्कों के मुकाबले बदतर हैं। आंकड़े गवाह हैं कि यूरोप और अमेरिका में कृषि व कृषि-उत्पादों की विकास दर साढ़े तीन से चार प्रतिशत के आसपास रही है। हमारे यहां की विकास दर भी लगभग इतनी ही है। बात चली है, तो यह बताने में हर्ज नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे और इस दौरान वहां कृषि की विकास दर 10 फीसदी सालाना से ऊपर रही। यहां आप पूछ सकते हैं कि अगर ऐसा है, तो फिर किसानों में आत्महत्या की घटनाएं साल-दर-साल क्यों बढ़ रही हैं? राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 में कृषि कर्म से जुड़े 11,290 लोगों ने खुदकुशी कर ली। इनमें से 5,207 किसान और 6,083 खेतिहर मजदूर थे। पिछले साल के मुकाबले इस वर्ष ऐसी मौतों की दर में 3.75 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। यह आंकड़ा यकीनन दुर्भाग्यजनक है, पर दुर्भाग्य के मारे सिर्फ कृषि से जुड़े लोग नहीं हैं। ब्यूरो ने इसी साल, यानी 2022 में कुलजमा 1,70,921 खुदकुशी के मामले दर्ज किए। इनमें 26 फीसदी दिहाड़ी मजदूर, 14.8 प्रतिशत गृहणियां, 11.4 प्रतिशत स्वरोजगारी, 9.6 फीसदी बेरोजगार, 9.2 प्रतिशत नौकरी-पेशा और 7.6 फीसदी छात्र थे। किसानी से जुड़े लोग सातवें नंबर पर आते हैं। मैं मानता हूं कि खुदकुशी, खुदकुशी होती है। इसके लिए सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था को दोषी ठहराया जा सकता है। इसे ठीक करने के लिए संसाधन, समय और संयम की आवश्यकता है। यहां एक और मुद्दे पर चर्चा जरूरी है। अक्सर कहा जाता है कि सन् 1947 में आजादी के वक्त भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कृषि क्षेत्र का योगदान पचास फीसदी से अधिक था। 2022-23 में यह 15 प्रतिशत ही रह बचा। इस आंकड़े को खेती-किसानी की दुर्दशा से जोड़कर पेश किया जाता है, जबकि तथ्य यह है कि तेजी से तरक्की करते मुल्कों में उद्योग, व्यापार और सेवा क्षेत्र तेजी से पनपते हैं। ऐसा न होता, तो संसार के सबसे अमीर देश अमेरिका में और यूरोप के सबसे धनी मुल्क जर्मनी की कुल जीडीपी में कृषि की हिस्सेदारी सिर्फ एक फीसदी के आसपास नहीं रहती।

क्या आंदोलनरत किसानों की मांग नाजायज है? यकीनन, ऐसा नहीं है। उनके अपने दुख-दर्द हैं। उन पर नजर डालनी ही चाहिए, मगर जैसा कि ऊपर के आंकड़ों से स्पष्ट है कि अन्य वर्गों को भी सरकारी मदद की उतनी या उससे कुछ ज्यादा जरूरत है, इस तथ्य को भी दरकिनार नहीं किया जा सकता।

भगवान भरोसे शिक्षा व्यवस्था: झारखंड के कई विश्वविद्यालय संचालित हो रहे हैं प्रभारियों के भरोसे

सांवर मल अग्रवाल

राज्य की विश्वविद्यालयों में कुलपति, प्रति कुलपति, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक सहित कई सारे प्रशासनिक पदाधिकारी के पद पिछले लगभग 1 वर्ष से खाली पड़े हैं और इन पदों पर प्रभारी को बिठाकर उनके भरोसे विश्वविद्यालय चलाये जा रहे हैं । जिसका परिणाम है कि आज उच्च शिक्षा में गिरावट दिनों- दिन हो रही है । साथ ही विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय में शैक्षणिक वातावरण समाप्त हो रहा है। वहीं प्रभारी के भरोसे भ्रष्टाचार तथा लूट का बाजार गर्म है। विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग की ही बात करें तो यहां कुलपति, प्रतिकुलपति का पद लगभग 1 वर्ष से अधिक समय से प्रभार में चल रहा है। यहां के कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक का पद भी 6 माह से अधिक समय से प्रभार में ही चल रहे हैं।

धनबाद की कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति का कार्य भी प्रभारी कुलपति के हवाले है। दुमका की सिद्धू कानू विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर के पद पर सात आठ माह से प्रभारी कुलपति ही कार्य कर रहे हैं । प्रभारी कुलपति, प्रति कुलपति, कुलसचिव कोई नीतिगत फैसला नियम के तहत नहीं ले सकतें हैं। स्थायी प्रशासनिक पदाधिकारी के अभाव में छात्र-छात्राओं को होने वाले परेशानियों का निदान नहीं मिल पा रहा । इन विश्वविद्यालय में निचले स्तर के प्रशासनिक कार्य देखने वाले लोग की चांदी है। विकास के कार्यों में खुली लूट के माध्यम से सरकारी धन की बन्दर बांट हो रही है। हाल यह है कि किसी प्रशासनिक प्रभारी द्वारा शैक्षणिक कार्य में सुधार की चिंता नहीं की जा रही है। उनका कहना है कि हमें नीतिगत निर्णय लेने का अधिकार नहीं है केवल दिन प्रतिदिन के आवश्यक कार्यों को करने के लिए हम उत्तरदायी हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय प्रशासन का संचालन एवं उसे पर निगरानी रखने के लिए झारखंड राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम 2000 के तहत सिंडिकेट, सीनेट का गठन काफी समय से सरकार द्वारा नहीं किया गया। पिछले 4 वर्षों से विश्वविद्यालय में राज्य सरकार की ओर से सीनेट, सिंडिकेट के सदस्यों का मनोनयन नहीं हो पाया है,जिसका प्रतिफल है कि विश्वविद्यालय, महाविद्यालय में विकास, शैक्षणिक कार्यों पर पड़ रहा है और कोई सुधारात्मक फैसले नहीं हो रहें हैं। राज्य शैक्षणिक व्यवस्था , विकास के आवश्यक कार्यों, सभी खाले पड़े पदों पर नियुक्तियां नहीं हो पा रही है। राज्य सरकार शैक्षणिक व्यवस्था के प्रति बेखबर है। सरकार के चलते झारखंड के पिछड़े क्षेत्रो में गरीबों, पिछड़ों, दलित, आदिवासी, अति पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं को शिक्षा देने के लिए राज्य में 172.49 करोड़ की लागत से सिद्धू कानू, नीलांबर पीतांबर, रांची विश्वविद्यालय एवं विनोबा भावे विश्वविद्यालय के अंतर्गत मॉडल कॉलेज एवं डिग्री कॉलेज का निर्माण कराया गया।

चुनावी चंदे के धंधे पर रोक लगा कर सुप्रीम कोर्ट ने लोकतंत्र को मजबूत किया है

(रमेश सर्राफ धमोरा)

याचिकाकर्ताओं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) सहित अन्य ने केंद्र सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुये इन सभी ने इस योजना को लागू करने के लिए फाइनेंस एक्ट 2017 और फाइनेंस एक्ट 2016 में किए गए कई संशोधन को गलत बताया था।

सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा फैसला देते हुए राजनीतिक दलों के लिए चंदा जुटाने की पुरानी इलेक्टोरल बांड स्कीम को अवैध करार देते हुए इसके जरिए चंदा लेने पर तत्काल रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इलेक्टोरल बांड की गोपनीयता बनाए रखना असंवैधानिक है। यह स्कीम सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के नेतृत्व में गठित पांच जजों की बेंच ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया है। बेंच में जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल हैं।

अपने फैसले में चीफ जस्टिस ने कहा है कि पॉलीटिकल प्रोसेस में राजनीतिक दल अहम यूनिट होते हैं। पॉलिटिकल फंडिंग की जानकारी वह प्रक्रिया है जिससे मतदाता को वोट डालने के लिए सही चॉइस मिलती है। वोटर्स को चुनावी फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार है। जिससे मतदान के लिए सही चयन होता है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की बेंच ने तीन दिनों तक लगातार सुनवाई करने के बाद 2 नवंबर 2023 को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ताओं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) सहित अन्य ने केंद्र सरकार की चुनावी बॉन्ड योजना को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देते हुये इन सभी ने इस योजना को लागू करने के लिए फाइनेंस एक्ट 2017 और फाइनेंस एक्ट 2016 में किए गए कई संशोधन को गलत बताया था। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि इससे राजनीतिक दलों

को बिना जांच और टैक्स भरे फंडिंग मिल रही है। तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2017 के बजट में चुनावी इलेक्टोरल बांड स्कीम को पेश किया था। जिसे 2 जनवरी 2018 को केंद्र सरकार ने नोटिफाई किया था। इस योजना को उसी समय चुनौती दी गई थी। लेकिन सुनवाई 2019 में शुरू हुई। 12 अप्रैल 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया था कि वह 30 मई 2019 तक एक लिफाफे में चुनावी बांड से जुड़ी सभी जानकारी चुनाव आयोग को दें। हालांकि कोर्ट ने उस समय इस योजना पर रोक नहीं लगाई थी।

बाद में दिसंबर 2019 में याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने इस योजना पर रोक लगाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दिया था। इसमें मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया गया था कि किस तरह चुनावी बांड योजना पर चुनाव आयोग, रिजर्व बैंक की चिताओं को केंद्र सरकार ने दरकिनार कर दिया था। इस पर चुनाव आयोग ने भी अपनी नकारात्मक राय दी थी। चुनाव आयोग का मानना था कि चंदा देने वालों के नाम गुमनाम रखने से पता लगाना संभव नहीं होगा कि राजनीतिक दल ने धारा 29(बी) का उल्लंघन कर चंदा लिया है या नहीं। विदेशी चंदा लेने वाला कानून भी बेकार हो जाएगा। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक का मानना था कि इलेक्टोरल बांड मनी लॉन्ड्रिंग को बढ़ावा देगा। इसके जरिए ब्लैक मनी को व्हाइट करना संभव होगा। चुनाव आयोग व रिजर्व बैंक की आपत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट का फैसला अपने आप में ऐतिहासिक माना जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के पहले केंद्र सरकार ने 5 फरवरी को लोकसभा को बताया था कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के माध्यम से 30 किश्तों में 16,518 करोड़ रुपये के चुनावी बांड बेचे गए हैं। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी द्वारा लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा था कि भारतीय स्टेट बैंक से खरीदे गए चुनावी बांड (चरण 01 से चरण 30) का कुल मूल्य लगभग 16,518 करोड़ रुपये है। चौधरी ने कहा था कि केंद्र ने पहले 25 चरणों के लिए चुनावी बांड जारी करने और भुनाने के लिए एसबीआई को 8.57 करोड़ रुपये का कमीशन दिया है। इसके अलावा इसने अब तक सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल) को 1.90 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। चौधरी ने बताया था कि केंद्र सरकार ने 2 जनवरी 2018 को चुनावी बॉन्ड योजना को अधिसूचित किया था। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि स्वच्छ कर भुगतान किया गया पैसा उचित बैंकिंग चैनल के माध्यम से राजनीतिक फंडिंग की प्रणाली में आये। हालांकि दानदाताओं के नाम गुमनाम रहे और सूचना के अधिकार के दायरे से बाहर रहे। ये बांड विशेष रूप से राजनीतिक दलों को धन के योगदान के लिए जारी किए गए थे और इन्हें केवल भारतीय स्टेट बैंक की शाखाओं में ही खरीदा जा सकता था। इलेक्टोरल बॉन्ड से उसी पार्टी को चंदा लेने का अधिकार था जो जनप्रतिनिधित्व कानून-1951 रिपर्जेंटेशन आफ द पिपुल्स एक्ट की धारा 29 के तहत रजिस्टर्ड हो। जिसे लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कम से कम 1 प्रतिशत वोट मिला हो। भारत में चुनाव आयोग के समक्ष करीबन 1900 पार्टियाँ पंजीकृत हैं। इनमें सैंकड़ों ऐसी पार्टियाँ हैं जिन्होंने कभी चुनाव ही नहीं लड़ा है। इससे यह साफ हो जाता है कि कुछ तो गड़बड़ जरूर है। देश के पंजीकृत राजनीतिक दलों को आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 13 ए के तहत आयकर से छूट मिलती है। उनके लिये दान या चंदा लेने की कोई अधिकतम सीमा तय नहीं है। उनको सिर्फ उस लेन-देन का ब्योरा चुनाव आयोग के समक्ष पेश करना होता है जो 20 हजार या उससे ज्यादा हो। इससे कम की रकम का कोई हिसाब उसे नहीं देना होता है। इसी का लाभ उठाकर तमाम राजनीतिक दलों पर कालेधन को सफेद करने और चुनावों में बेहिसाब कालाधन खर्च करने के आरोप लगते रहे हैं। यहीं कारण है कि सैंकड़ों दल चुनाव नहीं लड़ते लेकिन राजनैतिक दल के तौर पंजीकृत हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम का सबसे अधिक फायदा केन्द्र में सत्तरूढ़ भाजपा व मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को ही मिला है। चुनाव आयोग के अनुसार 2018-19 में भाजपा को 1450 करोड़ रुपये व कांग्रेस को 383 करोड़ रूपये का चंदा इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये मिला था। वहीं 2019-20 में भाजपा को 2555 करोड़ रुपये व कांग्रेस को 318 करोड़ रुपये मिले थे। 2020-21 के कोरोना काल में भी भाजपा को 22.38 करोड़ व कांग्रेस को 10.07 करोड़ रुपये मिले थे। 2021-22 में भाजपा को 1032 करोड़ रुपये व कांग्रेस को 236 करोड़ रुपये चंदे में मिले। 2022-23 में भाजपा को 1300 करोड़ रुपये व कांग्रेस को 171 करोड़ रुपये चंदे में मिले। इस तरह 2018 से 2022 तक भाजपा को 6359.38 करोड़ रुपये व कांग्रेस को 1118.07 करोड़ रुपये मिले थे। पश्चिम बंगाल में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस सहित अन्य क्षेत्रीय दलों को भी इस योजना में बड़ी मात्रा में चंदा मिला है। इलेक्टोरल बांड स्कीम से देश के सभी राजनीतिक दलों को चंदा मिला है। सभी दलों ने चंदे कि बहती गंगा में हाथ धोया है। अब यदि कोई राजनीतिक दल खुद को पाक साफ़ दिखने के लिए अन्य दलों पर कीचड़ उछाले तो वही बात होगी सौ चूहे खाकर बिल्ली हज करने चली।

चुनाव में पानी की तरह बेहिसाब पैसा बहाकर सत्ता में आनेवाला कोई भी राजनीतिक दल कभी लोक कल्याणकारी नीतियों को प्रोत्साहन देने वाला नहीं हो सकता है। अतः राजनैतिक दलों की वित्तीय अनियमिततों को दूर करना आज वक्त की जरूरत बन चुकी है। हालांकि इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि इस संबंध में अब तक जितने भी प्रयास हुए हैं नाकाफी ही साबित हुए हैं। इस दिशा में सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से राजनीति में चल रहे चंदे के गंदे धंधे पर रोक तो जरूर लगेगी जो राजनीतिक सुचिता की दिशा में एक नयी पहल होगी।(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं)

ऑफिस में हिट किचन में फिट

मॉम मैंने आज बिरयानी बनाई, घर में सभी को पसंद आई। सब बहुत तारीफ कर रहे थे। हाल ही में शादी के बाद ससुराल में रह रही अपनी बेटी ईशा की चहकती आवाज सुनकर अमृता के कानों में जैसे शहद घुल गया। वह सोचने लगीं कि ईशा को तो किचन के काम करने की बिल्कुल आदत नहीं है।

हॉस्टल में रहने और हर वक्त पढ़ाई के दबाव में वह किचन का कोई काम कहां सीख पाई थी। फिर उसे कठिन बिरियानी बनाना किसने सिखाया? तुम्हें बिरियानी बनाने का तरीका भी पता है? जवाब मिला, 'ओह मॉम, आप भी, मैंने फोन पर रेसिपी खोज ली थी, उसे साथ में रखा और जैसा उसमें लिखा था, वैसा बनाती गई और अच्छी बिरियानी तैयार हो गई। घर में सभी को स्वाद अच्छा लगा।'

अमृताजी को लगा कि बेटी उनसे ज्यादा सयानी हो गई है। वह बेकार ही सालों तक चिंता में घुलती रहीं कि ईशा ने किचन में इंट्रेस्ट नहीं लिया, पता नहीं ससुराल में क्या करेगी? लेकिन उनकी इंजीनियर बेटी ऑफिस में भी हिट है और घर के किचन में भी फिट है। ऑफिस में उसकी रेटिंग एक्सीलेंट है और घर का हर सदस्य भी उसके व्यवहार और काम करने के तरीके की तारीफ करता है। उन्हें गर्व महसूस हुआ अपनी बेटी पर। वह जान गईं कि आज की स्मार्ट लड़कियों को पता है कि कौन-सी चीज कहां, कब और कैसे इस्तेमाल करना है। आज ईशा जैसी स्मार्ट लड़कियां टेक्नोलॉजी और कम्यूनिकेशन रिवॉल्यूशन का फायदा स्मार्ट होम मैनेजमेंट के लिए कर रही हैं। वे घर के कामों को कम टाइम में बेहतर तरीके से मैनेज कर रही हैं। मां की मोटी रेसिपी डायरी या छपी किताबों की जगह ब्लॉग, वेबसाइट और सोशल साइट्स ने ले ली है। इन पर ढेरों जानकारियां हैं और वे इसका बुद्धिमानी से फायदा उठा रही हैं। आजकल अचानक मेहमान घर पर आ जाएं तो हाथ-पैर नहीं फूलते कशिश के। वह झट से ऐसा मेनू बनाती हैं जिसमें उनके बनाए घर के आइटम के साथ होम डिलीवरी पर मंगा सकने वाली रेडिमेड चीजें भी होती हैं। सिलेक्शन में इंटरनेट भी मदद करता है। जब तक उनका ऑर्डर किया सामान आता है तब तक वह घर के स्मार्ट गैजेट्स की मदद से कुकिंग कर लेती हैं और मेहमान की खातिरदारी की तैयारी भी पूरी हो जाती है। घर का सामान, सब्जियां यहां तक कि सास-ससुर की दवाइयां तक वह होम डिलीवरी से मैनेज कर लेती हैं। इससे बाजारों के चक्कर तो बचते ही हैं साथ में समय की बचत भी हो जाती है।

'मुझे जो भी काम जिस दिन भी, जिस समय भी करना होता है तो तुरंत फोन पर रिमाइंडर लगा लेती हूं। जिससे चूक नहीं होती। घर का जो भी सामान खत्म हो जाता है या जो काम पेंडिंग हो जाते हैं उनकी लिस्ट फोन पर नोट्स में बनाती जाती हूं। जब मार्केट जाती हूं तो लिस्ट साथ ही होती है और आसानी से सारे काम हो जाते हैं''। जी हां, अपने हर काम को बेहतर प्लानिंग और स्मार्ट तरीके से अंजाम देती हैं वंदना। उनके हाथ का स्मार्ट फोन उनके स्मार्ट होम मैंनेजमेंट का हथियार है। वंदना कहती हैं-'प्लानिंग जरूरीहै और जब हम वर्किंग हैं, कई-कई घंटे काम पर रहते हैं तो एक्यूरेट प्लानिंग ही हमें सक्सेसफुल बना सकती है' । वीकएंड का स्मार्ट प्लान बनाती हैं न्यूएज गर्ल्स। इनका मानना है कि घर और ऑफिस में बैलेंस बनाने के लिए फ्रेश रहना बहुत जरूरी है ताकि ऑफिस में भी बेस्ट दे सकें और घर में भी टाइम दे सकें। घर और दफ्तर मैनेज करने के लिए वे प्लानिंग पर बराबर ध्यान देती हैं। जिसमें उनकी पर्सनल केयर की जरूरतें भी शामिल होती हैं। मूवी एंजॉय कर फैमिली के बीच समय बिताने का पूरा मजा लेना भी जानती हैं वे।

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं। इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

पुरानी ऊनी टोपी को फेंके नहीं, इस तरह से करें रियूज

हमारे घरों में कई ऐसी चीजें होती हैं जिनका इस्तेमाल एक वक्त के बाद खत्म हो जाता है। चाहे कपड़े हों या घर का कोई खंडा एक वक्त के बाद हम इसके इस्तेमाल से ऊब जाते हैं। लेकिन घर में रखी कोई भी चीज बेकार नहीं होती है। सबसे ज्यादा कपड़ों के साथ ऐसा होता है। पुराने कपड़ों को या तो हम किसी को दे देते हैं या स्टोर रूम में डाल कर छोड़ देते हैं। लेकिन ऐसा करने के बजाए आप इन्हें रियूज कर सकते हैं। आज हम आपको पुरानी ऊनी टोपी को कैसे रियूज किया जाए इसकी जानकारी दे रहे हैं। आइए जानते हैं पुरानी ऊनी टोपी को कैसे काम का बनाया जा सकता है

अगर बच्चा बड़ा हो गया है और टोपी छोटी हो गई है या टोपी में रोएं निकल आएं हैं तो इसे फेंकने के बजाए आप किचन में इसे इस्तेमाल कर सकते हैं। जी हां...इसका इस्तेमाल करके किचन में बरतन रखने का स्टैंड बना सकते हैं। इसके लिए आप आप घर में रखी कोई भी दो ऊनी टोपी ले लीजिए। कपड़े टांगने वाले हैंगर ले लें।अब हैंगर के नीचे वाले सिरे में दोनों टोपी को एक एक करके सूई धागे की मदद से सिल दीजिए। हैंगर में टोपी सिलने के बाद आप इसे किचन में कहीं पर भी हैंग कर सकते हैं और इसमें बर्तन रख सकते हैं।

किचन और बाथरूम में ऐसे करें इस्तेमाल

कई बार हमारे किचन में कई ऐसी हाफ प्लेटें होती हैं जो कम इस्तेमाल होती हैं और इनपर तेल के छींटे पड़ने से गंदे हो जाते हैं। इन्हें इस स्टैंड में रखने से बर्तन गंदे भी नहीं होंगे और टोपी भी इस्तेमाल में आ जाएगा। वहीं आप इसे अपने बाथरूम में भी सामान रखने के लिए टांग सकते हैं। इसमें काफी जगह होती है जिससे आपके कई सामान इसमें रखे जा सकते हैं। तो है ना यह मजेदार हैक्स। टोपी सिर्फ सिर में पहनने के काम नहीं आते हैं इससे आपक कई सारे काम ले सकते हैं। अगर आपके घर में भी कोई पुरानी टोपी रखी है तो आप भी इसे ट्राई कर सकते हैं।

वक्त के अनुसार खुद को अपडेट करना जरूरी

वक्त के अनुसार खुद को अपडेट करना जरूरी है, वर्ना जमाना आगे निकल जाएगा और आप सोचती ही रह जाएंगी। सकारात्मक सोच और रोजाना की दिनचर्या में थोड़ा-सा बदलाव करके आप मॉडर्न दिखने के साथ ही समय के साथ भी चल सकेंगी।

आप घर से ऑफिस और ऑफिस से घर तक ही सीमित रह गई हैं? अगर जवाब 'हां' में है तो कुछ बातों को जीवन में उतारकर अपनी पुरानी-सी और एक ही ढर्रे पर चलने वाली जिंदगी को बाय-बाय करना होगा। वक्त के अनुसार खुद को अपडेट करना जरूरी है, वर्ना जमाना आगे निकल जाएगा और आप सोचती ही रह जाएंगी। सकारात्मक सोच और रोजाना की दिनचर्या में थोड़ा-सा बदलाव करके आप मॉडर्न दिखने के साथ ही समय के साथ भी चल सकेंगी।

कुछ जरूरी टिप्स

कामकाजी स्त्री के लिए मॉर्निंग वॉक पर जाना थोड़ा कठिन जरूर होता है लेकिन अपने आप को फिट रखने के लिए एक्सरसाइज जरूरी है। दिनभर में कम से कम 30-35 मिनट अपने लिए जरूर निकालें। सुबह की सैर करने से मन में ताजगी आती है और दिनभर काम करने की ऊर्जा मिलती है। यदि मॉर्निंग वॉक पर न जा सकें तो योग और व्यायाम से भी चेहरे की चमक और रौनक हासिल की जा सकती है।

भड़कीले रंगों या ज्यादा एंब्रॉयडरी वाले कपड़ों को पार्टी या इवेंट्स के लिए ही रखें। अपने वॉर्डरोब में रोज में पहनने वाले सिंपल और कंफर्टेबल आउटफिट्स की संख्या बढ़ाएं। फैशन ट्रेंड्स को फॉलो करना सही है, लेकिन वही पहनें जिसमें सहज रह सकें।

घर हो या ऑफिस, दोनों जगह जो बात जीवंत और प्रसन्ना बनाए रख सकती है, वह है- ज्ञान या नॉलेज। खुद को समय के साथ चलने लायक बनाना है तो रोज कम से कम एक समाचार पत्र पढ़ें, पत्रिकाएं लें, साथ ही सोशल गैदरिंग का हिस्सा बनें। नौकरी करती हों या होम मैनेजर हों, खुद को हमेशा सीखने के लिए तैयार रखें। चेहरे की रौनक बनाए रखने के लिए भरपूर मात्रा में पानी और तरल पदार्थ लें। भोजन पौष्टिक हो। इसके अलावा 6 से 8 घंटे की नींद लें, ताकि चेहरा थका-थका सा न लगे।

अगर मानसिक थकान हो तो बच्चों के साथ खेलें, उनसे बात करें, संगीत सुनें या फिर बागवानी जैसे काम करें। इन कार्यों से थकान गायब होती है और कुछ क्रिएटिव करने का सुकून भी मिलता है। घर या ऑफिस में कई उलझनें अक्सर परेशान करती हैं। कई बार खुद तक सीमित रखने से मन की उलझनें बढ़ती जाती हैं। ऐसे में किसी दोस्त या भरोसेमंद व्यक्ति से अपनी बात शेयर करें। हो सकता है कि जिस समस्या का हल आपको न मिल पा रहा हो, उसका कोई हल उसके पास हो।

वीकेंड पर घर में अकेले बैठे रहने के बजाय बच्चों के साथ पार्क जाएं, पिकनिक करें, दोस्तों-रिश्तेदारों से मिलने जाएं या घर पर ही किसी को आमंत्रित करें। इससे दिनचर्या की एकरसता टूटेगी और नई ऊर्जा भी मिलेगी।

सादगी में एक खूबसूरती छिपी है लेकिन कभी-कभी हल्का मेकअप करना, खुद को अच्छी तरह संवारना भी जरूरी है। अपना पर्सनल स्पेस निकालें और महीने-दो महीने में एक बार फेशियल कराएं या स्पा लें। इससे स्ट्रेस दूर होगा और चेहरे की मसाज होने से थकान भी कम होगी।

अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहें। पड़ोस में रहने वाले लोगों से संपर्क बनाए रखें और अपनी सोसाइटी की आरडब्ल्यूए के कार्यक्रमों में भागीदारी करें। इससे सामाजिक व्यवहार बना रहेगा और किसी मुश्किल वक्त में पड़ोस के लोग काम भी आएंगे।

अगर घर में रहते हुए कुछ करना चाहती हैं तो अपने समय से एक-दो घंटे निकालें और बच्चों को पढ़ाएं। हो सकता है, आसपास कुछ बच्चों को आपकी जरूरत हो। अपनी शिक्षा का इस्तेमाल उन्हें पढ़ाने में करें। आपका समय भी अच्छा बीतेगा, नया ज्ञान भी मिलेगा और बच्चों का भविष्य भी संवरेगा। जीवन में कभी आशा का दामन न छोड़ें। हर हाल में खुश रहें, सकारात्मक नजरिया बनाए रखें। आगे बढ़ने की यह जरूरी शर्त है।

बच्चों के लंचबॉक्स से लेकर रात की पार्टी के खाने तक पैक्ड फूड का दायरा बढ़ता जा रहा है। इस पैक्ड फूड ने जहां हमारी जिंदगी को थोड़ा-सा आसान बनाया है, वहीं हमारे खाने की आदतों को काफी हद तक बिगाड़ भी दिया है।

पैक्ड फूड पर निर्भरता कितनी अच्छी, कितनी बुरी?

खानपान के तौर-तरीकों में आते बदलाव हमारे जीवन और शरीर को किस तरह प्रभावित कर रहे हैं यह हम जान ही नहीं पाते। व्यस्तता की वजह से रोजमर्रा की चीजों के अलावा सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं हमारे खानपान की आदतें। काम की थकान ज्यादा हो गई तो चलो बाहर से कुछ खा लें। जल्दबाजी में नाश्ता नहीं किया तो कुछ पैक्ड फूड ले लेते हैं। ऐसा माहौल और बातें अब आम हो चुकी हैं।

बच्चों के लंचबॉक्स से लेकर रात की पार्टी के खाने तक पैक्ड फूड का दायरा बढ़ता जा रहा है। इस पैक्ड फूड ने जहां हमारी जिंदगी को थोड़ा-सा आसान बनाया है, वहीं हमारे खाने की आदतों को काफी हद तक बिगाड़ भी दिया है। कभी-कभी हम इस ऑप्शनल फूड पर कुछ ज्यादा ही निर्भर हो जाते हैं। ऐसा करना सेहत के लिए कितना नुकसानदेह है, इस बात का हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते। क्या हैं इसके फायदे और नुकसान।

अच्छा भी है पैक्ड फूड

पैक्ड फूड सरल और जल्दी इस्तेमाल में लाया जाने वाला खाना है। कई बार इस तरह के खाद्य पदार्थों को बहुत अच्छी तरह से पकाया जाता है, जिससे खाने की गुणवत्ता बनी रहती है। फ्रोजन फूड जैसे कि फल और सब्जियां ताजे फल और सब्जी जितना ही पोषण लिए होती हैं। पहले से तैयार और रेडी टू ईट फूड को तैयार करने में समय कम लगता है। पैक्ड फूड में कई बार विटामिन और फाइबर की अतिरिक्त मात्रा होती है।

सेहत के लिए अच्छे पैक्ड फूड

- ऐसे फ्रोजन फल और सब्जियां जिनमें शुगर, सीरप और सॉस न हों।
- नॉन फैट मिल्क
- ड्राई फ्रूट, ओटमील और आटा ब्रेड
- भुने हुए नट्स और बीज
- अनाज से तैयार नाश्ते के पदार्थ जैसे सीरियल्स और म्यूजली
- फ्रोजन सी फूड

पैक्ड फूड की खामियां

बहुत ज्यादा केमिकल इस्तेमाल होने की वजह से ऐसे खाद्य पदार्थ सेहत के लिए नुकसानदेह होते हैं। कई तरह के पैक्ड फूड जैसे सब्जियां और सूप में सोडियम की मात्रा बहुत अधिक होती है। बहुत सारी दिखावटी सामग्री का उपयोग होता है। फ्रेश न होने के कारण ऐसे खाद्य पदार्थों में पोषक तत्वों की कमी होती है। पैक्ड फूड में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बहुत ज्यादा होती है।

- इन पैक्ड फूड को कहें ना
- ज्यादा नमक वाले
- डिब्बाबंद फूड, रेडी टू ईट
- पैक्ड केक और कुकीज
- हाई कैलरी फूड जैसे-चिप्स और कैंडी

लेबल पर जरूर दें ध्यान

पैक्ड फूड खरीदते समय कुछ जरूरी बातों का हमेशा ध्यान रखें। जिन खाद्य पदार्थों में ट्रांस फैट मौजूद हों उन्हें लेने से बचें। ऐसे पैक्ड फूड पर जरूर ध्यान दें जिनमें नमक बिल्कुल न हो। ऐसे डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ सेहत को नुकसान नहीं पहुंचाते। अगर किसी भी सामग्री में शुगर, हाई फ्रक्टोज कॉर्न सीरप और नमक मौजूद हो तो इनका इस्तेमाल कम करें। पैक्ड फूड खाने में कोई बुराई नहीं है लेकिन हमेशा इन्हें लेने से पहले न्यूट्रीशियस फैक्ट्स जरूर चेक करें। इससे आपको उसकी गुणवत्ता का पता चल जाएगा।

रामगढ़ आश्रम हाता का 56वां वार्षिक महायज्ञ अनुष्ठान 24 फरवरी से

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी प्राचीन गुरुकुल रामगढ़ आश्रम हाता में 56 वा पांच दिवसीय महा यज्ञानुष्ठान सह अखंड हरिनाम संकीर्तन आगामी 24 फरवरी 2024 से शुरू हो रहा है यह जानकारी आश्रम के अध्यक्ष सुधांशु शेखर मिश्रा और सचिव

अनिरुद्ध गोप ने दी। गंधाधिवास 23 फरवरी को होगी। 24 फरवरी को सुबह कलश यात्रा के साथ यज्ञ और हरिनाम संकीर्तन शुरू होंगे। 29 फरवरी को पूर्णाहुति, नाम भंग,यज्ञोपवीत संस्कार,महाप्रभु की भोग आरती होगी।

इस वर्ष हरिनाम संकीर्तन में रास बिहारी दास गोस्वामी कीर्त्तन सम्प्रदाय पुरुलिया,श्रीश्री गोविंद सम्प्रदाय कालिकापुर,जय निताई कीर्तन सम्प्रदाय बांकुड़ा, श्रीश्री राधा गोविंद कीर्तन सम्प्रदाय घाटशिला, जगबंधु दास गोस्वामी सोनाहातू, शिव राम दास गोस्वामी नीमडीह,श्रीश्री राधा कृष्ण सम्प्रदाय मेदनीपुर, श्री हरेन चंद्र दास वागमुंडी कीर्त्तन मंडलियों ने भाग लेंगे। रामगढ़ आश्रम का संस्थापक ब्रह्मलीन श्रीश्री 108 वालक दास बाबाजी है जिन्होंने सन 1966 को आश्रम की स्थापना की है। 1968 साल से यज्ञानुष्ठान और अखंड हरिनाम संकीर्तन प्रतिवर्ष माघी पूर्णिमा में आयोजन किया जाता है।अभी विष्णु यज्ञ चल रहा है।इसके पूर्व बिष्णु यज्ञ,चंडी यज्ञ,रुद्र यज्ञ, गीता यज्ञ हो चुके हैं। एक यज्ञ 12 साल तक चलता है।आज के समय में हरिनाम संकीर्तन तो होता है लेकिन यज्ञ बहुत कम होता है।विश्व शांति के लिए यज्ञ किया जाता है। वर्तमान इसका संचालन रामगढ़ आश्रम कमिटी ने कर रही है। इसके अलावे श्रीश्री 108 श्री हरिहर बाबा का आशीर्वाद भी साथ में है।

दान की गई वस्तु का स्वयं उपयोग कदापि नहीं करें: विवेक महाराज

➡ भगवान की महिमा का वर्णन कर श्रोताओं में भक्ति भावना का किया संचार

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। भुइयांडीह स्लैग रोड़ स्थित नीतिबाग कॉलोनी में चल रहे अष्टम सात दिवसीय भागवत कथा के तीसरे दिन सोमवार को कथावाचक आचार्य बालव्यास पंडित विवेक महाराज ने कपिल अवतार, भगवान के नाम की महिमा, सृष्टि की रचना, नरसिंह अवतार, नरकों की कथा का विस्तार से श्रवण कराया। उन्होंने कथा के दौरान महिलाओं को संदेश दिया कि अपने पति की आज्ञा के बिना कोई ऐसा काम नहीं करें। जिससे की घर परिवार में गृह क्लेश हो। पति को परमेश्वर, सास-ससुर को अपने माता-पिता समझकर सेवा करनी चाहिए। श्री हरि गोबिन्द सेवा समिति और जेके पांडा इकोसिटी, गालुडीह द्वारा आयोजित कथा के दौरान महाराज ने अजामेल उपख्यान का वर्णन करते हुए भगवान की महिमा बताई। व्यास ने कहा कि भगवान का नाम इस कलिकाल में कल्पवृक्ष माना गया है। उन्होंने वृतासुर की बीरबानी, प्रहलाद चरित्र समुंद्र मंथन का मार्मिक वर्णन कर श्रोताओं में भक्ति भावना का संचार किया। सृष्टि की रचना का वर्णन करते हुए कथा वाचक ने कहा कि सबसे पहले भगवान श्री हरि विष्णु की नाभि से कमल के फूल पर बैठे ब्रह्मा जी की उत्पत्ति हुई और भगवान श्री हरि विष्णु के आदेश के अनुसार ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना की। उन्होंने मनु और सतरूपा की उत्पत्ति की। मनु और सतरूपा से पांच संतानें दो पुत्र और तीन कन्या हुईं। नरसिंह अवतार का वर्णन करते हुए महाराज ने बताया कि दैत्यराज ने कहा कि इस पत्थर नुमा खंभे में हरि कहां हैं, तभी भगवान प्रहलाद की लाज रखने के लिए उस खंभे में से निकल कर भगवान ने नरसिंह अवतार लिया ओर दैत्यराज का वध कर दिया। नरकों की कथा में महाराज ने 28 प्रकार के नरकों का वर्णन करते हुए बताया कि जीवन में दान की गई वस्तु का स्वयं द्वारा उपयोग नहीं करना चाहिए नहीं तो उसके कारण व्यक्ति नरक गामी बन जाता है। नरकों के नाम और उनके हाल का वर्णन करते हुए बताया कि किस पाप से कौन सा नरक मिलता है? कथा के दौरान राधे-राधे के उद्घोष से माहौल भक्ति के रस में डूब गया। इस कथा का सीधा प्रसारण वैदिक चेनल तथा आस्था चेनल पर भी हुआ, जो 23 फरवरी तक रोजाना होगा। कथा के चौथे दिन मंगलवार को को कृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाएगा। साथ ही वामन अवतार तथा राम कथा का वर्णन किया जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से गोविन्द राम सरोज, श्रीराम सरोज, हरिओम सरोज, नंद जी सिंह, दिलीप सिंह, रवि सिंह आदि भक्तगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मंत्री दीपक बिरुवा का कांग्रेसियों ने किया स्वागत, दिया बधाई

पूसू प्रतिनिधि,चाईबासा। चंपाई सोरेन की सरकार में चाईबासा विधायक दीपक बिरुवा को अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण तथा परिवहन विभाग का मंत्री बनाए जाने के बाद जिला कांग्रेस कमिटी, प.सिंहभूम का एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मंत्री दीपक बिरुवा के सरनाडीह स्थित आवासीय कार्यालय पहुँचकर पुष्प गुच्छ देकर स्वागत-अभिनंदन किया तथा उन्हें शुभकामनाएं व बधाई दिया। मंत्री दीपक बिरुवा ने कहा कि पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के अधूरे विकास कार्यों को पूरा करेंगे, राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित होंगे। प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रीतम बांकिरा, कांग्रेस जिला महासचिव त्रिशानु राय, कैरा बिरुवा, रबीन्द्र बिरुवा, सचिव संतोष सिन्हा, प्रखंड अध्यक्ष दिकु सावैयां, सिकुर गोप, ईस्माईल सिंह दास, युवा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष सुनील बिरुली, नगर अध्यक्ष अमन महतो, विघ्नो राज दास, ब्रज मोहन देवगम शामिल थे।

पनसुवां डैम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाए-गीता कोड़ा

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। प.सिंहभूम जिले के ऐतिहासिक ऐसे कई पर्यटन स्थल है, जो अपने प्राकृतिक सौंदर्य से लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते है। सोनुवा का पनसुवां डैम एक ऐसा ही दर्शनीय

खूबसूरत स्थल है, जो सैलानियों को अपनी ओर खींच लाता है। तीनों ओर से पोड़ाहाट की हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा डैम प्रकृति की गोद में बसा हुआ नजर आता है। सिंहभूम की सांसद गीता कोड़ा ने सोनुवा प्रखण्ड अंतर्गत ग्राम बांसकाटा में अवस्थित पनसुवां डैम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने को लेकर प.सिंहभूम जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी को पत्र लिखा है। लिखे पत्र को सोमवार को कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से मुलाकात कर सौंपा है। सांसद गीता कोड़ा ने उपायुक्त को लिखे पत्र में कहा है कि जलाशय के पास समुदायिक शौचालय, शेड, स्नान घाट का निर्माण एवं विधुत व्यवस्था हेतू पहल किए जाने की नितांत आवश्यकता है। प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, महासचिव त्रिशानु राय, सचिव सन्नी लुगुन, प्रखंड अध्यक्ष ईस्माईल सिंह दास, सिकुर गोप, सुख सिंह गंजू, विघ्नो राज दास, ब्रज मोहन देवगम आदि शामिल थे।

ट्रेन पर चढ़ने के दौरान गिरने से महिला का पैर कटा

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। सलगझुड़ी स्टेशन में ट्रेन पर चढ़ने के दौरान रविवार को गिर जाने से एक महिला का पैर कट गया । जिसे इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया जहां महिला का इलाज जारी है। ट्रेन से कटे पैर महिला की पहचान श्यामसुंदरपुर थाना क्षेत्र के कालाझुडी गांव निवासी रूपाली के रूप में की गई है? घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार उक्त महिला अपने घर जाने के लिए टाटा खड़गपुर पैसेंजर ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रही थी,उसी दौरान ट्रेन खुल गई और महिला सीढ़ी से फिसल कर गिर गई। जिसमें उसका एक पैर कट गया। दुर्घटना के बाद तत्काल ट्रेन को रोका गया और उसे ट्रेन और पटरी के बीच से निकलकर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया में जहां उसका इलाज जारी है।

जिप सदस्य ने नुआगांव में शक्ति वंदन अभियान को लेकर किया बैठक

पूसू प्रतिनिधि, घाटशिला। जिला परिषद सदस्य सह भाजपा नेत्री देवयानी मुर्मू ने सोमवार शक्ति वंदन अभियान को लेकर घाटशिला मंडल के पावड़ा पंचायत क्षेत्र के नुवाग्राम में महिला समूह के सदस्यों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान श्रीमती मुर्मू ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछले दस सालों में महिला शशक्तिकरण की दिशा में बेहतर काम किया है। महिलाओं को समान हक और अधिकार देने का भी प्रयास किया है। स्थानीय हितों का खयाल रखने के लिए अधिक से अधिक महिलाओं को जनप्रतिनिधि के रूप में आगे बढ़ने का मौका भी दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेकर आत्मनिर्भर बनें। सरकार ने ऐसी नीति का निर्माण किया है कि योजना का लाभ सीधे लाभुक को मिलेगा। अंत्योदय से सर्वोदय का सपना पूरा करने के लिए सरकार कृतसंकल्प है। मौके पर पूर्व प्रमुख हीरामणि मुर्मू,माला दे, लक्ष्मी सीट,अर्चना नायक,निनी बेहरा,अमृता सहाय, झुमरी सीट,शानू सीट,मानू सीट,बबली सीट लिली भकत राधा देवी समेत महिला समूह के सभी सदस्य शामिल थे ।

वृद्धा पेंशन के लिए 20 से 22 फरवरी तक लगेगा शिविर

पूसू प्रतिनिधि, जगन्नाथपुर। जिन महिलाओं की उम्र 50-60 वर्ष है

उन सभी को राज्य वृद्धावस्था पेंशन योजना से लाभान्वित करने के लिए शिविर लगाया जायेगा. उक्त जानकारी जगन्नाथपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि जगन्नाथपुर के 16 पंचायत में 20 से 22 फरवरी तक विशेष शिविर का आयोजन किया जायेगा। यह शिविर 12 बजे से शाम 4 बजे तक लगेगा। इस दौरान सभी पंचायतों व वार्डों में संबंधित बीएलओ और कर्मचारी उपस्थित रहेंगे। शिविर में निशुल्क पेंशन का फार्म उपलब्ध कराया जायेगा। आवेदकों को वोटर कार्ड, आधार कार्ड, बैंक का पासबुक का फोटो कॉपी, पासपोर्ट साइज फ़ोटो अपने साथ लाना होगा. आवेदन करने के बाद आवेदक को पावती रसीद भी उपलब्ध कराया जायेगा. इसके अतिरिक्त वैसे अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति वर्ग के पुरूष जिनकी उम्र 50 पूर्ण हो गयी है उन लोगों का भी आवेदन प्राप्त किये जायेंगे। इन्हें अपने साथ जाति प्रमाण पत्र भी लाना अनिवार्य होगा।

पेड़ में लटकता मिला महिला का शव

पूसू प्रतिनिधि, घाटशिला। छोटाधादिका पोटाश जंगल मे सोमवार को एक विवाहिता महिला का पेड़ से लटकती शव मिलने से सनसनी फैल गयी है। मृतका की पहचान बरडीह गांव निवासी बाबूराम मुर्मू की पत्नी सुरजमनी मुर्मू के रूप में की गई। घटना की सूचना मिलते ही जिला परिषद सदस्य देवयानी मुर्मू और मुखिया मानसिंह हेम्ब्रम घटना स्थल पर पहुंचकर परिजनों एवं ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली। प्रथम दृष्टया मामला पूरी तरह संदेहास्पद है। शव दुपट्टा के सहारे पोटाश जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ था। घुटना जमीन से सटा हुआ है। शरीर पर जख्म के निशान भी है। मृतका के पति बाबूराम मुर्मू ने बताया कि वह कुछ महीने पहले शादी की नीयत से चम्पा सबर नाम की लड़की को लेकर आंध्र प्रदेश के चित्तूर में चिकेन फैक्टरी में काम करने चला गया था। बुधवार को घर लौटा था। शुक्रवार को सुरजमनी दुकान जाने के नाम पर घर से निकली और वापस नही आई। काफी खोजबीन किया गया लेकिन कहीं नही मिली सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने उसके शव को जंगल में एक पेड़ में लटके होने की सूचना दी। वहां जाकर देखा तो अपनी पत्नी सुरजमुनि के रूप में पहचान की। साथ ही बाबूराम ने बताया कि उनकी पत्नी का आचरण ठीक नही था। वह अक्सर किसी और के साथ फोन में बात करती थी दोनों ने एक वर्ष पूर्व प्रेम विवाह किया था। बताया जाता है कि मृतका का मायका काड़ाडुबा पंचायत के गंधनिया गांव के बाड़ेडीह टोला में है। पूर्व में उनके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना भी घट चुकी है। इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी भी हुई थी। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जगन्नाथपुर वार्षिक महिला मेट सम्मेलन संपन्न

पूसू प्रतिनिधि, जगन्नाथपुर। वार्षिक महिला मेट सम्मेलन का आयोजन सोमवार को जगन्नाथपुर प्रखंड स्टेडियम में सपोर्ट संस्था के द्वारा जीवी दा हासा परियोजना के अंतर्गत किया गाया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन पश्चिमी सिंहभूम जिला के लोकपाल अरुणाभा कर, प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद एवम सियालजोड़ा, बदानंदा, पत्तजैंत, करंजिया, बनगांव के सभी मुखिया के द्वारा दीप प्रज्वलित किया गाया। सम्मेलन में जानकारी दी गई को जीवी दा हासा परियोजना का कार्य प्रखंड के 40 गांव में संचालित हैं। मौके पर वक्ताओं ने कहा की मेट दीदी अपने गांव में कम से कम 50 मजदूरों को 100 दिन का रोजगार दिलाए, गुणवत्ता पूर्ण संरचना का निर्माण करवाए तथा कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए सुरक्षित माहौल बने। इसके लिए लगातार प्रयास करें। महिलाओं के आमदनी बढ़ाने के लिए इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम(ढ्रूस्नर), मचान खेती एवम वैज्ञानिक तकनीक से कृषि कार्य अपनाए। मनरेगा योजना के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने वाली मेटा को पुरुस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस सम्मेलन में जगन्नाथपुर के सभी पंचायतों से मेट दीदी , मुखिया, पंचायत समिति सदस्य एवम आयोजक संस्था सपोर्ट के टीम लीडर नीतीश कुमार बादल, नर्गिस कुमारी, ओमप्रकाश , अनिमेष मंडी एवम सभी सपोर्ट सदस्य उपस्थित थे।

जैम स्ट्रीट में महाकाल सेवा कमेटी ने स्टॉल लगाकर बोतल पानी वितरित किया

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। साल 2024 का आखरी जैम स्ट्रीट रविवार ,18 फरवरी को कदमा गणेश पूजा मैदान गोलचक्कर से कदमा रंकिनी मंदिर गोलचक्कर के बीच आयोजित की गई। साल के आखरी जैम स्ट्रीट में जमशेदपुर वासियों का उत्साह अलग मुकाम पर दिखा। जैम स्ट्रीट में विभिन्न एक्टिविटीज जैसे जुंबा, डांस, जैमिंग का लोग लुत्फ उठाते दिखे। इस बार जैम स्ट्रीट में महाकाल सेवा कमेटी द्वारा एक स्टॉल लगाकर लोगों के बीच बोतल पानी वितरित किया गया। इस स्टॉल पर जैम स्ट्रीट में आने वाले हजारों लोगों के बीच पानी बोतल वितरित किया गया। उक्त शिविर कदमा पोस्ट ऑफिस के समीप लगाया गया था। महाकाल सेवा कमेटी के अध्यक्ष मंटू सिंह एवं महाकाल सेवा कमेटी के संरक्षक मुन्ना सिंह के नेतृत्व में महाकाल सेवा कमेटी के तमाम सदस्यों ने इस नेक कार्य में अहम भूमिका निभाई। उक्त कार्यक्रम टाटा स्टील यूआईएसएल, टाटा स्टील और टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा कदमा गणेश पूजा मैदान गोलचक्कर से रंकिणी मंदिर गोलचक्कर तक संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इस दौरान महाकाल सेवा कमेटी द्वारा हजारों लोगों के बीच पानी बोतल नि:शुल्क बांटने का काम किया गया। इस मौक़े पर संस्था के निम्न सदस्यों का सार्थक योगदान रहा, जिनमें प्रमुख रूप से श्यामलाल सरकार, नकुल चौहान, रितिक,अमित, तन्मय, शेखर राव, राजू भैया, अनिल कुमार, आकाश सिंह,सतीश सिंह, प्रशांत पटनायक मनोज भैया, राजेश महतो,गोरा, हिमांशु,जोंटी,प्रकाश साहू,नीतीश, नितेश,कौशल,रोनित,रोहन, सौभ, छोटका,अविनाश,गोलू,शिवम, विकास,दयाल सिंह,बिट्ठू,विशाल मुरमुर, विकास, सुभाष गुप्ता, रंजन तिवारी, राजू एवम महिलाएं में विशेष तौर पर विनीता,अंजलि, अनामिका,संजू देवी, श्वेता सिंह, तनु साहू, किरण स्वामी ,सोनी, स्नेहा ,खुशी, सोनम, प्रिया, स्वर्ण, कंचनाजी आदि उपस्थित थे।

कन्वाई चालकों ने संस्थापक दिवस पर प्रदर्शन की दी चेतावनी

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत कन्वाई चालकों ने सोमवार को एक बार फिर बुकिंग बाधित कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व ज्ञानसागर प्रसाद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 1970 से कन्वाई चालक अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। लेकिन टाल मटोल एवं आंदोलन को दबाने के अलावे कुछ नहीं किया गया। लेकिन इस बार कन्वाई चालक पीछे हटने के मुड में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष टाटा स्टील की ओर से संस्थापक की जयंती पर शहर को सजाया जाता है। लेकिन कन्वाई चालकों के बुकिंग यार्ड एवं रेस्ट हाउस को विरान रखा जाता है। अगर इस बार 3 मार्च से पहले सजावट एवं रोशनी नहीं की गई तो चालक अपने बूते तैयारी करेंगे। लेकिन अपनी मांगों से पीछे नहीं हटेंगे। जरुरत पड़ी तो 3 मार्च को टाटा मोटर्स के वरीय अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे। ज्ञात हो कि कन्वाई चालक विगत कई वर्षों से सालाना बोनस, सरकार द्वारा निर्धारित वेतन, 8 घंटा से अधिक काम का वेतन, साथ ही गाड़ियों के साथ ड्राइवर का इंश्योरेंस करने की मांग कर रहे हैं।

चाईबासा बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत कुमार घोष का निधन

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। जिला बार एसोसिएशन चाईबासा के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत कुमार घोष का सोमवार को आकस्मिक निधन उनके सेन टोला स्थित आवास में हो गया। प्रशांत कुमार घोष एक मिलनसार, मृदुभाषी एवं सरल स्वभाव के व्यक्ति थे। उनके निधन को लेकर जिला बार एसोसिएशन प्रांगण में शोक सभा का आयोजन किया गया। मौके पर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद में कहा कि जिला बार एसोसिएशन चाईबासा में प्रशांत कुमार ने 1969 से वकालत प्रारंभ की। वे 56 वर्षों तक वकालत के पेशे में कार्यरत रहे। प्रशांत कुमार घोष दीवानी, फौजदारी एवं राजस्व मामलों के अधिवक्ता थे। वे एजीपी रहे। उनका निधन होना बार एसोसिएशन के लिए अपूरणीय क्षति है। मौके पर मुख्य रूप से जिला बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के कैसर परवेज, महासचिव फादर आगस्टिन कुल्लू, संयुक्त सचिव विवेक शर्मा, कोषाध्यक्ष दुर्योधन गोप, वरिष्ठ अधिवक्ता निरंजन प्रसाद साव, नीरज कुमार, सतीश चंद्र महतो, सरकारी वकील पवन शर्मा, गोरांग महतो, किशोर महतो, रघुवर महतो, दामोदर लाल विश्वकर्मा, राजकुमार प्रजापति, दिलीप प्रजापति, आशीष सिन्हा, राकेश पांडेय, जयंती कुमारी,अधिवक्ता सह सामाजिक कार्यकर्ता राजाराम गुप्ता, अधिवक्ता अमरेश साव, बालाजी बारीक, मनीष देवगम, सुनील छाबड़ा, संजीव ठाकुर, अली हैदर के अलावा काफी संख्या में अधिवक्ता मौजूद थे।

तारा पलिक स्कूल का 13वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न, छात्रों ने दिखाई प्रतिभा

पूसू प्रतिनिधि, पोटका। हाता में स्थित तारा पब्लिक स्कूल का 13 वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से आयोजित किया गया। इस अवसर पर कक्षा नर्सरी से दसवीं के छात्र-छात्राओं ने अनूठा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समां बांध दिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संपादक संजय मिश्रा उपस्थित थे। उन्होंने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कार्यक्रम में छोटे छोटे बच्चों ने अपनी अदभुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। कहा कि ग्रामीण क्षेत्र होते हुए भी यहां के छात्र शहर के बड़े बड़े निजी विद्यालयों के छात्रों से किसी भी मायने में कम नहीं है। उन्होंने जज की भूमिका निभाते हुए छात्र छात्राओं द्वारा पेश किए सोशल मीडिया से संबंधित इवेंट में छात्रों को पुरस्कृत किया। जिसमें लवली पात्र, जीत प्रमाणिक व शिक्षिका बबीता टुडू को श्रेष्ठ प्रतिभागी चुना गया। उन्होंने बच्चों के शानदार प्रस्तुति के लिए स्कूल के निदेशक पूनम लाल, सलाहकार पूर्व सीएस डॉ. एके लाल, प्रिंसिपल कमलेश कुमार मिश्रा एवं सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं की सराहना की। विशिष्ट अतिथि पोटका के बीडीओ अभय कुमार द्वेदी ने कहा कि प्रतिभा शहर की मोहताज नहीं होती है। ग्रामीण परिवेश में रहने वाला बच्चा भी अच्छा कर सकता है। केवल उसे वैसा माहौल मिलना चाहिए। आधुनिक युग में मोबाइल की बढ़ती मांग पर उन्होंने छात्रों को इसका कम से कम इस्तेमाल की नसीहत दी। कार्यक्रम का संचालन लिटिल ब्वाय आदित्य मंडल व पलक कुमारी ने सुंदर और प्रभावी ढंग से किया। इससे पहले स्कूल के प्राचार्य कमलेश कुमार मिश्रा ने मुख्य अतिथि को गुलदस्ता एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर पार्षद सूरज मंडल, सांसद प्रतिनिधि उपेंद्रनाथ सरदार, मुखिया सुखलाल सरदार,व, देवी कुमारी भूमिज, पूर्व मुखिया सावित्री सरदार,ज्ञान गंगा के निदेशक मधुकर आनंद, साहित्यकार सुनील डे, भाजपा नेता मनोज सरदार, दुलाल मुखर्जी,व सुदीप डे सहित सैकड़ों अभिभावक व छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव की तैयारियों को अंतिम रुप देने में जुटा प्रशासन

कार्यालय कर्मियों की सूची 20 तक कार्मिक कोषांग को सौंपने का निर्देश

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा को लेकर सोमवार को एक बैठक जिला सभागार में उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में हुई। जिसमें लोकसभा निर्वाचन को लेकर गठित विभिन्न कोषांगों के कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, सिटी एसपी मुकेश लुणायत, ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग, एसडीएम धालभूम पीयूष सिन्हा शामिल रहे। उपस्थित पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन-जिन कार्यालयों द्वारा अपने कर्मियों की सूची कार्मिक कोषांग को अबतक उपलब्ध नहीं कराई गई है वे 20 फरवरी तक उपलब्ध करायें अन्यथा कार्यालय प्रधान की जबावदेही तय की जाएगी। उन्होंने सभी कोषांगों की कार्ययोजना बनाते हुए कार्य करने तथा कोषांगों की गतिविधियां में तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ ही कोषांगों के नोडल को प्रत्येक दो दिन में कार्यप्रगति की समीक्षा करने का निर्देश दिया। सभी ईआरओ, एईआरओ, डीएसपी एवं थाना प्रभारी को क्रिटिकल पॉकेट्स का पुनः भौतिक सत्यापन करने के लिए कहा। बैठक में क्रिटिकल और नन क्रिटिकल बूथ की संख्या, मतदान केन्द्रों में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का भौतिक सत्यापन, सेक्टर पदाधिकारी एवं सेक्टर पुलिस पदाधिकारी का प्रशिक्षण,

शैडो थाना चिन्हित किए जाने, मानव बल का आकलन, पोस्टल बैलेट का आकलन, प्रशिक्षण कार्यक्रम की अद्यतन स्थिति, चुनाव कार्य में प्रयुक्त होने वाले वाहनों का आकलन, ईवीएम वीवीपैट का डेमॉन्स्ट्रेशन कार्यक्रम समेत अन्य कोषांगों के दायित्व आदि बिदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा एवं समीक्षा की गई।

मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन का दिया निर्देश

उपायुक्त ने मौजूद अधिकारियों को चुनाव की प्रक्रियाओं को साफ-स्वच्छ, निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर संपन्न कराने की बात कही। साथ ही उन्होंने कहा कि सभी पदाधिकारी से अपेक्षा की जाती है कि उन्हें मतदान केंद्र तक पहुंच मार्ग, मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन, चुनावी प्रबंधन, मतदान प्रक्रिया, ईवीएम, वीवीपैट की कार्य प्रणाली, आदर्श आचार संहिता, कोषांगों की भूमिका, सुदृढ़ कानून व्यवस्था के आदि का ज्ञान रहे। उन्होंने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी को मतदान केन्द्रों तक पहुंच मार्ग व मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता में कोई कमी हो जिससे सुगमतापूर्वक चुनाव संपन्न कराने में बाधा उत्पन्न हो सकती है उसे ससमय दुरुस्त कराने का निर्देश दिया।

अंतर्जिला चेकनाका होंगे क्रियाशील- एसएसपी

वरीय पुलिस अधीक्षक ने चुनाव के दौरान मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए शराब, पैसा, ड्रग्स या अन्य प्रतिबंधित चीजों के उपयोग पर विशेष निगरानी के लिए अंतर्राज्यीय चेकनाकाओं पर प्रतिनियुक्त पदाधिकारी एवं कर्मियों को सजग होकर कार्य करने का निर्देश दिया। वर्तमान में 10 अंतर्राज्यीय चेकनाका कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही अंतर्जिला चेकनाका भी क्रियाशील कर दिए जाएंगे। चुनाव को निष्पक्ष एवं बाधारहित संपन्न कराने को लेकर विभिन्न स्तर पर विशेष निगरानी पर बल दिया। व्यय संबंधी संवेदनशील पॉकेट को लेकर उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों को चुनाव आयोग के गाइडलाइन के अनुरूप कार्रवाई का निर्देश दिया।

21 को चलेगा विशेष मतदाता जागरूकता अभियान- डीडीसी

उप विकास आयुक्त ने कहा कि शहरी क्षेत्र में विशेषकर मतदान प्रतिशत कम रहता है जिसे बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने इंफॉर्मेशन, मॉटिवेशन एवं फैशिलिटेशन पर बल देते हुए कहा कि मतदाता जागरूकता के लिए 21 फरवरी को पूरे जिले में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 50 फीसदी से कम मतदान प्रतिशत वाले एरिया को चिन्हित कर मतदाताओं में विश्वास बहाली के लिए ईवीएम डेमॉन्स्ट्रेशन, प्रचार प्रसार के विभिन्न माध्यम से मतदान के प्रति जागरूकता लाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर उपायुक्त रोहित सिन्हा, अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि व्यवस्था) राजीव रंजन, निदेशक, एनईपी ज्योत्सना सिंह, विशिष्ट पदाधिकारी अनुभाजन, जमशेदपुर दीपू कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी सलमान जफर खिजरी, डीसीएलआर गौतम कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा, जिला शिक्षा अधीक्षक, सभी बीडीओ, सीओ, डीएसपी, थाना प्रभारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

जमशेदपुर लोकसभा सीट से आस्तिक महतो को झामुमो प्रत्याशी बनाने की मांग

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। राष्ट्रीय जनता दल के नेता व अधिवक्ता सुधीर कुमार पप्पू की अध्यक्षता में गैर भाजपा दलों की

एक बैठक सोनारी स्थित उनके आवासीय कार्यालय में हुई। बैठक में कांग्रेस झामुमो और वामदलों के समर्थक कविंद्र सुरेश गुप्ता प्रदीप लाल त्रिभुवन यादव अरुण जॉन मौजूद थे। जिसमें जमशेदपुर लोकसभा सीट से झामुमो प्रत्याशी के तौर पर आस्तिक महतो को प्रत्याशी बनाने की मांग की मांग की गई। सुधीर कुमार पप्पू ने कहा कि जमशेदपुर लोकसभा सीट अधिकांश बार झामुमो की सीट रही है। इसी सीट से शैलेंद्र महतो, सुनील महतो, सुमन महतो और भाजपा के आभा महतो और विद्युत वरण महतो सांसद बने। इस तरह देखा जाए तो महतो प्रत्याशी की दमदार उपस्थिति रही है। झामुमो में सबसे दमदार प्रत्याशी के तौर पर आस्तिक महतो को देखा जा रहा है। श्री पप्पू ने झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मांग की कि लोकप्रियता की दृष्टि से और सभी वर्ग पर पकड़ रखने वाले आस्तिक महतो को पार्टी प्रत्याशी बनाएं। उन्होंने कहा कि आस्तिक महतो के मुकाबले कोई दूसरे दल के प्रत्याशी नहीं टिकेंगे।

टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन का मेगा ब्लड डोनेशन कैंप 3 मार्च को

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। टाटा मोटर्स वर्कर्स यूनियन कार्यालय

में पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें 3 मार्च को फाउंडर्स डे के उपलक्ष्य में होने वाली मासिक ब्लड डोनेशन कैंप के बारे विस्तार से चर्चा हुई। यूनियन के महामंत्री आरके सिंह ने जानकारी दी कि यूनियन द्वारा गोपेश्वर लाल की जयंती पर होने वाली मासिक ब्लड डोनेशन जमशेदपुर ब्लड बैंक के अनुरोध पर हर वर्ष 3 मार्च को आयोजित किया जायगा। बैठक में आगे की रूप रेखा तय करने के लिए यह निर्णय लिया गया कि 20 फरवरी को एक बैठक को-ऑर्डिनेटर और यूनियन के कमिटी मेम्बर और पदाधिकारियों के साथ रखने का फैसला लिया गया। कल की बैठक में मास ब्लड डोनेशन को सफल बनाने के लिए तैयारी समिति का गठन किया जायेगा। जिससे रक्तदाताओं को किसी प्रकार की कठिनाई ना हो।

जन सत्याग्रह ने यात्री सेड व शौचालय निर्माण की मांग की

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। सामाजिक संस्था जन सत्याग्रह ने सोमवार को उपायुक्त और जमशेदपुर अक्षेस के विशेष पदाधिकारी को मांग पत्र सौंपकर बर्मामाइन्स के एनएमएल चौक पर एवं केरला पब्लिक स्कूल के पास यात्री सेड एवं शौचालय (पुरुष एवं महिला यूरिन उत्सर्जन केंद्र) और बर्मामाइन्स के टाटानगर फाउंड्री बस्ती में लगभग 500 मीटर रोड, बस्ती की ओर जाने वाली गली में लगभग 400 मीटर छोटे नाली के निर्माण की मांग की। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष मनजीत कुमार मिश्रा ने कहा कि जमशेदपुर जैसे विकसित शहर में प्रत्येक चौक-चौराहों में यात्री सेड एवं शौचालय का ना होना एक अभिशाप के समान है। इसके चलते आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने जिला प्रशासन से इस ओर यथाशीघ्र ध्यान देने की मांग की।

सुदेश आज शहर में, पार्टी की बैठक में लेंगे हिस्सा

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। आजसू सुप्रीमो सह केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो मंगलवार को शहर आएंगे। वे टीनप्लेट काली मंदिर स्थित सामुदायिक भवन में आजसू पार्टी पूर्वी सिंहभूम जिला समिति की बैठक में भाग लेंगे। बैठक संध्या 4 बजे रखी गई है। उक्त जानकारी देते हुए जिला प्रवक्ता अप्पू तिवारी ने बताया की लंबे समय अंतराल बाद पार्टी सुप्रीमो के आने से पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। उनके शहर आगमन पर पार्टी कार्यकर्ता उनका गर्मजोशी से स्वागत करेंगे।

जेएससीए ने सौरभ व वरूण का किया सम्मान

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। सौरभ तिवारी को फर्स्ट क्लास क्रिकेट के सभी फॉर्मेट और वरुण एरोन के रणजी फॉर्मेट से रिटायरमेंट लिए जाने के बाद सोमवार को जेएससीए की ओर से दोनों खिलाड़ियों के योगदान का सम्मान किया गया। साथ ही दोनों खिलाड़ियों को भविष्य के लिए बधाई दी गई। जेएससीए अध्यक्ष संजय सहाय ने कहा कि दोनों खिलाड़ी प्रतिभावान हैं। उन्होंने दोनों से जेएससीए और खिलाड़ियों को भविष्य में मदद करने तथा क्रिकेट के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान देने की अपील की। मौके संजय पांडे, पूर्व रणजी खिलाड़ी काजल दास, मनोज कुमार यादव, आशीष सिन्हा, इशांक जग्गी, सतीश सिंह, गुरजीत सोनी, सदस्य जेएससीए विनय कर्ण, राशिद, प्रबीर सिंह, साथी खिलाड़ी नदीम, अनुकूल राय ने दोनों खिलाड़ियों को भविष्य के लिए बधाई दी।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए प्रशासन ने औद्योगिक ईकाइयों से मांगा सहयोग

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में सोमवार को विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। उप विकास आयुक्त मनीष कुमार और एसडीएम धालभूम पीयूष सिन्हा की उपस्थिति में अयोजित इस बैठक में मुख्य रूप से आगामी विधानसभा चुनावों में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए मतदाता जागरूकता कार्यक्रम (स्वीप) के तहत कार्ययोजना तैयार करने को लेकर चर्चा कर दिशा निर्देश दिया गया।

बैठक में उपायुक्त ने सभी कंपनियों के प्रतिनिधियों से कहा कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनके सभी कर्मचारी अपना मतदान जरूर करें। उन्होंने 1950 वोटर हेल्पलाइन नंबर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और सभी कर्मचारियों/अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि उनका नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हो। यदि किसी का नाम लिस्ट में नहीं है, तो उसे बीएलओ के माध्यम से या वोटर ऐप के माध्यम से फॉर्म 6 अवश्य भरने और जिनको कुछ सुधार करवाना है वे फॉर्म 8 भरने का निर्देश दिया।

पोस्टल बैलेट मतदाताओं से मांगा नाम

उपायुक्त अनन्य मित्तल ने सोमवार को पोस्टल बैलेट से मतदान को लेकर एक समीक्षा बैठक की। बैठक में उपस्थित विभागीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया गया कि वे अपना नाम मतदाता सूची में निश्चित रूप से निबंधित कराएं। उन्होंने कहा कि अनिवार्य सेवायुक्त कर्मियों, जैसे कि अग्निशमन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग आदि, का नाम मतदाता सूची में निबंधित होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि किसी पदाधिकारी/कर्मचारी का नाम उनके निवास स्थान से भिन्न स्थान पर मतदाता सूची में निबंधित है, तो वे निवास स्थान के नजदीकी मतदान केंद्र में अपना नाम स्थानांतरित कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिया कि पोस्टल बैलेट में मतदान करने वाले अनिवार्य सेवायुक्त कर्मियों की सूची कल तक उपलब्ध करा दी जाए। उप विकास आयुक्त ने बताया कि जिले में अधिक संख्या में अनिवार्य सेवायुक्त कर्मी हैं जो पोस्टल बैलेट के माध्यम से अपना मतदान करेंगे। इसलिए मतदान शत प्रतिशत सुनिश्चित करने के लिए यह जरूरी है कि ऐसे सभी पदाधिकारी/कर्मचारी मतदाता सूची में अपना नाम निबंधित कराएं। शिफ्ट में काम करने वाले कर्मियों का नाम भी मतदाता सूची में जुड़वाया जाए। मतदान से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए 1950 नंबर पर भी कॉल कर सभी जनकारी प्राप्त किया जा सकता है।

औद्योगिक इकाइयों में गठित होगा इलेक्शन सेल

उन्होंने निर्देश दिया कि प्रत्येक औद्योगिक इकाई में इलेक्शन सेल का गठन किया जाए। साथ ही पार्टनर आइकन का भी चयन जल्द करने का निर्देश दिया। उन्होंने कार्य योजना बनाकर स्लोगन, हस्ताक्षर अभियान, ई-टॉक समेत अन्य गतिविधियाँ व्यापक स्तर पर आयोजित किए जाने पर विषेष ध्यान देने की बात भी कही।

मतदान के लिए लोगों को करें प्रेरित

उप विकास आयुक्त ने स्वीप कार्यक्रम के तहत 21 फरवरी को अयोजित होने वाले मतदाता जागरूकता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्देश दिया। उक्त दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताएं वयवस्तिथ तरीके से आयोजित करने का निर्देश दिया। स्लोगन अभियान, सेल्फी कांटेस्ट, बच्चों के लिए लेखन प्रतियोगिता, पेपर बैग्स में मतदाता जागरूकता से संबंधित लोगो या स्लोगन का मुद्रण करने का निर्देश दिया। इन सभी गतिविधियों को योजनाबद्ध तरीके से संचालित करने का निर्देश दिया जिससे कि अधिकाधिक मतदाताओं को वोट के अधिकार का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा सके। बैठक में डीसीएलआर श्री गौतम कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी श्री रोहित कुमार, औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

1332 रामभक्तों को लेकर अयोध्या के लिए रवाना हुई आस्था स्पेशल ट्रेन

सांसद विद्युत ने दिखाई हरी झंडी, जय श्री राम के लगे नारे

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। श्री रामलला के दर्शन के लिए देश के कोने-कोने से रामभक्त अयोध्या पहुंच रहे हैं। सोमवार को जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं को लेकर अयोध्या धाम जाने वाली आस्था स्पेशल ट्रेन को जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान क्षेत्रीय रेल प्रबंधक अभिषेक सिंघल, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, पूर्व विधायक मेनका सरदार समेत कई अन्य नेतागण मौजूद रहे। टाटानगर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक से सुबह 11.50 बजे उत्तर प्रदेश के दर्शननगर स्टेशन के लिए रवाना हुई आस्था स्पेशल ट्रेन अयोध्या जा रहे 1332 रामभक्तों के लिए यादगार बन गयी। श्रीरामलला के दर्शन के लिए रामभक्तों में गजब का उत्साह देखा गया। पूरा स्टेशन परिसर जय श्रीराम और नरेंद्र मोदी जिन्दाबाद के नारे से गूंज उठा। इस दौरान अयोध्या जाने वाले बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं एवं पुरुष सभी का उत्साह स्पष्ट झलक रहा था। रेलवे की ओर से सभी श्रद्धालुओं को लाल तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। सांसद विद्युत वरण महतो ने 20 बोगी वाली आस्था स्पेशल ट्रेन में यात्रा कर रहे सभी श्रद्धालुओं से मुलाकात की और बोगी की साफ-सफाई एवं स्वच्छता का जायजा लिया। ट्रेन में श्रद्धालुओं की सुख-सुविधाओं का ख्याल रखते हुए उनके खान-पान एवं अन्य चीजों के लिए पूरी व्यवस्था की गई है। दर्शन करने वाले जत्थे में भजन-कीर्तन मंडली भी शामिल हैं। आस्था स्पेशल ट्रेन में पूर्व विधायक मेनका सरदार, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा, पूर्व प्रदेश मंत्री रीता मिश्रा भी अयोध्याधाम के लिए रवाना हुए। 21 फरवरी को आस्था स्पेशल ट्रेन सभी श्रद्धालुओं को लेकर रात्रि 11 बजे टाटानगर स्टेशन पहुंचेगी।

साकची बाजार शिव मंदिर में महिलाओं ने लगवायी श्याम नाम की मेंहदी, निशान किये तैयार

पूसू प्रतिनिधि, जमशेदपुर। श्री श्री साकची शिव मंदिर एवं श्री श्याम परिवार का 35वाँ श्री श्री श्याम महोत्सव मंगलवार 20 फरवरी को धूमधाम से मनाया जायेगा, इसकी सभी तैयारियां पुरी हो गयी है। सोमवार को मंदिर समिति की महिलाओं की टीम द्वारा मंदिर परिसर में मेंहदी उत्सव मनाया गया। साकची शिव मंदिर के दूसरे तल्ले पर 108 महिलाओं ने श्याम नाम की मेंहदी लगवायी। इसका आयोजन सुबह 11 से शाम आठ बजे तक चला। महिलाओं द्वारा जय श्रीराम और जय श्री श्याम लिखा हुआ दो बड़ा निशान (बाबा श्याम और बालाजी) मोर पंख से सजाया गया, जिसे शोभा यात्रा में सबसे आगे लेकर भक्तगण चलेगें। सोमवार की शाम को मंदिर के प्रथम तल्ले पर शाम छह बजे से राधा-रानी टीम की महिलाओं द्वारा बाबा श्याम का भजन-कीर्त्तन किया गया। भजनों पर महिलाओं द्वारा नृत्य कर बाबा

का रिझाया गया। महिलाओं ने फूलों की होली भी खेली। महिलाओं की टीम द्वारा श्री गणेश वंदना से भजनों का शुभारंभ किया गया। आज के कार्यक्रम को सफल बनाने में कविता अग्रवाल, बबली शाह, मनीषा संघी, निशा सिघल, उषा चौधरी, ममता अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, अंजू चेतानी, मीना शाह, राखी अग्रवाल, उमा चेतानी, मनीषा अग्रवाल, सारिका अग्रवाल, अनीता शाह, अर्पणा मोदी, रश्मि झाझरिया, कविता चौधरी, रीना गोयल, शिप्रा अग्रवाल, निधि मोदी, मेघा रिंगसिया, पिंकी रिंगसिया, शकुन मोदी, अनीता अग्रवाल, संजना अग्रवाल, सुशीला अग्रवाल, आदि का योगदान रहा।

निशान यात्रा और भजनों की अमृत वर्षा आज:- श्याम परिवार के उमेश साह और बबलू अग्रवाल ने बताया कि मंगलवार 20 फरवरी को बाबा के दरबार में भजनों की अमृत वर्षा करने के लिए प्रसिद्ध भजन गायक समस्तीपुर से रेशमी शर्मा, कोलकाता से शुभम-रूपम की जोड़ी आ रहे हैं। साथ ही स्थानीय भजन गायक महावीर अग्रवाल भी बाबा के दरबार में हाजरी लगायेंगें। रात 9 बजे से देर रात प्रभु ईच्छा तक भजनों की अमृत वर्षा होगी। इससे पहले बाबा श्याम की ज्योत प्रज्जवलित रात 08.30 मुख्य जजमान रामकृष्ण चौधरी सपरिवार द्वारा किया जायेगा। महोत्सव का मुख्य आकर्षण क्रमश:, भव्य दरबार, आलौकिक श्रृंगार, छप्पन भोग, अखण्ड ज्योत, विशाल संकीर्तन होगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार को दोपहर 2 बजे साकची शिव मंदिर से श्याम नाम की ध्वजा लिए निशान (शोभा) यात्रा निकाली जायेगी, जो विभिन्न मार्गो से होते हुए वापस मंदिर आकर संपन्न होगी। जिसमें 1101 भक्त निशान के साथ शामिल रहेगें।

चाईबासा चेंबर ऑफ कॉमर्स व विधि समिति ने मंत्री दीपक बिरुवा का किया अभिनन्दन

आठ महीनों में होगा आठ साल के बराबर काम : नितिन

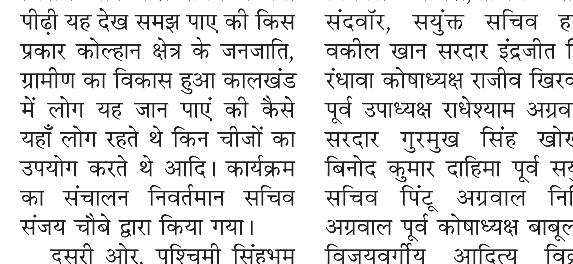

पूसू प्रतिनिधि, चाईबासा। चाईबासा चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने सोमवार को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण सह परिवहन मंत्री दीपक बिरूआ का अभिनंदन किया। इस दौरान उन्हें फूलों का गुलदस्ता एवं शॉल भेंटकर सम्मानित किया। सर्वप्रथम फेडरेशन ऑफ़ झारखण्ड चेंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष सह निवर्तमान अध्यक्ष नितिन प्रकाश, अध्यक्ष मधुसूदन अग्रवाल, सचिव नीरज संदवॉर द्वारा पुष्प गुच्छ देकर माननीय मंत्री का स्वागत किया गया तथा अंगवस्त्र ओढ़ा कर उनको सम्मानित किया। जबकि अध्यक्ष मधुसूदन अग्रवाल ने मंत्री दीपक बिरुवा को एक स्मृति चिन्ह भेंट कर बधाई दी। इससे पहले कार्यक्रम की शुरुआत क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सह निवर्तमान अध्यक्ष नितिन प्रकाश के सम्बोधन से हुआ। मंत्री दीपक बिरुवा कहा कि वे अल्प समय के लिए मंत्री बने हैं। लेकिन इसी समय मे विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। आम जनो की बातों का पूर्ण ध्यान रखते हुए समस्याओं से सरकार को अवगत करते हुए त्वरित समाधान किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। कार्यक्रम में पूर्व उपाध्यक्ष सरदार गुरमुख सिंह द्वारा मंत्री महोदय के समक्ष एक बहुत ही अच्छा एवं अनुकरणीय सुझाव रखा की कोल्हान में एक संग्रहालय की स्थापना की जाये जिससे आने वाले समय में नयी पीढ़ी यह देख समझ पाए की किस प्रकार कोल्हान क्षेत्र के जनजाति, ग्रामीण का विकास हुआ कालखंड में लोग यह जान पाएं की कैसे यहाँ लोग रहते थे किन चीजों का उपयोग करते थे आदि। कार्यक्रम का संचालन निवर्तमान सचिव संजय चौबे द्वारा किया गया।

दूसरी ओर, पश्चिमी सिंहभूम चैम्बर विधि समिति के अध्यक्ष अमित ठाकुर मंत्री दीपक बिरुआ से रांची आवास में मिले तथा उनका स्वागत किया। इस अवसर पर बीस सूत्री अध्यक्ष सुभाष बनर्जी भी रहे। इससे पहले चेंबर द्वारा आयोजित इस अभिनन्दन सह सम्मान समोराह में उपाध्यक्ष विकास गोयल,सचिव नीरज संदवॉर, सयुंक्त सचिव हाजी वकील खान सरदार इंद्रजीत सिंह रंधावा कोषाध्यक्ष राजीव खिरवाल पूर्व उपाध्यक्ष राधेश्याम अग्रवाल, सरदार गुरमुख सिंह खोखर, बिनोद कुमार दाहिमा पूर्व सयुंक्त सचिव पिंटू अग्रवाल नितिन अग्रवाल पूर्व कोषाध्यक्ष बाबूलाल विजयवर्गीय आदित्य विक्रम सारदा,वरिष्ठ सदस्य महेश गोयल, अशोक सराफ, दीपक प्रसाद एवं कार्यकारिणी सदस्य गोविंदा खेतान, पियूष गोयल आदि मौजूद रहे। अंत में धन्यवाद् ज्ञापन सयुंक्त सचिव हाजी वकील खान ने दी।

शिवाजी महाराज का निर्देशन करने जा रहे हैं रितेश देशमुख

साल 2022 में रितेश देशमुख ने ब्लॉकबस्टर मराठी फिल्म वेद का निर्देशन किया था। वेद के साथ रितेश ने अपने निर्देशन करियर की भी शुरुआत की थी। फिल्म में रितेश ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वहीं, उनकी पत्नी और अभिनेत्री जेनेलिया भी इस फिल्म में मुख्य भूमिका में थीं। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने जबर्दस्त कमाई की थी और मराठी में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में से एक रही थी। वेद की सफलता के बाद रितेश अब अपनी अगली फिल्म के निर्देशन के लिए तैयार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रितेश देशमुख छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर आधारित फिल्म का निर्देशन करने जा रहे हैं। रिपोर्ट्स की माने तो रितेश न सिर्फ फिल्म का निर्देशन करेंगे, बल्कि छत्रपति शिवाजी महाराज की मुख्य भूमिका भी निभाएंगे। फिल्म के प्री-प्रोडक्शन का काम पूरा हो चुका है और जल्द ही यह फिल्म फ्लोर पर जाएगी। चर्चा ये भी है कि छत्रपति शिवाजी महाराज पर बनने जा रही यह फिल्म रितेश देशमुख की महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में से एक है। फिल्म का संगीत अजय अतुल तैयार कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म हिंदी और मराठी दोनों भाषाओं में बनेगी, जिसका निर्माण मुंबई फिल्म कंपनी और जियो स्टूडियोज मिलकर करेंगे। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता सिनेमैटोग्राफर संतोष सिवन इस फिल्म के साथ मराठी सिनेमा में अपने करियर की शुरुआत करने जा रहे हैं।

राजनीति में कदम रख सकती है ईशा

बॉलीवुड एक्ट्रेस ईशा देओल बीते काफी समय से चर्चा में बनी हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस का भरत तख्तानी से तलाक हो गया है, कपल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट पर अपने तलाक की घोषणा की थी। खबर है कि तलाक के बाद ईशा अपनी दोनों बेटियों के साथ अपनी मां हेमा मालिनी के साथ रहेंगी। अब मां हेमा ने अपनी बेटी ईशा को लेकर एक बड़ा हिंट दिया है, जिससे हलचल मच गई है। हेमा मालिनी ने अपनी बड़ी बेटी ईशा देओल के पॉलिटिक्स जॉइन पर करने टिप्पणी की है। हेमा ने कहा कि कि उनकी बेटी ईशा देओल भी राजनीति में कदम रख सकती हैं। वो बोलीं कि उन्हें भी इसमें दिलचस्पी है। हेमा मालिनी ने हाल ही में बात करते हुए कहा कि मेरा परिवार हमेशा मेरे साथ है। उनकी वजह से मैं यह करने में सक्षम हूं। वे मुंबई में मेरे घर की देखभाल कर रहे हैं, इसलिए मैं बहुत आसानी से मथुरा आ रही हूं। मैं आती हूं और वापस चली जाती हूं। मैं जो कुछ भी कर रही हूं, उससे धरम जी बहुत खुश हैं और इसलिए वो मेरा समर्थन करते हैं और मथुरा भी आते हैं। वहीं एक्ट्रेस से जब पूछा गया कि क्या उनकी बेटियां ईशा और अहाना भी राजनीति में आने में दिलचस्पी रखती हैं? इस पर हेमा मालिनी ने कहा कि अगर वो चाहें। लेकिन ईशा को पॉलिटिक्स में रुचि है और उन्हें ये करना पसंद होगा। कुछ सालों में हो सकता है कि वो पॉलिटिक्स ज्वाइन कर भी लें। अब हेमा मालिनी के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों से लेकर फिल्म इंडस्ट्री तक में तहलका मचा दिया है।

ब्लैक मोनोकिनी में रुबीना दिलैक ने बिखेरा जलवा

टीवी की फेमस एक्ट्रेस के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें रुबीना दिलैक का नाम जरूर आता है। प्रेगनेंसी पीरियड की वजह से लंबे समय से रुबीना मनोरंजन जगत से दूरी बनाए हुए हैं, लेकिन अपनी जुड़वा बेटियों के चलते आए दिन उनका नाम लगातार सुर्खियां बटोरता रहता है। रुबीना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अकसर ही अपनी तस्वीरें और फोटोज शेयर करती रहती हैं। रुबीना दिलैक ने एक बार फिर अपनी बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं जो फैंस का ध्यान खींच रही हैं। एक्ट्रेस अपनी लेटेस्ट तस्वीरें में मोनोकिनी पहने नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को लिए एक्ट्रेस को काफी ट्रोल किया जा रहा है।

ब्लैक मोनोकिनी में रुबीना दिलैक ने बिखेरा जलवा

बिग बॉस 14 की विजेता रुबीना रुबीना दिलैक ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में रुबीना दिलैक ब्लैक कलर की मोनोकिनी में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। मोनोकिनी के साथ रुबीना ने ट्रांसपेरेंट श्रग लिया है। उन्होंने इसके साथ ब्लैक गॉगल्स और बालों में हाई बन बनाया है जो उनके लुक को और भी खूबसूरत बना रहा है। एक तस्वीर में वह स्विमिंग पूल में पोज देती नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों को उनके पति अभिनव शुक्ला ने क्लिक की हैं। फोटोज शेयर करते हुए रुबीना ने कैप्शन में अपने पति के लिए लिखा, जिस तरह आप मुझे देखते हैं, उससे मुझे प्यार है।

सोशल मीडिया पर ट्रोल हुईं एक्ट्रेस

रुबीना दिलैक की तस्वीरें देखकर जहां कुछ लोग उनकी जमकर तारीफ करते नजर आ रहे हैं, तो वहीं कुछ लोग उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने एक्ट्रेस की फोटोज पर कमेंट करते हुए लिखा कि वाहियात पहनकर हद पार कर दी। एक ने लिखा, आपसे ऐसी उम्मीद नहीं थी मैम।

बाफ्टा पुरस्कार

दीपिका ने जोनाथन ग्लेजर को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का सम्मान सौंपा

लॉस एंजेलिस। भारतीय अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने बाफ्टा अवार्ड्स में द जोन ऑफ इंटरेस्ट के लिए जोनाथन ग्लेज़र को अंग्रेजी भाषा में नहीं सर्वश्रेष्ठ फिल्म का सम्मान सौंपा।इवेंट में मशहूर फैशन डिजाइनर सब्यसाची की डिजाइन की हुई सिल्वर शिमरी सीक्विन्ड साड़ी और मैचिंग ब्लाउज पहने हुए अभिनेत्री काफी खूबसूरत लग रही थीं।द जोन ऑफ़ इंटरेस्ट 20 डेज़ इन मारियुपोल, एनाटॉमी ऑफ़ ए फ़ॉल, पास्ट लाइव्स और सोसाइटी ऑफ़ द स्नो जैसी फिल्मों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रही थी।यह पहली बार नहीं है जब दीपिका किसी अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह के केंद्र में पहुंची हों।पिछले साल ही उन्हें ऑस्कर में देखा गया था, जब उन्होंने फिल्म आरआरआर का गाना नट्टू नट्टू पेश किया था।द जोन ऑफ इंटरेस्ट की बात करें तो यह ऑशविट्ज़ एकाग्रता शिविर के बारे में एक यूके-पोलिश ऐतिहासिक नाटक है।यह फिल्म मार्टिन एमिस के 2014 के उपन्यास पर आधारित है।

शादी के 3 साल बाद पापा बनने जा रहे हैं वरुण

पत्नी नताशा के बेबी बंप को किस करते हुए शेयर की तस्वीर

बी-टाउन में इस साल कई स्टार्स के घर नन्हें बच्चों की किलकारी गूंजने वाली हैं। अब इस लिस्ट में बॉलीवुड के हैंडसम हंक वरुण धवन का नाम भी जुड़ गया है। जी हां, वरुण धवन पापा बनने वाले हैं। हाल ही में एक्टर ने पत्नी नताशा दलाल की प्रेग्नेंसी की खबर फैंस के साथ शेयर की। एक्टर ने पत्नी संग बेहद ही प्यारी तस्वीर शेयर कर प्रेग्नेंसी अनाउंस की। शेयर की तस्वीर में वरुण धवन घुटने पर बैठ पत्नी के बड़े से बेबी बंप को चूमते नजर आ रहे। इस मोनोक्रोम तस्वीर में वरुण और नताशा का प्यारा सा डॉगी भी है जो सोफे पर बैठे कपल को बड़े ही प्यार से देख रहा है। वहीं वरुण व्हाइट शर्ट और जींस में दिखे। इस तस्वीर के साथ वरुण ने लिखा-हम प्रेग्नेंट हैं। बस आपका आशीर्वाद और प्यार चाहिए। इस मोनोक्रोम तस्वीर पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं। वरुण धवन और नताशा दलाल ने 24 जनवरी 2021 में शादी की थी। वह और नताशा बचपन के दोस्त हैं और छठी क्लास से साथ हैं। हालांकि उन्हें प्यार एक कॉन्सर्ट के दौरान हुआ था। अब शादी के 3 साल बाद कपल के घर नन्हें बच्चे की किलकारी गूंजने वाली है।

मैंने हिंदी फिल्में देखना बंद कर दिया है, इनमें कोई दम नहीं

नसीरुद्दीन शाह ने एक बार फिर बॉलीवुड पर कसा तंज

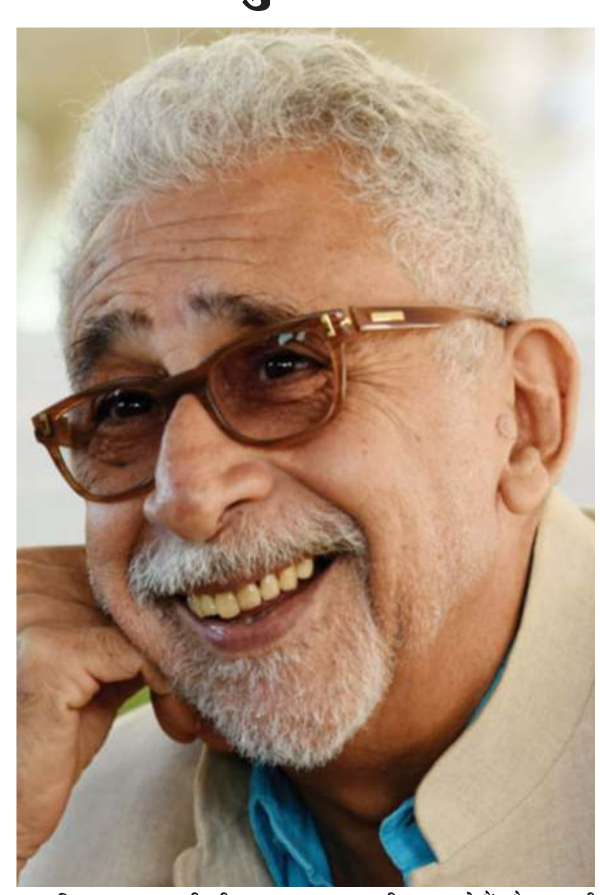

दिग्गज एक्टर नसीरुद्दीन शाह अक्सर अपनी राय रखते हैं और कुछ भी बोलने में जरा भी नहीं कतराते। एक्टर कई बार फिल्म इंडस्ट्री के बारे में काफी कुछ बोल चुके हैं और अब उन्होंने फिर से बॉलीवुड पर निशाना साधा है। एक्टर ने कहा है कि उन्होंने बॉलीवुड फिल्में देखना बंद कर दिया है।

एक्टर नसीरुद्दीन शाह का भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में योगदान बहुत बड़ा है। उन्होंने बॉलीवुड के उतार-चढ़ाव देखे हैं और इसलिए, इंडस्ट्री की फिलहाल की स्थिति के बारे में उनकी राय बहुत मायने रखती है। हालांकि, एक इंटरव्यू में एक्टर और डायरेक्टर ने कहा कि वह हिंदी सिनेमा की मौजूदा स्थिति से निराश हैं। नसीरुद्दीन शाह का कहना है कि उन्होंने हिंदी सिनेमा देखना बंद कर दिया है। एक इवेंट के दौरान, दिग्गज एक्टर नसीरुद्दीन शाह ने कहा कि यह कहते हुए गर्व होता है कि हिंदी सिनेमा 100 साल पुराना है। लेकिन उनके मुताबिक फिल्म निर्माता एक जैसी ही फिल्में बनाते रहे हैं। यह मुझे निराश करता है। मैंने हिंदी फिल्में देखना बंद कर दिया है, मुझे वे बिल्कुल पसंद नहीं हैं।

73 वर्षीय एक्टर ने आगे कहा कि हिंदी फिल्में दुनिया भर में केवल इसलिए देखी जा रही हैं क्योंकि भारतीय अपनी जड़ों और अपनी मातृभूमि से जुड़ाव पाते हैं। लेकिन अगर चीजें इसी गति और तरीके से चलती रहीं तो जल्द ही हर कोई ऊब जाएगा। उन्होंने कहा, हिंदुस्तानी खाना हर जगह पसंद किया जाता है क्योंकि इसमें दम होता है। हिंदी फिल्मों में क्या दम है? जी हां, उन पर हर जगह नजर रखी जा रही है। कितना विदेशी, कितना भारतीय, कितना रंगीन। जल्द ही वे इससे ऊब जाएंगे क्योंकि इसमें कोई दम नहीं है।

अब बहुत देर हो चुकी है

ऐसा कहने के बाद, गहराइयां एक्टर को लगता है कि हिंदी सिनेमा के लिए कुछ उम्मीद तभी है जब निर्माता उन्हें सिर्फ पैसा कमाने का साधन मानना बंद कर दें। हालांकि, नसीरुद्दीन शाह को लगता है कि अब बहुत देर हो चुकी है और कोई समाधान नहीं है। अपने दावों का सपोर्ट करते हुए, एक्टर ने कहा, क्योंकि जिन फिल्मों को हजारों लोग देख रहे हैं, वे बनती रहेंगी और लोग उन्हें देखते रहेंगे, भगवान जाने कब तक। इसलिए जो लोग गंभीर फिल्में बनाना चाहते हैं, उनकी जिम्मेदारी है कि वे आज की वास्तविकता दिखाएं और इस तरह से कि उन्हें कोई फतवा न मिले या ईडी उनके दरवाजे पर दस्तक न दे।

शाहरुख अब बेटे आर्यन के लिए हुए शर्टलेस

बॉलीवुड के किंग खान इन दिनों अपने बेटे आर्यन खान के फैशन ब्रांड डी यवोल एक्स का प्रमोशन करते दिखाई दे रहे हैं। स्टार ने एक विज्ञापन में शर्टलेस होकर अपनी बॉडी दिखाई। अपने बेटे के फैशन ब्रांड डी यवोल एक्स के लिए शाहरुख खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर नया विज्ञापन शेयर किया है, इसमें हम 2023 की एक्शन थ्रिलर पठान से उनका लुक देख सकते हैं।

वीडियो में किंग खान को लंबे बालों और दाढ़ी वाले लुक में देखा जा सकता है। उन्होंने काला चश्मा पहन रखा है और उनके हाथ में एक गिलास है। इसमें वह अपने बाइसेप्स और एब्स दिखा रहे हैं। यह वीडियो मुंबई एयरपोर्ट पर दिखाया गया। स्टार ने लिखा कि अब मुंबई हवाई अड्डे पर इसे देखने के लिए उत्साहित हूं। नई लाइफस्टाइल वाली चीजें जल्द ही आ रही हैं। मुझे नए कार्गो पसंद हैं। वीडियो ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है और प्रशंसक स्वदेश अभिनेता पर प्यार बरसा रहे हैं। एक प्रशंसक ने कहा कि शाहरुख खान की जगह कोई नहीं ले सकता, जबकि दूसरे ने लिखा, पठान लुक।

2023 में, आर्यन ने अपना लक्जरी क्लोदिंग फैशन ब्रांड डी यवोल एक्स लॉन्च किया था। उन्होंने ब्रांड के लिए एक विज्ञापन वीडियो भी बनाया, इसमें वह और शाहरुख शामिल थे। आर्यन वर्तमान में सीरीज स्टारडम की शूटिंग कर रहे हैं, इसके लिए वह शो रनर, लेखक और निर्देशक हैं। शाहरुख को पिछली बार कॉमेडी ड्रामा डंकीमें देखा गया था, इसमें उनके साथ तापसी पन्नू, विक्की कौशल और बोमन ईरानी थे।

बॉलीवुड में कमबैक पर बोलीं आयशा

आयशा टाकिया बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक हैं। आयशा ने फिल्म टार्जन- द वंडर कार से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इस फिल्म में वह अभिनेता वत्सल सेठ के अपोजिट नजर आईं थीं। इसके अलावा टार्जन-द वंडर कार में अजय देवगन भी नजर आए थे। आयशा भले ही फिल्मी दुनिया से दूर हैं, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। हाल ही में, आयशा ने ट्रोल्स को जवाब देते हुए कहा है कि उन्हें अब फिल्में करने में कोई दिलचस्पी नहीं हैं।

पूर्व बॉलीवुड अभिनेत्री आयशा टाकिया आजमी को अपने बेटे के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आईं। अभिनेत्री की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो गईं और नेटिजंस ने कहा कि वह पहचान में नहीं आ रही थीं। कई यूजर्स ने प्लास्टिक सर्जरी के बाद अपना चेहरा बर्बाद करने के लिए अभिनेत्री को खूब ट्रोल भी किया। हालांकि, बाद में अभिनेत्री ने इन ट्रोल्स को मुंहतोड़ जवाब भी दिया था। अब सोशल मीडिया पर आयशा के बॉलीवुड कमबैक की खबरों ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं।

अब इन खबरों पर प्रतिक्रिया देते हुए आयशा ने अपने कमबैक की खबरों का खंडन किया है। आयशा ने कहा, यह कहने की जरूरत है कि दो दिन पहले मैं गोवा पहुंची थी। मेरे परिवार में एक मेडिकल इमरजेंसी थी। मेरी बहन अस्पताल में है। इन सबके बीच मुझे कुछ लोगों ने रोका और मैंने उनके लिए पोज भी दिए थे। बाद में पता चला कि देश में मेरी शक्ल-सूरत को लेकर ट्रोल किया जा रहा है।

उन्होंने अच्छी और औसत टीमों के साथ खिताब जीते

टॉम मूडी ने धोनी की कप्तानी क्षमता की सराहना की

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और कोच टॉम मूडी ने अलग-अलग क्षमता वाली टीमों के साथ भी टीमों को सफलता दिलाने के एम.एस. धोनी के उल्लेखनीय कारनामे की सराहना करते हुए कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान ने दोनों टीमों अच्छे और औसत दस्ते के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खिताब जीते। धोनी की कप्तानी में, सीएसके ने 14 सीज़न में 12 बार आईपीएल प्लेऑफ़ में जगह बनाई, जो आईपीएल ट्रॉफी के लिए लगातार चुनौती देने वाले के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत करता है। पांच-पांच खिताबों के साथ, धोनी की अगुवाई वाली टीम टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे अधिक खिताब जीतने का रिकॉर्ड मुंबई इंडियंस (एमआई) के साथ साझा करती है।

क्रिकेट इतिहास में सबसे सफल कप्तानों में से एक माने जाने वाले धोनी की नेतृत्व क्षमता ने साथियों और पंडितों से समान रूप से प्रशंसा प्राप्त की है। स्टार स्पोर्ट्स इनक्रेडिबल 16 ऑफ आईपीएल पर स्टार स्पोर्ट्स से विशेष रूप से बात करते हुए, मूडी ने विविध प्रतिभाओं की क्षमता का दोहन करने, अपनी अनुकूलन क्षमता और रणनीतिक कौशल दिखाने के साथ-साथ सर्वकालिक महान आईपीएल टीम चुनने और सर्वश्रेष्ठ कप्तान के चयन पर चर्चा करने के लिए धोनी की क्षमता पर प्रकाश डाला। मेरे लिए यह एम.एस. धोनी है, इसका कारण यह है कि एम.एस. धोनी ने बहुत अच्छी टीमों और औसत टीमों के साथ खिताब जीता है, और यह मुझे कप्तान के बारे में बहुत कुछ बताता है और कैसे वह एक टीम में विभिन्न प्रकार की प्रतिभाओं को सफलता की ओर ले जा सकता है। मूडी ने कहा, रोहित शर्मा एमआई के लिए एक शानदार कप्तान रहे हैं, लेकिन एमआई के पास आईपीएल की शुरुआत से ही हमेशा सर्वश्रेष्ठ टीम रही है।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज स्टेन ने कई लोगों की भावनाओं को दोहराया जब उन्होंने धोनी को नेतृत्व उत्कृष्टता का प्रतीक बताया। विश्व कप जीत, आईपीएल खिताब और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीत सहित उपलब्धियों की एक लंबी सूची के साथ, स्टेन ने मैदान के अंदर और बाहर अपनी टीम को प्रेरित करने और प्रबंधित करने की धोनी की क्षमता पर जोर दिया।

स्टेन ने कहा,यह एम.एस धोनी होना चाहिए। उन्होंने सब कुछ जीता है- विश्व कप, आईपीएल, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी। मुझे लगता है कि वह पुरुषों के नेता हैं, और आपके पास यहां ऐसे लोगों का एक समूह है जो अपने खेल के उच्चतम स्तर पर हैं , और उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति की ज़रूरत है जो वहां रहा हो और ऐसा किया हो और उन्हें मैदान पर और बाहर बहुत अच्छी तरह से प्रबंधित कर सके, इसलिए मुझे एमएस धोनी के साथ जाना होगा। हालाँकि, यह सिर्फ धोनी की कप्तानी क्षमता नहीं थी जिसने प्रशंसा बटोरी।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर हेडन ने एक कोच के रूप में धोनी की क्षमता की सराहना करते हुए गहराई से चर्चा की। उन्होंने खिलाड़ी और प्रबंधक दोनों के रूप में भूमिका निभाने की धोनी की अद्वितीय क्षमता की ओर इशारा किया, और उनके शांत प्रभाव और चतुर नेतृत्व शैली को टीमों को गौरव दिलाने में अमूल्य संपत्ति बताया। मुझे लगता है कि यह एक स्पष्ट विकल्प है, यह यहां कोई बहस नहीं है, यह पूरे भारतीय समुदाय के बीच एकमत होने जा रहा है।

बेशक, हिटमैन रोहित शर्मा भी एक अविश्वसनीय नेता हैं, इसलिए यह एक कठिन विकल्प है, लेकिन मैं साहसी बनने जा रहा हूं और मैं धोनी को एक कप्तान और कोच के रूप में भी चुनने जा रहा हूं। उन्होंने 2008 में शुरुआत की, शेन वार्न कप्तान और कोच थे, और उन्होंने उस वर्ष फ्रेंचाइजी, राजस्थान रॉयल्स को एक खिताब तक पहुंचाया। हेडन ने कहा, और मुझे लगता है कि एम.एस धोनी भी कोच बन सकते हैं।

रणजी ट्रॉफी : रेलवे ने त्रिपुरा को हराकर रचा इतिहास

लेकिन नॉक आउट में जगह बनाने में नाकाम

नईदिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2023-24 में रेलवे क्रिकेट टीम ने सोमवार,19 फरवरी को अगरतला के एमबीबी स्टेडियम में अपने अंतिम लीग मैच में त्रिपुरा को हराकर इतिहास रच दिया। रेलवे ने रणजी इतिहास का सबसे सफल रन चेज किया। हालांकि, फिर भी वह नॉकआउट स्टेज में जनग बनाने में नाकाम रही। रेलवे की टीम पहली पारी में विपक्षी टीम के 149 रनों के जवाब में 105 रनों पर ढेर हो गई थी।

त्रिपुरा को 44 रनों की बढ़त मिली थी। घरेलू टीम ने दूसरी पारी में 333 रन बनाकर रेलवे के सामने 378 रन का लक्ष्य रखा। तीसरे दिन के सेकेंड हाफ में रेलवे ने लक्ष्य का पीछा करना शुरू किया। रेलवे की शुरुआत खराब रही। उसका शीर्ष क्रम लड़खड़ा गया और तीन विकेट पर 31 रन पर गिर गए। हालांकि, ओपनर बल्लेबाज प्रथम सिंह और मोहम्मद सैफ (106) ने चौथे विकेट के लिए 175 रन की साझेदारी की। इससे रेलवे को लक्ष्य का पीछा करने में मदद मिली। प्रथम ने 16 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 169 रन बनाए। कप्तान उपेन्द्र यादव 27 रन बनाकर नाबाद रहे। रेलवे ने 103 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

रेलवे ने सौराष्ट्र का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सौराष्ट्र की टीम 2019-20 में चैंपियन बनी थी। तब उसने उत्तर प्रदेश के खिलाफ 372 रन के लक्ष्य का पीछा किया था। 2008-09 सीजन में सर्विसेज के खिलाफ असम ने 370 रन का लक्ष्य हासिल किया था। वह सूची में तीसरे स्थान पर है।

रेलवे के सात राउंड के बाद एलीट ग्रुप सी में 24 अंक

रेलवे के सात राउंड के बाद एलीट ग्रुप सी में 24 अंक होंगे, लेकिन वह नॉकआउट में जगह बनाने से चूक जाएगा। कर्नाटक और तमिलनाडु की जगह पक्की है। गुजरात फिलहाल सात मैचों के बाद 25 अंकों के साथ पहले स्थान पर है। हार के बावजूद यह एलीट ग्रुप रणजी ट्रॉफी सीजन में त्रिपुरा का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। उसके 17 अंक हैं। टूर्नामेंट में उसने अपना 200वां मैच खेला।

पीएसएल 2024

बाबर का बड़ा कीर्तिमान

- ऐसा करने वाले बने पहले बल्लेबाज
- अब इस महारिकॉर्ड पर नजर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सुपर लीग 2024 का आगाज हो चुका है। 6 टीमों के बीच खेली जा रही ये लीग 18 मार्च तक खेली जाएगी। लीग के दूसरे ही दिन पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम किया।

बाबर आजम ने पाकिस्तान सुपर लीग में एक ऐसा कारनामा किया है जो इससे पहले इस लीग में कोई भी बल्लेबाज नहीं कर सका था।

पीएसएल इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

3003 - बाबर आजम (78 पारी)
2381 - फखर जमान (77 पारी)
2135 - शोएब मलिक (78 पारी)
2007 - मोहम्मद रिजवान (61 पारी)

पेशावर जाल्मी को पहले ही मैच में मिली हार

क्वेटा ग्लैडियेटर्स की टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 206 रन बनाए थे। इसके जवाब में बाबर ने 68 रन बनाए, जबकि सलामी बल्लेबाज सईम अयूब ने 42 रनों की तेज पारी खेली। बाबर और सैम अयूब के बीच 91 रनों की शुरुआती साझेदारी भी हुई। लेकिन इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा कोई को बल्लेबाज ज्यादा कुछ खास नहीं कर सका। जिसके चलते पेशावर जाल्मी को इस मैच में 16 रनों से हार का सामना करना पड़ा। वहीं रविवार को डबल-हेडर के दूसरे गेम में मुल्तान सुल्तांस ने कराची किंग्स के खिलाफ जीत हासिल की।

बाबर आजम के नाम दर्ज हुआ बड़ा रिकॉर्ड

पेशावर जाल्मी के कप्तान बाबर आजम ने पाकिस्तान सुपर लीग में अपने 3000 रन पूरे कर लिए हैं। वह पीएसएल में ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने इस सीजन की शुरुआत भी अर्धशतक के साथ की है, हालांकि उनकी टीम को पहले ही मैच में हार का सामना करना पड़ा। बाबर को 3,000 रन के आंकड़े तक पहुंचने के लिए 65 रनों की जरूरत थी। वहीं, उन्होंने क्वेटा ग्लैडियेटर्स के खिलाफ 42 में 68 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 4 चौके और 4 छक्के जड़े। अब बाबर टी20 क्रिकेट में 10000 रन पूरे करने के करीब भी पहुंच गए हैं। उन्हें सिर्फ 74 रन बनाने की जरूरत है।

ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर से पीड़ित बच्चों ने 165 किमी तैराकर बनाया नया विश्व रिकॉर्ड

चेन्नई ,एजेंसी। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) से पीड़ित बच्चों के एक समूह ने कुड्डालोर से चेन्नई तक 165 किलोमीटर तैराकी करके नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। नौ से 19 वर्ष के 14 बच्चों ने गजब की प्रतिबद्धता दिखाई और तमिलनाडु के तटीय क्षेत्र में तैराकी करके इतिहास रचा।

इस समुद्री तैराकी अभियान का आयोजन रिले प्रारूप में किया गया था। इस दौरान उनके ट्रेनर नाव में सवार थे। 'यादवी स्पोर्ट्स एकेडमी फॉर स्पेशल नीड्स के संस्थापक और मुख्य कोच सतीश शिवकुमार ने कहा कि इसतरह से इन बच्चों ने 'विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कहा, 'मुझे इन बच्चों की प्रतिबद्धता और जज्बे पर गर्व है।

ऑटिज्म से पीड़ित इन 14 बच्चों का समुद्री तैराकी अभियान एक उपलब्धि से भी बढ़कर है।

ऑटिज्म एक न्यूरोलॉजिकल विकार है जो पीड़ित का दूसरों के साथ संपर्क को प्रभावित करता है। तमिलनाडु के पूर्व पुलिस महानिदेशक सी सिलेंद्र बाबू ने बच्चों को सम्मानित किया। उन्होंने कहा, 'भागीदारों में तीन बच्चे ऐसे थे जिन्होंने लगातार 17 किलोमीटर तक तैराकी की जबकि एक लड़की 10 किलोमीटर तक लगातार तैरती रही। उन्होंने दिखाया कि विकलांगता उनकी राह में रोड़ा नहीं बन सकती है।

इज़राइल शतरंज लीग

अर्जुन एरिगासी विश्व रैंकिंग में 16वें स्थान पर पहुंचे

येरूशलम (इज़राइल) एजेंसी। भारतीय शतरंज अपने सबसे शानदार दौर में है और ऐसे में हर दिन भारतीय शतरंज के लिए कोई ना कोई युवा खिलाड़ी अच्छी खबर लेकर आता है । आज समाप्त हुई इज़राइल शतरंज लीग में भारतीय ग्रांड मास्टर 20 वर्षीय अर्जुन एरिगासी नें शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 मुकाबलों में 4 जीत दर्ज की और इस दौरान अपनी रेटिंग में महत्वपूर्ण 6.5 अंक जोड़ते हुए विश्व रैंकिंग में 2744.5 अंको के साथ 16वां स्थान हासिल कर लिया है , यह उनके खेल जीवन की अब तक की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है । अर्जुन नें इस दौरान इज़राइल के तामीर नाबाती ,ओरई कोचवी और यहाव एमनेल और स्वीडन के प्लाटोन गलपेरिन को पराजित किया । रोचक बात यह है की फिलहाल भारत के पाँच खिलाड़ी बेहद कम अंको के अंतर से विश्व रैंकिंग में 12वे से 16वें स्थान तक पहुँच गए है । विश्वनाथन आनंद (2748) , डी गुकेश (2747.1) , आर प्रज्ञानन्दा (2747),विदित गुजराती (2747) और अर्जुन एरिगासी (2744.5) अंको पर है और यह विश्व शतरंज में भारत की बढ़ती ताकत का उदाहरण है ।

इंडिया वर्सेस इंग्लैंड

चौथे टेस्ट से जसप्रीत बुमराह को मिलेगा आराम या नहीं?

नईदिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ जारी पांच मैचों की सीरीज के चौथे टेस्ट मैच में खेलते हुए नजर नहीं आएंगे। चौथा टेस्ट मैच 23 फरवरी से रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्पलेक्स मैदान पर खेला जाना है। बुमराह इसके बाद सीरीज के आखिरी टेस्ट मैच में खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला चौथे टेस्ट मैच के रिजल्ट पर निर्भर करेगा। सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच 7 मार्च से धर्मशाला में खेला जाना है। तीन मैचों के बाद टीम इंडिया सीरीज में 2-1 से आगे है।

भारत ने राजकोट टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ 434 रनों की दमदार जीत दर्ज की। हैदराबाद टेस्ट भारत ने 28 रनों से गंवाया था, लेकिन इसके बाद विशाखापट्टनम टेस्ट में रोहित शर्मा एंड कंपनी ने वापसी करते हुए 106 रनों से जीत दर्ज की। भारतीय क्रिकेट टीम राजकोट से रांची के लिए 20 फरवरी को रवाना होगी। बुमराह इस दौरान टीम के साथ रांची ट्रैवल नहीं करेंगे। क्रिकबज की खबर के मुताबिक बुमराह राजकोट से अहमदाबाद जाएंगे।

बुमराह के अलावा किसी और खिलाड़ी को अगले टेस्ट मैच के लिए आराम दिए जाने की खबर नहीं है। बुमराह को आराम वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत दिया जा रहा है। इस सीरीज में अभी तक सबसे ज्यादा विकेट बुमराह ने ही चटकाए हैं।

स्टोक्स ने की डीआरएस से अंपायर्स कॉल हटाने की मांग

राजकोट, एजेंसी। राजकोट टेस्ट में भारत के खिलाफ मिली करारी हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अंपायर कॉल को खत्म करने की मांग की है। स्टोक्स का यह बयान चौथे दिन जैक क्रॉली के विकेट को लेकर आया जिन्हें अंपायर कॉल के चलते आउट दिया गया। इंग्लिश कप्तान का कहना है कि वह एक दो बार नहीं बल्कि तीन बार गलत एंड पर थे।

स्टोक्स ने गुहार लगाई है कि टीमों के पास समान अवसर होना चाहिए और निर्णय पूर्ण होना चाहिए। इंग्लैंड की दूसरी पारी के 9वें ओवर में जब जसप्रीत बुमराह की गेंद क्रॉली के पैड पर लगी तो अंपायर कुमार धर्मसेना ने अपनी उंगली उठा दी। इंग्लिश ओपनर ने डीआरएस का विकल्प चुना और बॉल-ट्रैकर ने दिखाया कि गेंद लेग स्टंप को छूकर जा रही है, जिससे क्रॉली को वापस जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। मैच के बाद स्टोक्स और मैकुलम को मैच रेफरी जेफ क्रो के साथ बातचीत करते देखा गया। मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए स्टोक्स ने कहा कि वह मानते हैं कि अंपायरों का काम काफी कठिन है और अस्पष्टताओं को दूर करने की जरूरत है। बेन स्टोक्स ने कहा, हम इस मैच में तीन बार अंपायर कॉल पर गलत एंड पर रहे हैं और यह छ्रक्र का हिस्सा है।

आप या तो सही पक्ष पर हैं या गलत पक्ष पर। दुर्भाग्य से, हम गलत पक्ष पर रहे। आप बस समान अवसर चाहते हैं। अंपायरों का काम अविश्वसनीय रूप से कठिन होता है, खासकर भारत में जब गेंद घूम रही होती है। उन्होंने आगे कहा, मेरी निजी राय है कि अगर गेंद स्टंप्स पर लग रही है, तो यह स्टंप्स पर ही लग रही है। अगर मैं पूरी तरह से ईमानदार हूं तो उन्हें अंपायर कॉल को हटा देना चाहिए। मैं इसमें ज्यादा नहीं पड़ना चाहता क्योंकि ऐसा लगता है हम कराह रहे हैं और कह रहे हैं कि इसीलिए हम टेस्ट मैच हार गए।

विकेट लेने के लिए मेहनत करनी पड़ी: जडेजा

राजकोट, एजेंसी। भारत की इंग्लैंड के खिलाफ 434 रन की शानदार जीत में अपने हरफनमौला प्रदर्शन से प्लेयर ऑफ द मैच बने आलराउंडर रवींद्र जडेजा ने रविवार को कहा कि इस विकेट पर आपको आसानी से विकेट नहीं मिलेंगे, यहां आपको मेहनत करनी होगी।

आपको विकेट लेने के लिए मेहनत करनी होगी, सही एरिया में गेंद करनी होगी। मैच के बाद जडेजा ने प्रेजेंटेशन में कहा ,हम 33 पर तीन थे तो जब मैं आया तो मैंने रोहित के साथ साझेदारी बढ़ाने की सोची। यह मुश्किल स्थिति थी, मैं बस अपनी ताकत पर विश्वास कर रहा था, अपने शॉट खेल रहा था, अधिक कुछ नहीं सोच रहा था

मैच में शतक बनाने और कुल सात विकेट लेने वाले जडेजा ने कहा,इस विकेट के बारे में मैं जानता हूं, जब पहले बल्लेबाजी होती है तो गेंद अच्छे से बल्ले पर आती है लेकिन बाद में गेंद टर्न लेती है।

जब रोहित ने टॉस जीता तो मुझे बहुत अच्छा लगा। मैच की दूसरी पारी में नाबाद दोहरा शतक बनाने वाले यशस्वी जायसवाल ने कहा,मैं बस कोशिश कर रहा था ...जब भी मैं सेट हो जाऊं, तो बड़ा स्कोर बनाऊं। क्योंकि टेस्ट क्रिकेट में आप कभी नहीं जानते, जब आप अच्छा खेल रहे हों तो आपको इसे बड़ा करना होगा। (इस दोहरे शतक के विभिन्न चरण) यह मेरे लिए काफी मुश्किल था क्योंकि शुरुआत में मैं रन नहीं बना पा रहा था।

इसलिए सेशन खेलना पड़ा और सेट होना पड़ा। तभी मुझे लगा कि मैं रन बना सकता हूं। थोड़ी देर बाद मेरी पीठ ठीक नहीं थी। मैं बाहर जाना नहीं चाहता था लेकिन क्योंकि दर्द बहुत ज्यादा था और मैं बाहर चला गया। जायसवाल ने कहा, आज जब मैं आया, तो मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि मैं खेल को आगे ले जाऊं और अंत तक बल्लेबाजी करूं।

मुझे लगा कि विकेट में कुछ है। मेरे लिए, टीम को अच्छी शुरुआत देना महत्वपूर्ण था इसलिए मेरे लिए लंबे समय तक खेलना महत्वपूर्ण था।मैं खुद से कहता हूं कि जब भी मैं सेट हो जाता हूं, मुझे अच्छा स्कोर बनाने की जरूरत है क्योंकि आप कभी भी आउट हो सकते हैं। मेरे सीनियर्स ने इस बारे में मुझे समझाया है। जिस तरह से रोहित भाई और जड्डू भाई ने खेला, उसने मुझे बहुत प्रेरित किया।

उनके जुनून ने मुझे सत्र दर सत्र खेलने के लिए प्रेरित किया। मैंने डगआउट के अंदर सोचा कि मैं कब जाऊंगा वहां मुझे भी इस तरह खेलना है। लेकिन मैंने सोचा कि जब मैं वहां हूं तो मुझे अपना 100 प्रतिशत देना होगा।

संक्षिप्त समाचार

ढाबे पर चाय पीने रुका परिवार और गायब हो गया 8 साल का मासूम

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान से चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां अपने परिवार के साथ घूमने गया एक 8 साल का बच्चा अचानक गायब हो गया। घटना जयपुर आगरा हाईवे पर उस वक्त हुई जब बच्चे का परिवार चाय पीने के लिए एक ढाबे पर रुका। परिवार भरतपुर का रहने वाला बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक शनिवार रात करीब 7.45 पर ये लोग चाय ब्रेक के लिए एक ढाबे पर रुके। इसी दौरान 8 साल का बच्चा सागर अचानक गाड़ी से गायब हो गया। बताया जा रहा है कि परिवार जब ढाबे पर चाय पी रहा था तब सागर गाड़ी में अकेला था। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक बच्चे की मां सुनीता ने उन्हें बताया कि परिवार ने बालाजी मंदिर के दर्शन के लिए भरतपुर जिले के बगदरी गांव से एक टैक्सी किराए पर ली थी। वे बालाजी मोड़ के पास एक ढाबे पर रुके और इस दौरान उनका बेटा सागर कार में अकेला था। लेकिन जब वो वापस लौटे तो सागर गाड़ी में नहीं था। उन्होंने उसे ढूंढने की काफी कोशिश की लेकिन कुछ पता नहीं चला। परिवार की शिकायत पर मेहंदीपुर बालाजी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि बच्चे की तलाश के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं लेकिन अभी कोई खास जानकारी नहीं मिल सकी है। टोल नाकों पर लगे सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जा रही है, ताकी कहीं से कोई सुराग मिल सके।

सीएएफ जवान को कुल्हाड़ी काट डाला, हिड़मा के गढ़ में सुरक्षा बलों ने बनाया कैंप

बीजापुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में बीजापुर जिले के एक ग्रामीण बाजार में नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) के एक जवान की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुटरू थाना क्षेत्र के एक गांव में सुबह करीब साढ़े नौ बजे नक्सलियों ने एक बाजार में सुरक्षा के लिए तैनात की गई सीएएफ की एक टीम पर हमला कर दिया। नक्सलियों के एक छोटे समूह ने सीएएफ टीम का नेतृत्व कर रहे कंपनी कमांडर तिजाऊ राम भुआर्य पर हमला किया। नक्सलियों ने भुआर्य पर कुल्हाड़ी से काटकर उनकी हत्या कर दी और घटनास्थल से फरार हो गए। अधिकारी ने बताया कि भुआर्य सीएएफ की चौथी बटालियन में तैनात थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और हमलावरों का पता लगाने के लिए इलाके में तलाशी शुरू कर दी। इस बीच छत्तीसगढ़ पुलिस ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सुकमा जिले के पुवर्ती गांव में एक शिविर स्थापित किया है, जो बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों पर घातक हमलों के सूत्रधार माने जाने वाले कुख्यात नक्सली नेता हिडमा का मूल स्थान और गढ़ है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और पुलिस शिविर स्थापित करने से नक्सलियों के खिलाफ मनोवैज्ञानिक मदद मिलेगी। पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर रेंज) सुंदरराज पी. ने कहा कि राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ), जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और बस्तर फाइटर्स की एक संयुक्त टीम, साथ ही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), इसकी विशिष्ट कोबरा (साहसिक कार्रवाई के लिए कमांडो बटालियन) और स्थानीय पुलिस ने शुक्रवार को पुवर्ती में एक शिविर लगाया।

दिल्ली विधानसभा से निलंबित भाजपा विधायक पहुंचे हाई कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विधानसभा से निलंबित करने के निर्णय के विरुद्ध सात भाजपा विधायकों ने दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। मुख्य पीठ ने अनुरोध को स्वीकार करते हुए मामले को सोमवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। भाजपा विधायकों की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता जयंत मेहता ने कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामला उठाते हुए कहा कि उनके मुवक्किलों को गलत तरीके से निलंबित किया गया है और ऐसा करके विधानसभा की प्रक्रिया में शामिल होने का अधिकार प्रभावित हुआ है। भाजपा विधायकों को उपराज्यपाल के भाषण में गतिरोध पैदा करने के आरोप पर निलंबित किया गया है। मामले में दिन में सुनवाई हो सकती है।

मणिपुर सरकार ने कर्मचारियों से कार्यालयों में हाजिर रहने को कहा

इंफाल, एजेंसी।
मणिपुर सरकार ने रविवार को अपने कर्मचारियों को कार्यालयों में हाजिर रहने और अपने आधिकारिक कर्तव्यों का पालन करने के लिए कहा। साथ ही, चेतावनी दी कि सरकारी आदेशों के उल्लंघन के मामले में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ प्रासंगिक कानून के तहत मामला दर्ज किया जाएगा और मुकदमा चलाया जाएगा।

सरकार का यह आदेश इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) - जो कि मणिपुर में आदिवासियों का एक शीर्ष निकाय है - द्वारा एक सार्वजनिक नोटिस जारी करने के बाद आया है, जिसमें घोषणा की गई है कि चुराचांदपुर जिले में स्थित सभी राज्य सरकार के कार्यालय अगली सूचना तक सोमवार, 19 फरवरी को बंद रहेंगे।

मणिपुर सरकार के मुख्य सचिव विनीत जोशी ने रविवार को एक आदेश में सभी सरकारी कर्मचारियों को कार्यालयों में उपस्थित होने का निर्देश दिया और आदेशों के किसी भी उल्लंघन के मामले में बिना किसी अपवाद के संबंधित व्यक्ति पर फिलहाल भूमि कानून के प्रासंगिक प्रावधान के तहत मामला दर्ज किया जाएगा और मुकदमा चलाया जाएगा।राज्य सरकार के सभी कार्यालयों/संस्थानों द्वारा उन कर्मचारियों के खिलाफ काम नहीं, वेतन नहीं मानदंड भी लागू किया जाएगा जो अधिकृत अवकाश के बिना अपनी आधिकारिक ड्यूटी पर नहीं आते हैं।

आदेश में कहा गया है, सभी केंद्रीय और राज्य सरकार के प्राधिकारियों और संस्थानों/प्रतिष्ठानों/स्वायत्त निकायों के प्रबंधन प्राधिकारियों को भी हमेशा की तरह कर्मचारियों और छात्रों की सख्त उपस्थिति सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी जिलों के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक आदेशों को लागू करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करेंगे।आईटीएलएफ ने एक सार्वजनिक नोटिस नोटिस में कहा कि 24 घंटे बीत चुके हैं, जब आईटीएलएफ ने हेड कांस्टेबल सियामलालपॉल के निलंबन आदेश को रद्द करने और चुराचांदपुर जिले के पुलिस अधीक्षक शिवानंद सुर्वे और उपायुक्त एस धारुन कुमार को बदलने का अल्टीमेटम दिया है। चुराचंदपुर जिले के सभी राज्य सरकारी कर्मचारियों को कार्यालय जाने से बचना चाहिए। यदि कोई कार्यालय में दिखाई देता है तो उसके साथ कोई अप्रिय घटना होने पर वे जिम्मेदार होंगे।वित्तीय, चिकित्सा और शैक्षणिक संस्थानों को छूट दी जाएगी। आईटीएलएफ ने अपने सार्वजनिक नोटिस नोटिस में कहा, जब तक कोई सौहार्दपूर्ण समझौता नहीं हो जाता, तब तक वॉल ऑफ रिमेंबरेंस नरसंहार के दो शहीदों को दफनाया नहीं जाएगा।

13 फरवरी को पांगेई में मणिपुर पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज (एमपीटीसी) और चिंगरेल में मणिपुर राइफल्स परिसर की 5वीं बटालियन से भीड़ द्वारा हथियार और गोला-बारूद की लूट के बाद ड्यूटी में लापरवाही के लिए मणिपुर राइफल्स के सात कर्मियों को 16 फरवरी को निलंबित कर दिया गया था।मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा था कि चुराचांदपुर जिले में 15 फरवरी को उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के कार्यालयों पर भीड़ के हमले के पीछे कोई छिपा हुआ एजेंडा था या नहीं, इसका पता लगाने के लिए मजिस्ट्रेट जांच का आदेश दिया गया है।विधायक का नाम लिए बिना मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस जिले में हिंसा भड़काने के आरोप में चुराचांदपुर विधायक के खिलाफ मामला दर्ज करेगी।चुराचांदपुर में 15 फरवरी की देर रात एक सरकारी परिसर, जिसमें एसपी और डीसी के कार्यालय हैं, पर धावा बोलने वाली भीड़ पर सुरक्षा बलों की गोलीबारी के बाद दो लोगों की मौत हो गई और 40 से अधिक अन्य घायल हो गए।

पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव व डीजीपी को किया तलब

नई दिल्ली, एजेंसी। भाजपा के लोकसभा सांसद सुकांत मजूमदार द्वारा दुर्व्यवहार, क्रूरता और जानलेवा चोट पहुंचाने के मामले में की गई शिकायत को लेकर लोकसभा की विशेषाधिकार समिति ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव भगवती प्रसाद गोपालिका, पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार, उत्तर 24 परगना के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट शरद कुमार द्विवेदी, बशीरहाट जिले के पुलिस अधीक्षक हुसैन मेहदी रहमान और अतिरिक्त एसपी पार्थ घोष को आज तलब किया हुआ है। लिखकर ममता बनर्जी सरकार में पुलिस और सुरक्षा बलों पर अपने साथ दुर्व्यवहार एवं क्रूरता करने और जानलेवा चोट पहुंचाने का आरोप लगाते हुए बतौर सांसद अपने विशेषाधिकार के उल्लंघन और प्रोटोकॉल मानदंडों के उल्लंघन की शिकायत की थी।

अभी और सांसद-विधायक टूटेंगे! फरवरी में कांग्रेस, आप और बसपा के नेता कर सकते हैं भाजपा का रुख

नईदिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस दिग्गज कमलनाथ के भारतीय जनता पार्टी में जाने की अटकलें हैं। हालांकि, इसे लेकर साफतौर पर अब तक कुछ नहीं कहा जा रहा है। इसी बीच खबरें हैं कि फरवरी में कांग्रेस समेत कई दलों के नेता पाला बदलकर भाजपा में जा सकते हैं। फिलहाल, दल बदल पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। कांग्रेस समेत बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी के कई सांसद और विधायक भाजपा में शामिल होंगे। कहा जा रहा है कि विपक्षी दलों के नेताओं का भाजपा में शामिल होना 29 फरवरी यानी महीने के अंत तक जारी रहेगा। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्र ने कहा, सिर्फ सांसद और विधायक ही नहीं, बल्कि हाल ही में चुने हुए विधायक भी भाजपा में शामिल होने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भाजपा के एक अन्य वरिष्ठ सूत्र ने संकेत दिए हैं कि यूपीए सरकार में केंद्रीय मंत्री रह चुके कांग्रेस के एक नेता ने रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारी तरफ से अभी बातचीत शुरू नहीं हुई है। अटकलें हैं कि बसपा की लालगंज सांसद संगीता आजाद और आंबेडकर नगर सांसद रीतेश पांडे भाजपा में शामिल हो सकते हैं। खास बात है कि आजाद बसपा के संस्थापक सदस्यों के परिवार से हैं। हाल ही में महाराष्ट्र के तीन बड़े नेताओं ने कांग्रेस का साथ छोड़ा है। इनमें ताजा मामला पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण का है। वह भाजपा में शामिल हुए हैं और पार्टी ने उन्हें महाराष्ट्र से ही राज्यसभा का टिकट भी दिया है। इससे पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री मिलिंद देवड़ा, बाबा सिद्दीकी भी कांग्रेस से इस्तीफा दे चुके हैं।

एक ओर जहां देवड़ा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना का हिस्सा बने।

मायावती ने एक बार फिर साफ किया लोकसभा चुनाव में किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करेगी

लखनऊ, एजेंसी।
बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर साफ किया है कि आने वाले लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी किसी से गठबंधन नहीं करने जा रही। बसपा अकेले ही यह चुनाव लड़ेगी। मायावती ने गठबंधन को लेकर लग रही अटकलों को अफवाह करार देते हुए इन पर नाराजगी जताई है। अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्?ट में मायावती ने कहा कि आए दिन गठबंधन को लेकर अफवाह फैलाना यह साबित करता है कि बीएसपी के बिना कुछ पार्टियों की यहां सही से दाल नहीं गलने वाली है।

सोमवार को एक के बाद एक दो पोस्ट में बसपा प्रमुख मायावती ने लिखा- आगामी लोकसभा आमचुनाव बीएसपी द्वारा किसी भी पार्टी से गठबंधन नहीं करने की बार-बार स्पष्ट घोषणा के बावजूद आएदिन गठबंधन सम्बंधी अफवाह फैलाना यह साबित करता है कि बीएसपी के बिना कुछ पार्टियों की यहाँ सही से दाल गलने वाली नहीं है, जबकि बीएसपी को अपने लोगों का हित सर्वोपरि है। मायावती ने कहा कि लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने का उनका फैसला बदलने वाला नहीं है। साथ ही कार्यकर्ताओं को चेताया कि वे अफवाहों से सावधान रहें। मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी अपने बलबूते पर ही चुनाव लड़ेगी। किसी के साथ गठबंधन नहीं करेगी।

मायावती ने आगे लिखा, अतः सर्वसमाज के ख़ासकर ग़रीबों, शोषितों एवं उपेक्षितों के हित व कल्याण के मद्देनज़र बीएसपी का देश भर में अपने लोगों के तन, मन, धन के सहारे अकेले अपने बलबूते पर लोकसभा आमचुनाव लड़ने का फैसला अटल है। लोग अफवाहों से ज़रूर सावधान रहें। कांग्रेस प्रभारी ने कही थी ये बात बता दें कि हाल में कांग्रेस के यूपी प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा था कि बसपा के लिए विपक्षी गठबंधन इंडिया के दरवाजे खुले हैं। अब मायावती को तय करना है कि वह आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ एकजुट होकर लड़ना चाहती हैं या अकेले अपने दम पर।

600 गायों का कत्ल और होम डिलीवरी, अलवर की बीफ मंडी के खुलासे से हड़कंप

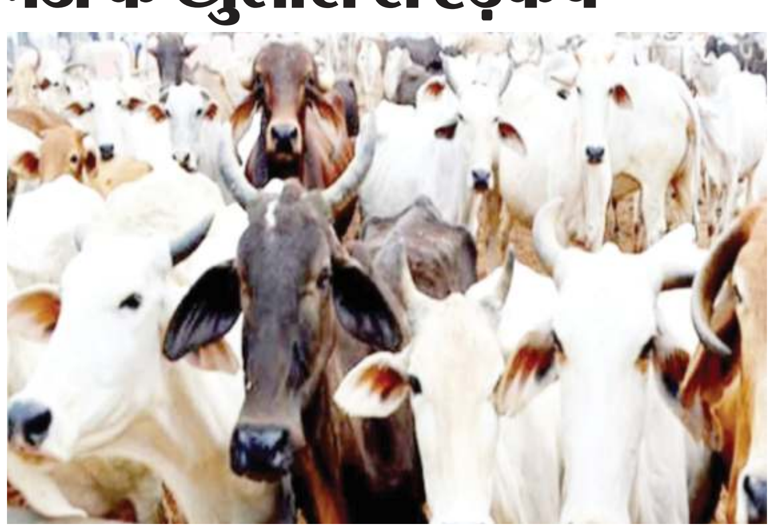

अलवर, एजेंसी।
राजस्थान के अलवर में बीफ मंडी के खुलासे से हड़कंप मच गया है। बीहड़ में सालों से चल रही बीफ मंडी पर राजस्थान की भजनलाल सरकार ने बड़ा ऐक्शन लिया है। जयपुर रेंज के आईजी ने किशनगढ़बास थाने के 4 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है तो एसएचओ समेत 38 को लाइन हाजिर किया गया है। जिन पुलिसकर्मियो को निलंबित किया गया है उनमें एएसआई ज्ञानचंद, बीट कॉन्स्टेबल स्वयं प्रकाश, रविकात और हेड कॉस्टेबल रघुवीर शामिल हैं।

दरअसल, एक अखबार में इस बीफ मंडी की तस्वीरें छपीं तो जयपुर तक हलचल मच गई। खुद आईजी उमेश चंद्र दत्त ने छापेमारी की। इस दौरान 12 बाइक और एक पिकअप बरामद की गई है। गोवंश के अवशेष भी बरामद किए गए हैं और इन्हें परीक्षण के लिए भेजा गया है। बताया जा रहा है कि कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। अलवर के किशनगढ़बास थाना क्षेत्र में यह बीफ मंडी चल रही थी। बीहड़ के बीच बसे बिरसंगपुर के पास रूंध गिदवड़ा में दिनदहाड़े गोकशी होती थी। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि यहां हर महीने 600 गायें काटीं जाती थीं। हर दिन बड़ी संख्या में लोग यहां मांस खरीदने पहुंचते थे। वही मेवात के करीब 50 गांवो में होम डिलीवरी भी होती थी। आरोप है कि किशनगढ़बास थाने के पुलिसकर्मियों को मंडी की पूरी खबर थी। लेकिन कोई ऐक्शन नहीं लिया जाता था। अलवर से करीब 60 किलोमीटर दूर इस इलाके में करीब बीफ की बिरयानी भी बेची जाती थी। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि मांस और खाल बेचकर यहां के कुछ लोग महीने में 4 लाख से ज्यादा तक की कमाई कर रहे थे। रूंध गिदवड़ा में पुलिस के ऐक्शन से हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि गांव के लगभग सभी मर्द इलाका छोड़कर भाग चुके हैं। गांव में सिर्फ महिलाएं, बच्चे और बिस्तर पर पड़े बुजुर्ग ही हैं। पुलिस अब दबिश देकर आरोपियों को दबोचने की कोशिश में जुट गई है। बीहड़ में उनकी तलाश की जा रही है।

बच्चों का खेल नहीं है राजनीति- सुप्रिया सुले

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 से पहले महाराष्ट्र के पवार परिवार में रार जारी है। अटकलें हैं कि पवार परिवार का गढ़ कहे जाने वाले बारामती से शरद पवार के बेटी सुप्रिया सुले के सामने उपमुख्यमंत्री अजित की पत्नी सुनेत्रा चुनाव लड़ सकती हैं। खबर है कि इसे लेकर बारामती सांसद और सीनियर पवार की बेटी सुप्रिया सुले का कहना है कि राजनीति बच्चों का खेल नहीं है।

सुले से जब इन अटकलों के बारे में पूछा गया कि अजित पवार बारामती से अपनी पत्नी को उनके खिलाफ खड़ा कर सकते हैं, तो उन्होंने कहा, मेरे लिए, यह एक वैचारिक लड़ाई है। इसमें कुछ भी व्यक्तिगत नहीं है। (शरद) पवार साहब एक निश्चित विचारधारा के लिए खड़े हुए हैं और हम उसके लिए प्रतिबद्ध हैं। यह पारिवारिक लड़ाई कैसे हो सकती है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में कोई भी कहीं से भी चुनाव लड़ सकता है। उन्होंने कहा, मैंने कल (शनिवार को) कहा था कि अगर उनके पास कोई मजबूत उम्मीदवार है तो मैं उससे बहस करने को तैयार हूं। वे विषय, समय और स्थान तय कर सकते हैं। मैं तैयार हूं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सुले ने कहा, राजनीति में कोई रिश्ते नहीं होते, लेकिन जिम्मेदारियां जरूरी हैं। मैं रिश्ते और अपने काम को नहीं मिलाती हूं। यह विचारधारा की लड़ाई है। लोगों को मेरिट के आधार पर मुझे वोट देना चाहिए। अजित पवार किसी का नाम लिए बिना शरद पवार और सुप्रिया सुले पर पिछ्ले कुछ दिन से तीखा हमला कर रहे हैं। उन्होंने हाल में कहा था कि संसद में भाषणों के लिए पुरस्कार मिलने से विकास कार्य नहीं होते।

लक्ष्मण, अवध आगमन और क्षीरसागर पथ, अयोध्या धाम को मिलेगी तीन नए पथों की सौगात

नई दिल्ली, एजेंसी।
अयोध्या धाम में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से यहां प्रभु श्रीराम के दर्शन और पूजन के लिए प्रतिदिन लाखों की तादाद में श्रद्धालु आ रहे हैं। ऐसे में अयोध्या की सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव भी बढ़ा है। कई बार जाम की स्थिति भी देखने को मिल रही है। इस समस्या से श्रद्धालुओं को निजात दिलाने व अयोध्या आने वाले हर रामभक्त को आसानी से रामलला का दर्शन हो सके, इसके लिए योगी सरकार ने तीन और नए पथों की सौगात अयोध्या धाम को देने की योजना बनाई है।बता दें कि योगी सरकार ने पहले से ही चार नए पथों का निर्माण अयोध्या धाम में कराया है, फिर भी श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए अब तीन और नए पथों के निर्माण का निर्णय लिया गया है।

बनाए जाने वाले तीनो पथों की लंबाई लगभग 7.40 किलोमीटर रहेगी। ये तीन पथ, जिनके नाम लक्ष्मण, अवध आगमन और क्षीरसागर पथ होंगे, के निर्माण पर 29937.50 लाख रुपये योगी सरकार खर्च करेगी।अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को जाम के झाम से न जूझना पड़े इसके लिए तीन नए पथों का निर्माण जल्?द ही शुरू किया जाएगा। इन तीन पथों में से पहला लक्ष्मण पथ की लंबाई 6.70 किमी होगी। इसके निर्माण पर 26222.65 लाख रुपये की लागत आएगी। यह गुप्तार घाट से राजघाट तक फोरलेन बनाया जाएगा। दूसरे बनने वाले पथ को अवध आगमन पथ का नाम दिया गया है। यह क्षीरसागर पथ से रामपथ तक 0.30 किमी लंबा बनाया जाएगा।

इस पथ के निर्माण पर 1689.32 लाख रुपये की लागत आएगी। वहीं अयोध्या में बनने वाले तीसरे पथ को क्षीरसागर पथ का नाम दिया गया है। इसकी लंबाई 0.400 किमी रहेगी। इसके निर्माण पर 2025.53 लाख रुपये की लागत आएगी।नए बनने वाले इन तीनों पथों के निर्माण का दायित्व लोक निर्माण विभाग प्रांतीय खंड को सौंपा गया है। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले ही योगी सरकार ने आने वाली भीड़ का अनुमान लगाते हुए सहादतगंज से नयाघाट तक लगभग 13 किमी लंबा फोर लेन रामपथ, बिड़ला धर्मशाला से रामजन्म भूमि तक 0.566 मीटर लंबा जन्मभूमि पथ, श्रृंगार हाट से हनुमानगढ़ी तक 0.742 मीटर लंबा भक्ति पथ व लता मंगेशकर चौक से लखनऊ-गोरखपुर हाईवे तक फोर लेन धर्म पथ का निर्माण कराया गया है। फिर भी जिस प्रकार श्रद्धालुओं की भीड़ अयोध्या पहुंच रही है, उसे देखते हुए तीन नए पथों का अयोध्या में निर्माण कराए जाने का निर्णय लिया गया है।

घर चलाने वाली महिला के काम को कम नहीं आंकना चाहिए- सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक गृहिणी की भूमिका वेतनभोगी परिवार के सदस्य जितनी ही महत्वपूर्ण है। शीर्ष अदालत ने आगे कहा कि एक गृहिणी के महत्व को कभी कम नहीं आंकना चाहिए। एक मोटर दुर्घटना मामले की सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की।जस्टिस सूर्यकांत और के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने 2006 में एक दुर्घटना में मरने वाली महिला के परिजनों को मुआवजा बढ़ाने का निर्देश देते हुए अपने आदेश में कहा। पीठ ने मुआवजा बढ़ाकर 6 लाख रुपये कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने वाहन मालिक को मृत महिला के परिवार को छह सप्ताह में भुगतान करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी को गृहिणी के महत्व को कभी कम नहीं आंकना चाहिए। गृहिणी के कार्य को अमूल्य बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि घर की देखभाल करने वाली महिला का मूल्य उच्च कोटि का है और उसके योगदान को मौद्रिक संदर्भ में आंकना कठिन है। पीठ ने कहा कि चूंकि जिस वाहन में वह यात्रा कर रही थी उसका बीमा नहीं था, इसलिए उसके परिवार को मुआवजा देने का दायित्व वाहन के मालिक पर आ गया। एक मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने उनके परिवार, उनके पति और नाबालिग बेटे को 2.5 लाख रुपये का हर्जाना देने का आदेश दिया था।

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काठीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादक: सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेल: purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निबटाये जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार)